जबलपुर शनिवार 23 मई 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी, संवत 2083
वर्ष 31 अंक 323 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को

⏩ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 44.0°C

न्यूनतम तापमान 26.0°C

सूर्योदय - 5.26 | सूर्यास्त - 6.48

अटल पेंशन योजना में बालाघाट को राष्ट्रीय सम्मान ⏩ 4

'पेड्डी' बन सकती है राम चरण के करियर की अब तक ⏩ 7

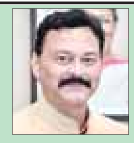

विधायक संजय पाठक ने मुख्यमंत्री ⏩ 9

आईटीबीपी महिला दल ने एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ाई कर कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली (वार्ता)

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महिला दल ने पहली बार एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ाई कर इतिहास रच दिया है। यह दल 19 अप्रैल को आईटीबीपी के दिल्ली स्थित मुख्यालय से रवाना हुआ था। इसमें 11 महिला पर्वतारोहियों सहित कुल 14 महिला सदस्य सम्मिलित थे। आईटीबीपी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत एवं नेपाल में चरणबद्ध प्रशिक्षण के बाद सभी 11 महिला पर्वतारोहियों ने नेपाल की ओर से साउथ कोल रुट से सफलतापूर्वक एवरेस्ट शिखर की चोटी पर चढ़ाई की। दल ने 21 मई की रात 12:52 पर चोटी पर भारतीय ध्वज फहराया। पर्वतारोही दल ने 8,848 मीटर ऊँचे इस शिखर पर पहंचने के इस चुनौतीपूर्ण अभियान में कम ऑक्सीजन, तेज बर्फीली हवाओं, मुश्किल मौसम एवं कठिन रास्तों के बीच साहस, धैर्य, समन्वय एवं मानसिक दृढ़ता का परिचय देते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। यह अभियान न केवल महिला सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक है, बल्कि इसके दौरान स्वच्छ हिमालयङ्क ग्लेशियर बचाओ अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियाँ भी संचालित की गयी हैं। गौरतलब है कि आईटीबीपी अब तक 232 पर्वतारोहण अभियान सफलतापूर्वक संचालित कर चुका है, जिनमें माउंट एवरेस्ट पर पाँच सफल आरोहण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आईटीबीपी के पर्वतारोही दल विश्व की आठ-हज़ार मीटर की ऊंचाई वाली 14 चोटियों में से छह प्रमुख चोटियों माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, ल्होत्से, धौलागिरी एवं मानस्लु पर भी सफल आरोहण कर चुके हैं।

भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया गया। इस परीक्षण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों की पुष्टि हुई। यह परीक्षण सामरिक बल कमान की देखरेख में किया गया।

डीआरआई ने की 60 हजार किलो तस्करी की सुपारी जब्त

नई दिल्ली (वार्ता) राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की गुवाहाटी जोनल यूनिट ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 60 हजार किलोग्राम विदेशी मूल की तस्करी की सुपारी (अरेका नट) जब्त की है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि डीआरआई ने यह कार्रवाई मिजोरम और असम में अलग-अलग अभियानों के दौरान की। इन मामलों में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि विदेशी मूल की सूखी सुपारी को म्यांमार-मिजोरम सीमा के रास्ते भारत में तस्करी कर लाया गया था।

मानसून का काउंटडाउन शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली, यूपी, बिहार, एमपी, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब सहित उत्तर भारत के राज्यों में में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मानसून का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। आईएमडी के मुताबिक अगले 3-4 दिनों में मानसून के दक्षिण-पूर्व अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के बाकी हिस्सों और पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और इलाकों में आगे बढ़ेगा। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के साथ पूर्वोत्तर में मानसून के कारण भीषण बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुकाबिक अगले 3 दिन दिल्ली में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा रहेगा। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए 'रेड कलर वार्निंग' जारी किया है और उसके बाद के लिए 'ऑरेंज वार्निंग' जारी किया गया है।

माता-पिता आईएएस तो बच्चों को आरक्षण क्यों : सुको

क्रीमी लेयर के बच्चे रिजर्वेशन लेते रहे तो इससे कभी नहीं निकल पाएंगे

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सरकारी नौकरी में क्रीमी लेयर के कैंडिडेट के आरक्षण लेने पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा- अगर माता-पिता दोनों आईएएस अफसर हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। ऐसे में अगर संपन्न बच्चों के लिए फिर से आरक्षण मांगा जाए, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने ये कमेंट तब किया। जब वे कर्नाटक हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता को क्रीमी लेयर के आधार पर आरक्षण के दायरे से बाहर रखा गया था, क्योंकि उसके माता-पिता दोनों ही राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। कैंडिडेट कर्नाटक के कुरुबा समुदाय का, माता-पिता सरकारी नौकरी में यह मामला कर्नाटक में कुरुबा समुदाय से जुड़े एक कैंडिडेट का है। कर्नाटक के पिछड़े वर्गों की सूची में इस समुदाय को श्रेणी 2(ए)के तहत रखा गया है। उम्मीदवार यानी याचिकाकर्ता का कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक इंजीनियर के पद पर सिलेक्शन हुआ था। उसकी आरक्षित कोटे के तहत नियुक्ति की गई थी। हालांकि, जिला

जाति और आय सत्यापन समिति ने उम्मीदवार को जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह क्रीमी लेयर के दायरे में आता है। उम्मीदवार के परिवार की सालाना आमदनी लगभग 19.48 लाख आंकी गई थी। अधिकारियों ने पाया कि उसके माता-पिता दोनों ही सरकारी कर्मचारी हैं और उनकी कुल आमदनी, क्रीमी लेयर के लिए तय की गई सीमा से ज्यादा है। नियमों के अनुसार ओबीसी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' की मौजूदा आय सीमा सालाना 8 लाख रुपए है। यानी अगर किसी ओबीसी परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए से ज्यादा है, तो आमतौर पर उनके बच्चों को ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं मिलता।

याचिकाकर्ता के 3 तर्क

याचिकाकर्ता के वकील शशांक रत्नू ने तर्क दिया कि सरकारी कर्मचारियों के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए वेतन से होने वाली आय ही एकमात्र निर्णायक मापदंड नहीं है उन्होंने दलील दी कि क्रीमी लेयर से बाहर रखने का आधार माता-पिता की स्थिति होती है। जैसे कि वे ग्रुप या ग्रुप बी सेवाओं से संबंधित हैं या नहीं, न कि केवल उनकी वेतन से होने वाली आय। यदि वेतन को ही एकमात्र मापदंड मान लिया जाए। तो ड्राइवर, चपरासी, क्लर्क और अन्य निचले दर्जे के सरकारी कर्मचारियों को भी आरक्षण के लाभों से वंचित किया जा सकता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट में दो बार फैसला बदला गया

सुप्रीम कोर्ट से पहले यह मामला कर्नाटक हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के पास था। पहले हाईकोर्ट के सिंगल जज ने उम्मीदवार के पक्ष में फैसला दिया था। सिंगल जज ने कहा था कि क्रीमी लेयर तय करते समय उम्मीदवार के माता-पिता की सैलरी को आय में नहीं जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही जाति वैधता प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया था। लेकिन बाद में डिवीजन बेंच ने इस फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार का 8 सितंबर 1993 वाला आदेश, जिसमें सैलरी आय को क्रीमी लेयर से बाहर रखने की बात कही गई है। वह सिर्फ केंद्र सरकार की नौकरियों और आरक्षण पर लागू होता है। डिवीजन बेंच ने कहा कि कर्नाटक में लागू आरक्षण व्यवस्था पर यह नियम सीधे लागू नहीं होगा।

आरक्षण में संतुलन जरूरी

जिन परिवारों ने सामाजिक और आर्थिक रूप से तरक्की कर ली है, उन्हें भी आरक्षण के फायदे मिलते जा रहे हैं। उच्च शिक्षा और बेहतर आर्थिक स्थिति के साथ-साथ सामाजिक रुतबे में भी सुधार आता है। सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए आरक्षण ठीक लेकिन सबको नहीं। इसमें कुछ संतुलन चाहिए।

भ्रष्टाचार अध्याय तैयार करने वाले शिक्षाविदों से हटाये प्रतिबंध

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अपने उस पुराने आदेश को वापस ले लिया है, जिसके तहत न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की विवादित अध्ययन सामग्री तैयार करने में शामिल तीन शिक्षाविदों पर प्रतिबंध लगाया गया था। इस प्रतिबंध के तहत इन शिक्षाविदों को केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों की परियोजनाओं में शामिल होने से रोक दिया गया था। न्यायालय ने अब साफ किया है कि केंद्र और राज्य सरकारें इन शिक्षाविदों को ऐसी परियोजनाओं से जोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं और इस पर वे खुद स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकती हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने 11 मार्च के अपने आदेश में की गयी प्रतिकूल टिप्पणियों को भी हटा दिया है। उस आदेश में न्यायालय ने कहा था कि इन तीनों शिक्षाविदों ने कक्षा आठ के छात्रों के सामने न्यायपालिका की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए जानबूझकर और सोचे-समझे ढंग से तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने तीनों शिक्षाविदों प्रोफ़ेसर मिशेल डैनिनो, सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्ना कुमार की ओर से दायर आवेदनों पर विचार करने के बाद यह नया आदेश पारित किया।

10 राज्यों से राज्यसभा की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 18 जून को होंगे

नई दिल्ली (वार्ता) चुनाव आयोग ने 10 राज्यों से राज्यसभा की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 18 जून को कराने की घोषणा की है। इन सीटों पर निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल आगामी जून और जुलाई माह में पूरा हो रहा है। इनमें आंध्र प्रदेश , गुजरात और कर्नाटक से चार-चार सीटें, मध्य प्रदेश ,राजस्थान से तीन - तीन, झारखंड से दो तथा मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम से एक-एक सीट के लिए चुनाव कराया जाना है। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए उप चुनाव 18 जून को कराने की घोषणा की है। चुनाव आयोग की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन चुनावों के लिए अधिसूचना पहली जून को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र 8 जून तक भरे जा सकेंगे और उनकी जांच 9 जून को की जाएगी।

नाम वापसी की तिथि 11 जून रखी गई है

मतदान 18 जून को सुबह 9:00 बजे से शाम 4: 00 बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन शाम 5:00 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी। मतदान प्रक्रिया 20 जून तक संपन्न हो जाएगी।

सीबीआई ने सहायक आयुक्त को रिश्वत के मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को पुष्प विहार में एशियन मार्केट में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक सहायक आयुक्त को रिश्वत के एक मामले में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विनोद कुमार के रूप में हुई है। एजेंसी ने 20 मई को कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एजेंसी के अनुसार कुमार ने 475 राशन कार्ड के आवंटन/वितरण के लिए हर राशन कार्ड पर 100 रुपये की गैर-कानूनी रिश्वत मांगी थी। सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा, च्यह भी आरोप है कि शिकायतकर्ता की दुकान सहित आस-पास की हर दुकान को लगभग 120 राशन कार्ड आवंटित करने का प्रस्ताव था। इसके अनुसार शिकायतकर्ता से मांगी गई कुल रकम लगभग 12,000 रुपये थी। सीबीआई ने जाल बिछा कर आरोपी सहायक आयुक्त को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मामले की जांच जारी है।

क्वॉड की बैठक 26 मई को

नई दिल्ली (वार्ता)

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बहुप्रतीक्षित बैठक आगामी 26 मई को यहां होगी, जिसमें शामिल होने के लिए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं।विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि बैठक में मुक्त और खुले हिन्द-

प्रशांत क्षेत्र और अन्य पारस्परिक महत्व के अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर हाल के घटनाक्रमों पर विचार करेंगे। वक्तव्य में कहा गया है कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के निमंत्रण पर सुश्री पेनी वोंग, श्री मोतेगी तथा श्री रुबियो क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली की आधिकारिक यात्रा करेंगे। मंत्रालय ने कहा है कि सभी सदस्य देश मुक्त और खुले हिन्द-प्रशांत के लिए क्वाड की परिकल्पना के अनुरूप पिछले वर्ष एक जुलाई को वॉशिंगटन में हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाएंगे। वे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में क्वाड सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

धार (वार्ता)

मध्यप्रदेश में धार स्थित भोजशाला मामले में उच्च न्यायालय के हालिया फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की है। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने शहर में शांति बनाए रखने की अपील भी की है। कमाल मौला मस्जिद के सदर अब्दुल समद ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले से मुस्लिम समाज में मायूसी का माहौल है और समुदाय को यह निर्णय एकतरफा महसूस हुआ है। उन्होंने बताया कि फैसले

के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद मामले को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष मेंशन करेंगे और फैसले पर जल्द स्थगन आदेश की मांग की जाएगी।

धांधलियों और अनियमितताओं को छिपाने में जुटा है एनटीए : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने के लिए जिस राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन किया था, वह परीक्षा धांधलियों तथा अनियमितताओं की सच्चाई छिपाने का काम में जुटी है और अब नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि 2018 में एनटीए के गठन के बाद से ही सरकार और उसका तंत्र परीक्षा माफिया के साथ मिलीभगत कर एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में व्यापक अनियमितताओं और धांधली की सच्चाई दबाने में लगा हुआ है। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि एनटीए के महानिदेशक ने एक संसदीय समिति के समक्ष दावा किया कि नीट-यूजी 2026 का पेपर लीक नहीं हुआ, जबकि परीक्षा से पहले कथित तौर पर एक 'गेस पेपर' छात्रों के बीच प्रसारित हुआ, जिसमें वास्तविक परीक्षा के कई प्रश्न शामिल थे।

भारत और साइप्रस ने रक्षा, साइबर सुरक्षा सहित छह क्षेत्रों में समझौते किये

नई दिल्ली (वार्ता)

भारत और साइप्रस ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने के साथ-साथ रक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, साइबर सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और समुद्री सहयोग समेत छह क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किये और संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में आठ घोषणाएं भी की। भारत की तीन दिन की यात्रा पर आये साइप्रस के राष्ट्रपति महामहिम निकोस क्रिस्टोडूलाइड्स के साथ शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विवपक्षीय वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच जिन छह समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए उनमें आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह की स्थापना, वर्ष 2026-2031 के लिए रक्षा सहयोग रोडमैप, साइप्रस के अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल नीति उप मंत्रालय तथा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी

आठ घोषणाएं भी की

मंत्रालय के बीच नवाचार और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधी समझौता शामिल है। भारत और साइप्रस ने साइबर सुरक्षा संवाद और कांसुलर संवाद शुरू करने पर भी सहमति जताई, जबकि साइप्रस के लारनाका संयुक्त बचाव समन्वय केंद्र और भारत के रक्षा मंत्रालय के बीच खोज एवं बचाव सहयोग को लेकर तकनीकी व्यवस्था पर भी हस्ताक्षर किये गये। यात्रा के दौरान कूटनीतिक प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान, तथा वर्ष 2026-2030 के लिए सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े समझौते भी किए गए। एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक कदम के तहत साइप्रस ने व्यापार, संपर्क और समुद्री परिवहन स्तंभ के अंतर्गत भारत की हिन्द प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने की घोषणा की। भारत ने साइप्रस को भारत स्वास्थ्य पहल सहयोग, हित एवं मैत्री (भीष्म) क्यूब उपहार स्वरूप देने की घोषणा की। दोनों देशों ने 18 मई को पहली बार भारत-साइप्रस अंतरिक्ष दिवस मनाकर अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ते सहयोग को भी रेखांकित किया। इसके साथ ही साइप्रस ने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मुंबई में साइप्रस ट्रेड सेंटर खोलने की मंशा जाहिर की। राष्ट्रपति क्रिस्टोडूलाइड्स की इस यात्रा को भारत और साइप्रस के बीच रणनीतिक, प्रौद्योगिकी और समुद्री क्षेत्रों में सहयोग के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।

3 दिन में बहाली नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

पंचायत पेसा मोबिलाइजर कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश ने पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं समाप्त किए जाने के आदेश का कड़ा विरोध किया है। संघ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन भेजकर तीन दिवस के भीतर सेवा बहाली की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने पर प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

2021 से आदिवासी क्षेत्रों में कर रहे थे कार्य

संघ के अनुसार मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 89 आदिवासी ब्लॉकों में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत वर्ष 2021 से पेसा मोबिलाइजर कार्यरत थे। इन कर्मचारियों ने ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, पेसा एक्ट और वनाधिकार कानून के प्रति जागरूकता फैलाने, तेंदूपत्ता संग्रहण एवं विपणन, पंचायत गतिविधियों तथा शासन की योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आदेश जारी होते ही बढ़ी चिंता

संचालनालय पंचायत राज भोपाल द्वारा जारी आदेश क्रमांक 8448/पं राज/त्लै।-83/2026, 18 मई के अनुसार आरजीएसए योजना की कार्यावधि 31 मार्च तक समाप्त होने तथा नई नीति प्रक्रियाधीन होने का हवाला देते हुए पेसा मोबिलाइजरों को तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त कर दिया गया। इस निर्णय के बाद कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

आजीविका पर आया संकट

संघ का कहना है कि अचानक सेवा समाप्त होने से हजारों कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने वर्षों तक दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में रहकर शासन और ग्रामीणों के बीच समन्वय स्थापित किया तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाई।

सरकारी योजनाओं में निभाई अहम भूमिका

पेसा मोबिलाइजरों ने लाड़ली बहना योजना, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, राशन, पेंशन, संबल योजना, जॉब कार्ड, ई-केवाईसी सहित कई योजनाओं में ग्रामीणों की मदद की। संघ का दावा है कि उनके कार्यों के कारण मध्यप्रदेश को पेसा क्रियान्वयन में देश के दस राज्यों में दूसरा स्थान मिला।

मुख्यमंत्री से सेवा बहाली की मांग

संघ ने मुख्यमंत्री से सेवा समाप्ति आदेश तत्काल निरस्त कर पूर्ववत सेवा बहाल करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि पूर्व एवं वर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा मानदेय बढ़ाने की घोषणा भी की गई थी, जिससे कर्मचारियों को स्थायी भविष्य की उम्मीद थी।

आंदोलन की चेतावनी

संघ ने स्पष्ट कहा है कि यदि तीन दिनों के भीतर बहाली नहीं की गई तो 1965 के प्रावधानों के तहत प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पात्र व्यक्तियो का नाम मतदाता सूची में कराएं दर्ज, न रहें वंचित- प्रेक्षक

प्रेक्षक ने विभिन्न मतदान केंद्रो का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकाय नगरीय एवं ग्रामीण के मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की निगरानी के लिए नियुक्त किए गए प्रेक्षक नीरज दुबे ने नगर पंचायत जयसिंहनगर के वार्ड क्रमांक 13, 11, 9 एवं 4 एवं जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कौवासराई, टेटका, देवरी मसीरा सहित अन्य मतदान केंद्रो का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन कर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम विलोपित करने, संशोधन हेतु प्राप्त आवेदन पत्रो की जानकारी संबंधित बीएलओ से प्राप्त की। उन्होंने कहा मतदाता पुनरीक्षण कार्य का बेहतर प्रचार-प्रसार कराएं जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति अपने मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु वंचित न रहें एवं प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि विगत एक वर्ष के भीतर मृतक व्यक्तियो की सूची प्राप्त कर उनका नाम विलोपित करें। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सुषमा धुर्वे, लाइजनिंग ऑफिसर आनंद अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

आधी रात फरिश्ता बनकर पहुंची थाना खैरहा पुलिस, गंभीर अवस्था में युवक को पहुंचाया अस्पताल

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

पुलिस कंट्रोल रूम डायल 112 भोपाल के माध्यम से थाना खैरहा डायल 112 टीम को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चौराडीह निवासी छोटू बैगा पिता सांमरिया बैगा उम्र 25 वर्ष द्वारा कनेर का दाना खाने से उसकी तबीयत गंभीर हो गई है एवं वह बेहोशी की हालत में है। सूचना प्राप्त होते ही थाना खैरहा डायल 112 टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए रात्रि लगभग 1.00 बजे तत्काल घटनास्थल पहुंचकर आहत छोटू बैगा को प्राथमिक उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर पहुंचाया गया। समय पर उपचार मिलने से आहत की स्थिति वर्तमान में सामान्य बताई जा रही है। डायल 112 में तैनात आरक्षक सतीश चौरसिया एवं पायलट अजय चतुर्वेदी द्वारा मानवीय संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए बिना विलंब किए घायल युवक को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

सिंहपुर ग्राम में दर्दनाक घटना, जहरीला चारा खाने से पांच गौवंशों की मौत

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सिंहपुर ग्राम में मानवता को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गांव में कथित रूप से जहरीला चारा खिलाए जाने से पांच गायों की मौत हो गई। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश और शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, गौवंश भोजन की तलाश में खेतों की ओर चले गए थे। आरोप है कि खेत में जहर मिला चारा रखा गया था, जिसे खाने के बाद गायों की हालत बिगड़ गई और कुछ ही समय में उनकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही गांव में बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि फसलों को नुकसान पहुंच रहा था तो पशुओं को भगाया जा सकता था, लेकिन इस तरह जहर देकर बेजुबान जानवरों की जान लेना बेहद अमानवीय कृत्य है। लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नाबालिग बालिकाओं की दस्तयाबी कर पहुंचाया घर

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

थाना जैतपुर क्षेत्रांतर्गत फरियादी द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री 8 फरवरी को घर से बिना बतायें कहीं चली गई थी। आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। फरियादी द्वारा संदेह व्यक्त किया गया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। रिपोर्ट पर थाना जैतपुर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार 20 मई को थाना जैतपुर क्षेत्रांतर्गत फरियादी द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री 19 मई को घर से बिना बतायें कहीं चली गई थी। आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। फरियादी द्वारा संदेह व्यक्त किया गया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। रिपोर्ट पर थाना जैतपुर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा सक्रियता एवं तत्परता से कार्यवाही करते हुए अपहृता नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित रूप से दस्तयाब किया गया।

श्रीवास्तव तिराहे पर खड़े वाहन बन रहे है हादसों का कारण

अमलाई पुलिस नहीं कर रही वाहनों पर कार्यवाही

वरिष्ठ पत्रकार राजनारायण द्विवेदी खड़े वाहन से टकराकर हुए घायल

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में सड़क हादसे में हो रही बढ़ोत्तरी सड़क किनारे खड़े बड़े वाहनों से लगातार हो रही दुर्घटनाएं, एन.एच 43में सड़क हादसे में पत्रकार व अन्य गंभीर रूप से घायल पत्रकार राजनारायण दुबेदीं का बीती रात सतना से वापसी कें वक्त श्रीवास्तव होटल कें पहले खड़े टेलर से उनकी पिकअप वाहन कीं टक्कर होने कें कारण राजनारायण द्विवेदी व अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें आनन फानन में एम्बुलेंस कीं मदद से मेडिकल कालेज ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है पर सवाल यह उठता है कि कब अमलाई पुलिस जागेगी और सड़क किनारे खड़े वाहनों पर कब करेगी कार्यवाही.आय दिन श्रीवास्तव तिराहे में सड़क किनारे खड़े वाहनों से हो रही दुर्घटना।

आबकारी विभाग द्वारा मदिरा दुकानों का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन पर जिले में ओवर रेटिंग की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आबकारी विभाग के मैदानी अमले द्वारा नगर के सोहागपुर, बस स्टैंड स्थित कंपोजिट मदिरा दुकान, बुढ़ार रोड स्थित शराब दुकान सहित अन्य दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने दुकानों में रेट सूची, बिक्री व्यवस्था एवं ग्राहकों से बातचीत कर जानकारी ली तथा दुकानदारो को शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने एवं ओवर रेटिंग जैसी शिकायतें नहीं आने देने के निर्देश दिए गए।

बिजली खंभे के विवाद में महिला समेत परिवार पर हमला, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। गाड़ासरई थाना क्षेत्र के ग्राम गीधा में बिजली कनेक्शन जोड़ने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि महिला समेत पूरे परिवार पर लाठी-डंडों और हाथ-घूंसों से हमला कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार गाड़ासरई थाना अंतर्गत ग्राम गीधा निवासी नरबदिया ठाकुर अपने घर का बिजली कनेक्शन जोड़ रही थीं। इसी दौरान पड़ोसियों के साथ विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि रज्जू ठाकुर, संतोष ठाकुर और सीताबाई ठाकुर ने गाली-गलौज करते हुए नरबदिया ठाकुर को घसीटकर जमीन पर पटक दिया और बेरहमी से मारपीट

की। महिला की चीख-पुकार सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के सदस्य रोशनी ठाकुर, रानू सिंह और संतोषी ठाकुर को भी नहीं बख्शा गया। आरोपियों ने कथित रूप से लाठी-डंडों और हाथ-घूंसों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। वायरल वीडियो में विवाद और मारपीट का घटनाक्रम साफ दिखाई देने की चर्चा ग्रामीणों में हो रही है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना में कई लोगों को चोटें आई हैं, जिनका उपचार कराया गया है। मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 296(बी), 115(2),

नवागत एसपी आशीष खरे ने पुलिस लाइन में जनरल परेड का किया निरीक्षण

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने गुरुवार को पुलिस लाइन डिंडौरी पहुंचकर जनरल परेड का निरीक्षण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आयोजित इस निरीक्षण कार्यक्रम में उन्होंने पुलिस बल की अनुशासन व्यवस्था, कार्यप्रणाली और तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। एसपी के निरीक्षण को लेकर पुलिस लाइन परिसर में विशेष सक्रियता और अनुशासन देखने को मिला।परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री खरे ने परेड में शामिल अधिकारियों एवं जवानों की सज्जा, अनुशासन और कार्यकुशलता का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का अनुशासन ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है और बेहतर कानून व्यवस्था के लिए हर अधिकारी एवं जवान को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस विभाग के शासकीय वाहनों की भी जांच की। उन्होंने वाहनों की स्थिति, रखरखाव एवं उपयोगिता की जानकारी लेते हुए नियमित संधारण और आपात स्थिति में तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड द्वारा उन्हें सलामी दी गई, जिसके बाद उन्होंने गार्ड का निरीक्षण कर जवानों की कार्यप्रणाली एवं अनुशासन का परीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने, आम जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनता का विश्वास जीतना भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।इस अवसर पर एसडीओपी बजाग विवेक गौतम, थाना प्रभारी यातायात सुभाष चंद्र, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे, 36वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल कैंप से कंपनी प्रभारी गोकुल मरावी, प्रभारी रक्षित निरीक्षक सूबे कुंवर सिंह ओलाड़ी सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

डिंडौरी-मंडला सीमा पर बढ़ेगी सुरक्षा, कमको मोहनिया में जल्द खुल सकती है पुलिस चौकी

सीमावर्ती क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के सीमावर्ती ग्राम कमको मोहनिया में जल्द ही नई पुलिस चौकी खुलने की उम्मीद बढ़ गई है। ग्राम पंचायत के सरपंच एवं जिला अध्यक्ष फूलसिंह मरकाम द्वारा पुलिस मुख्यालय भोपाल पहुंचकर पुलिस महानिदेशक से ग्राम कमको मोहनिया में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की गई थी। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए अब पुलिस अधीक्षक डिंडौरी द्वारा

पुलिस मुख्यालय को प्रस्ताव भेज दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कमको मोहनिया थाना समनापुर अंतर्गत आता है और यह क्षेत्र डिंडौरी एवं मंडला जिले की सीमा पर स्थित है। यहां डिंडौरी जिले की सीमा समाप्त होती है तथा मंडला जिले की सीमा प्रारंभ होती है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों एवं कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस चौकी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।पुलिस अधीक्षक कार्यालय डिंडौरी द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि ग्राम कमको मोहनिया थाना समनापुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है। क्षेत्र में रेत खदानों को लेकर विवाद की स्थिति बनी रहती है तथा मंडला जिले के नक्सल प्रभावित थाना मवई से यह क्षेत्र जुड़ा हुआ है। यहां साप्ताहिक बाजार भी लगता है, जिससे लोगों और वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। इन परिस्थितियों के चलते अपराधों की संभावना एवं कानून व्यवस्था की चुनौती को देखते हुए यहां पुलिस चौकी स्थापित करना आवश्यक माना गया है।पत्र में यह भी बताया गया है कि वर्तमान में किसी भी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल को मौके तक पहुंचने में काफी समय लगता है। नई चौकी खुलने से पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी और आम नागरिकों को सुरक्षा एवं सहायता समय पर मिल सकेगी। स्थानीय लोगों ने भी इस प्रस्ताव का स्वागत किया है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि पुलिस चौकी खुलने से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

सरकारी जमीन पर कुएं को लेकर बढ़ा विवाद, दो पक्षों में मारपीट

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के गाड़ा सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गन्नागुड़ा में शासकीय भूमि पर बने कुएं को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद गहराने का मामला सामने आया है। कुएं को पाटने के प्रयास के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पीड़ित पक्ष ने मारपीट, गाली-गलौज और अभद्रता के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार पीड़िता रोशनी जैतवार ने गाड़ा सरई थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। रोशनी ने बताया कि वह भोपाल स्थित एक धागा कंपनी में कार्यरत है, जबकि उसके माता-पिता गांव में उसके नाना दयाराम मरावी के घर पर रहते हैं। घर के समीप स्थित शासकीय भूमि पर लगभग तीन वर्ष पूर्व ग्रामीणों के उपयोग एवं निस्तार के लिए एक कुआं खुदवाया गया था। समय के साथ कुएं की मिट्टी झरने लगी, जिसके चलते उसकी मरम्मत और जुड़ाई का कार्य कराया जा रहा था।पीड़िता के मुताबिक 20 मई 2026 को दोपहर करीब एक बजे गांव के संतोष श्याम, पिच्चू गौड़, अजमेर पट्टा और शंकर पट्टा जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचे और कुएं को पाटने लगे। जब उसने और उसके परिजनों ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और बाद में मारपीट शुरू कर दी।रोशनी जैतवार का आरोप है कि विवाद के दौरान अजमेर पट्टा ने उसे धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और घसीटते हुए थप्पड़ मारे। वहीं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित परिवार ने घटना का वीडियो भी बनाया है।

पेसा मोबिलाइजरों की छुट्टी पर गरमाई राजनीति

तीन दिन में बहाली नहीं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले में कार्यरत पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं समाप्त किए जाने के आदेश के खिलाफ अब विरोध तेज होने लगा है। भारतीय मजदूर संघ जिला डिंडौरी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं तत्काल बहाल करने की मांग की गई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिवस के भीतर सेवा बहाली नहीं की गई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।ज्ञापन में बताया गया है कि मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 89 आदिवासी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में वर्ष 2021 से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पेसा मोबिलाइजर नियुक्त किए गए थे। हाल ही में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं, जिससे हजारों मोबिलाइजरों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि पेसा मोबिलाइजरों ने आदिवासी अंचलों एवं दुर्गम क्षेत्रों में लगातार कार्य करते हुए ग्राम सभाओं की नियमित बैठकें आयोजित कराईं तथा ग्रामीणों को पेसा कानून के प्रति जागरूक किया। इसके अलावा ग्राम स्तरीय पेसा समितियों के संचालन, योजनाओं के क्रियान्वयन और शासन की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पेसा मोबिलाइजरों ने लाड़ली बहना योजना, आयुष्मान कार्ड, भूमि एवं समग्र आईडी, संबल योजना, राशन, पेंशन और ई-केवाईसी जैसे कार्यों में ग्रामीणों की सहायता कर शासन-प्रशासन और आम जनता के बीच समन्वय स्थापित किया। संघ का कहना है कि इन्हीं प्रयासों के चलते मध्यप्रदेश को पेसा कार्यों के मूल्यांकन में देश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था। भारतीय मजदूर संघ ने आरोप लगाया कि नई नीति निर्धारण प्रक्रिया लंबित होने के कारण सेवाएं समाप्त करना अन्यायपूर्ण है। संगठन ने मांग की है कि पूर्व की व्यवस्था अनुसार पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं पुनः बहाल की जाएं ।

पारे ने फिर मारी छलांग आमजन हुए हलाकान

2 दिन बाद शुरू होगा नौतपा, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान ने एक बार फिर बड़ी छलांग लगाई और यह 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से +3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। गुरुवार का अधिकतम तापमान 43. 8 डिग्री सेल्सियस था। वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसमें सामान्य से -2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रही। विगत दिवस के मुकाबले शुक्रवार को अचानक पारे ने अपने तेवर बेहद कड़े कर लिए हैं, जिससे समूचा जिला तीव्र हीट वेव और लू की चपेट में आ गया। सुबह और शाम के समय आर्द्रता क्रमश: 033 और 014 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई है। पिछले 24 घंटों में वर्षा शून्य रही है, जबकि इस सीजन की कुल सीजनल वर्षा 033.7 मिलीमीटर पर थमी हुई है।

सड़कों पर पसरा सन्नाटा

तीखी धूप और गर्म लपटों के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग घरों से बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। लगातार जारी इस भीषण गर्मी के दौर से नागरिक बेहद परेशान हैं। अत्यधिक तापमान और हीट वेव के सीधे असर से मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। उल्टी, दस्त, डिहाइड्रेशन और तेज बुखार की शिकायतों के चलते स्थानीय अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों में मरीजों की लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। कल के मौसम को देखते हुए तापमान घटने का जो अंदाजा लगाया जा रहा था, वह आज पूरी तरह फेल साबित हुआ और सुबह से ही तीखी धूप ने लोगों को झुलसाना शुरू कर दिया।

शुष्क मौसम की चेतावनी

मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में स्पष्ट किया है कि फिलहाल मौसम पूरी तरह शुष्क रहने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। वर्तमान में हवा की दिशा पश्चिमी बनी हुई है, जिसकी गति 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई है। यह धीमी और गर्म पश्चिमी हवा लू के थपेड़ों को और अधिक असरदार बना रही है। अगर पिछले वर्ष आज ही के दिन की बात करें, तो गतवर्ष शुक्रवार के दिन का तापमान 36.8 और 24.0 डिग्री सेल्सियस था, जो वर्तमान स्थिति से काफी कम था। इसके साथ ही गतवर्ष शुक्रवार के दिन की वर्षा 000.0 और 013.8 मिलीमीटर थी।

सिविक सेंटर क्षेत्र में जमे अतिक्रमणकारियों पर नगर निगम ने की कार्यवाही

ठेले-टपरों को किया जब्त, यातायात को किया सुचारू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, स्वच्छता सर्वेक्षण में जबलपुर को अव्वल लाने और आगामी वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या से नागरिकों को निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने अभियान चलाया। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नगर निगम के अमले ने शहर के विभिन्न जोन और मुख्य मार्गों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ जर्जर संरचनाओं को भी हटाने की कार्रवाई की। इस मुहिम से जहां एक ओर राहगीरों को जाम से मुक्ति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर नालों की सफाई के रास्ते भी साफ हुए हैं।

अन्य जगहों पर भी हुई कार्यवाही-अतिक्रमण अधिकारी के के रावत टिपेंद्र रावत एवं अखिलेश भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम की टीम ने शुक्रवार सुबह से ही मुस्तैदी दिखाते हुए शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों छोटी लाइन फाटक से अनगढ़ महावीर मंदिर मार्ग पर लगे अस्थाई ठेले-टपरों को हटाकर मार्ग को पूरी तरह खाली कराया गया। अनावश्यक रूप से सड़क घेरे हुए सामग्री को जब्त भी किया गया, रामपुर चैक एवं धनी की कुटिया क्षेत्र में भी ठेले-टपरों को हटाकर यातायात को सुचारू बनाया गया, कछपुरा ब्रिज और उसके आस-पास के क्षेत्र से अतिक्रमण साफ कर सामग्री जप्त की गई, जिससे अब यहां दुर्घटनाओं का अंदेशा कम होगा, सिविक सेंटर चौपाटी शहर के प्रमुख केंद्र के चारों ओर मुस्तैदी से कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया गया। धनवंतरी नगर मुख्य मार्ग एवं संभाग क्रमांक-01 में नालों के ऊपर किए गए अवैध निर्माणों को चिन्हित कर पूरी तरह हटा दिया गया, कंजर्वेंसी एवं नालियों के ऊपर किए गए कब्जों को साफ किया गया, ताकि बारिश का पानी बिना किसी रुकावट के बह सके। नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए जर्जर और खतरनाक हो चुकीं संरचनाओं को हटाया गया। गंगानगर क्षेत्र में एक बेहद पुरानी और जर्जर हो चुकी पुलिया को सुरक्षित रूप से तोड़ने की कार्रवाई की गई। सुहागी जोन कार्यालय के पीछे स्थित एक बेहद जर्जर स्कूल कक्ष को ढहा दिया गया, जिससे भविष्य में होने वाले किसी भी संभावित हादसे को टाल दिया गया है। कार्रवाई के साथ-साथ नगर निगम ने नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास भी किया। कांचघर चौघड़ा क्षेत्र में मुनादी कराई गई और स्वच्छता मानकों को ध्यान में रखते हुए चौपाटी को व्यवस्थित रूप से अलग कराया गया। गढ़ा बाजार क्षेत्र में नाला और मुख्य सड़क पर दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए क्षेत्र में मुनादी कराकर दुकानदारों और नागरिकों को सख्त हिदायत दी गई।

विद्यार्थियों की समस्याओं पर एनएसओ ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एनएसओ छात्र संगठन द्वारा मेडिकल यूनिवर्सिटी कुलपति के नाम रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के अध्यक्ष गोपाल पाराशर ने बताया कि संगठन द्वारा कुलपति को दर्जनों बार ज्ञापन सौंपकर स्थाई अधिकारियों व कर्मचारियों के 90 प्रतिशत रिक्त पदों को भरने की मांग की गई है जिससे स्टूडेंट्स की परीक्षा, परिणाम, डिग्री आदि का कार्य समय पर पूरा हो सके। लेकिन मप्र सरकार के दबाव में कुलपति ने अभी तक पदों पर स्थाई नियुक्ति नहीं की है जिससे स्टूडेंट्स के सत्र 3 साल से ज्यादा विलंब से चल रहे हैं। 2020-21 सत्र के बीएससी नर्सिंग स्टूडेंट्स का 6 साल बाद भी 3 ईयर का रिजल्ट घोषित नहीं हुआ है और ना ही 4 इयर का टाइम टेबल घोषित हुआ है। 2021- 22 सत्र का 5 साल बाद भी 3 ईयर टाइम टेबल घोषित नहीं हुआ है। जबकि बीएससी नर्सिंग 4 साल का डिग्री कोर्स है, यूनिवर्सिटी द्वारा न्यायालय में चल रहे केस का हवाला भी दिया जाता है जबकि यूनिवर्सिटी द्वारा स्टूडेंट्स के हक के लिए अपनी तरफ से परीक्षा परिणाम हेतु याचिका दायर नहीं की जाती है। जिससे यूनिवर्सिटी का भव्य स्वरूप स्थापित हो सके और जबलपुर शिक्षा का हब बन सके। लेकिन अभी तक उचित कार्यवाही नहीं हुई है, छात्रहित में संगठन की मांग मानी जाए नहीं तो संगठन द्वारा कुलपति के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दौरान अभिषेक, अभिषेक रैकवार, प्रेरणा आदि छात्र उपस्थित रहे।

दिनेश कुमार कलामे बने स्काउट गाइड के मुख्य जिला आयुक्त

जबलपुर । पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट एवं गाइड संस्था जबलपुर में मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा की अनुशंसा पर दिनेश कुमार कलामे अपर मंडल रेल प्रबंधक को स्काउट गाइड का मुख्य जिला आयुक्त नियुक्त किया गया। इस अवसर पर वरूण चतुर्वेदी जिला आयुक्त स्काउट द्वारा स्कार्प पहनाकर सेंपलिंग से स्वागत किया गया।

साधु-सन्यासियों के साथ भविष्य में न हो ऐसी घटनाएं, यही होगी सच्ची 'विनयांजलि'

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज से वर्ष 2006 में दीक्षित आर्यिका श्री 105 उपशम मति माता एवं आर्यिका श्री 105 श्रुत मति माता की आकस्मिक समाधि रीवा में हुई । माताजी अपनी चर्या के लिए रोड के साइड से जा रही थी तभी एक तेज रफ़्तार कार की टक्कर से हादसा हो गया । इस घटना के बाद से पूरे समाज में आक्रोश व्यापत है । विनयांजलि सभा का आयोजन श्री विद्यासागर सभा भवन में मुनि श्री 108 निष्कम्प सागर महाराज, मुनि श्री 108 निष्काम सागर महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 मगन सागर महाराज के सानिध्य में हुआ। सभा में सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखे और संकल्प लिया कि आगे से ऐसी दुर्घटनाएं ना हो इस लिए सबको प्रयास करना चाहिए ।

महाराज श्री ने अपने प्रवचनों में कहा कि समाज की शोभा साधू संतो से है। साधु की चर्या समाज पर निर्भर होती है। जैन साधु अपने सिद्धांतों और नियमों का पालन हमेशा हर परिस्थिति में करते है ऐसी घटनाएं आगे कभी न घटे इसके इसलिए संकल्पित होकर प्रयास करेंगे तभी सही विनयांजलि होगी । इस दौरान कैलाशचंद जैन, अनिल गुड्डा, नितिन बेटियां, सुबोध कामरेड, राजेश जैन, चक्रेश मोदी तथा मनोज जैन समेत श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

गोसलपुर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन शिवदत्त कॉलोनी, स्टेशन चौराहा, गोसलपुर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य पंडित विपिन दुबे के मुखारविंद से प्रवाहित हो रही संगीतमय कथा की रसधार में डूबकर भक्तगण भाव-विभोर हो गए। कथा में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत मनोहारी वर्णन किया गया । माखन चोरी, यशोदा मैया को मुख में ब्रह्मांड के दर्शन और गोपियों के साथ नटखट क्रीड़ाओं के माध्यम से श्री कृष्ण ने प्रेम और भक्ति का मार्ग प्रशस्त किया था । भगवान की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवात्मा और परमात्मा के बीच के निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक हैं, जिसे सुनकर पांडाल में मौजूद हर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गया।

भेड़ाघाट को आर्थिक-सामाजिक हब बनाने तेज होंगे कार्य : कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय में जिला शहरी विकास अभिकरण की जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित सभी नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अमृत 2.0 अंतर्गत अटल नवीनीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन के तहत हरित क्षेत्र विकास, जल निकायों के कायाकल्पए जल प्रदाय एवं सीवरेज कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। प्रस्तावित परियोजना-1 के तहत कटंगी को शहरी बुनियादी ढांचे के रूप में विकसित करते हुए लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से आर्थिक एवं सामाजिक हब बनाने की योजना पर चर्चा की गई। वहीं प्रस्तावित परियोजना 2 के अंतर्गत भेड़ाघाट को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने हेतु आवश्यक सुविधाओं एवं सौंदर्यीकरण कार्यों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। जिसमें भेड़ाघाट स्वर्गद्वारी रोड के सौंदर्यीकरण, गार्डन, ग्रीन पार्क, जूलॉजिकल गार्डन, बेहतर लाइटिंग व्यवस्था एवं स्वीमिंग पूल निर्माण के सुझाव दिए, जिससे भेड़ाघाट को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मनाई गयी पुण्यतिथि

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी की पुण्यतिथि ब्लॉक कांग्रेस गोसलपुर द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके देश के प्रति योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में उनके विचारों एवं आधुनिक भारत के निर्माण में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी वीरेन्द्र खरे, मुन्ना सैनी, ओमप्रकाश पटेल मुकेश तिवारी, अशोक विश्वकर्मा, मो अज़ीम, संतोष गोटिया, प्रकाश सेन, प्रेम चंद पटेल, आशीष दाहिया, श्रीकांत पटेल,राहुल पटेल, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाटन के ग्राम खजरी पहुंचा कृषि रथ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में विकासखंड स्तर पर चलाये जा रहे कृषि रथ ने शुक्रवार को पांचवें दिन पाटन विकासखंड के रमखिरियाए कुशली और खजरी की यात्रा की। इस दौरान किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती के तौर तरीकों की जानकारी दी गई। कृषि रथ के भ्रमण के दौरान ग्राम खजरी के प्रगतिशील कृषक और युवा उद्यमी अंश सिंह चंदेल के फार्म पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय किसानों के समक्ष पशुपालन को अधिक लाभप्रद बनाने और हरे चारे की कमी को दूर करने के उद्देश्य से पॉलीथिन पैकिंग मेथड से साइलेज बनाने की विधि का जीवंत प्रदर्शन किया गया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन ने किसानों को बताया कि इस आसान और कम लागत वाली विधि से किसान लंबे समय तक अपने पशुओं के लिए पौष्टिक हरा चारा सुरक्षित रख सकते हैं। युवा कृषक अंश सिंह ने बताया कि साइलेज दरअसल हरे चारे को बिना सुखाएए उसमें मौजूद पोषक तत्वों को सुरक्षित रखते हुए लंबे समय तक स्टोर करने की एक वैज्ञानिक तकनीक है। इसे श्चारे का अचार भी कहा जाता है।

ड्यूटी डॉक्टर न मिलने पर जमकर हुआ हंगामा, सीएमएचओ ने संभाला मोर्चा

मनमोहन नगर स्वास्थ्य केंद्र का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मनमोहन नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरूवार की देर रात मरीज को लेकर उपचार के लिए पहुंचे परिजनों ने चिकित्सक नहीं मिलने पर हंगामा कर दिया। परिजनों के समर्थन में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भी अस्पताल जा पहुंचे और नारेबाजी शुरू करते हुए मुख्य गेट पर ही धरना दे दिया। पूरे घटनाक्रम की भनक जैसे ही चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर (सीएमएचओ) लगी वे तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ने प्रदर्शन कर रहे परिजनों से चर्चा कर मामले को शांत कराया। वहीं चिकित्सकों को बुलाकर मरीज का इलाज प्रारंभ करवाया। सीएमएचओ ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि वे उक्त मामले की जांच भी कराएं।

चिकित्सक को निर्लंबित करने की मांग

बताया जा रहा है कि गुरूवार की शाम एक गर्भवती महिला को लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन महिला को वार्ड तक ले जाने के लिए उन्हें स्ट्रेचर तक नहीं मिली। जैसे-तैसे महिला को वार्ड में भर्ती कराया। लेकिन दो घंटे बीत जाने के बाद भी ड्यूटी डॉक्टर महिला के उपचार के लिए नहीं पहुंचे।

स्टॉफ से पूछने पर पता चला कि डॉक्टर तो उपस्थित ही नहीं हैं। वहीं देखने में यह भी आया कि स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मी मरीज का बीपी चेक कर रही थी। इस अव्यवस्था भरे माहौल को लेकर परिजनों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई। जिनके समर्थन में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी विरोध प्रदर्शन करते हुए ड्यूटी से गायब चिकित्सक को निलंबित किए जाने की मांग की। इधर, सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक के संबंध में जानकारी ले गई है।

स्टॉफ के बताए अनुसार डॉक्टर खाना खाने घर गए हुए थे, उसके बाद वे वापस नहीं आए। लिहाला चिकित्सक से उक्त मामले में पक्ष लेने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। वहीं सफाई कर्मी द्वारा बीपी चेक किए जाने के संबंध में जो आरोप लगाए गए हैं उसकी भी जांच कराई जाएगी। सीएमएचओ ने इस बात को स्वीकर किया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टॉफ व व्यवस्थाओं में कुछ कमी है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही उसे दूर कर लिया जाएगा।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आवारा श्वानों के आने से मचा हड़कंप

मृत चीतल को नोचते दिखे कुत्ते

उमरिया (स्वतंत्रमत)

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पर्यटन क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मगधी पर्यटन जोन में सफारी के दौरान पर्यटकों ने सड़क किनारे एक मृत चीतल को देखा, जिसे चार से पांच आवारा कुत्ते नोचते हुए नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही वन अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने तत्काल जांच के निर्देश जारी किए हैं। विभाग यह पता लगाने में जुट गया है कि कोर पर्यटन क्षेत्र में आवारा कुत्ते कैसे पहुंचे और मृत चीतल की मौत किन परिस्थितियों में हुई। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि टाइगर रिजर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की मौजूदगी बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। कुत्तों के जरिए संक्रमण और कई तरह की बीमारियां वन्यजीवों तक पहुंच सकती हैं। इससे न केवल चीतल, सांभर और अन्य शाकाहारी वन्यजीव प्रभावित होते हैं, बल्कि बाघों सहित पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर भी असर पड़ने का खतरा बना रहता है। घटना के बाद बांधवगढ़ की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। जिस क्षेत्र में पर्यटकों की लगातार आवाजाही रहती है, वहां आवारा कुत्तों का पहुंच जाना वन प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। वन्यजीव प्रेमियों ने कोर और बफर क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ताला, मगधी और खितौली तीन प्रमुख कोर जोन हैं, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक सफारी के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा परासी, पचपेड़ी और ज्वालामुखी बफर गेट भी पर्यटकों के लिए खुले रहते हैं। ऐसे में इस तरह की घटनाएं रिजर्व की छवि और वन्यजीव सुरक्षा दोनों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मानपुर विकासखंड के अमरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत पलझा स्थित बरुहा नाला के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार समय लगभग 12 बजे दोपहर पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 54 जेडए 5497 पर सवार रघुवीर बर्मन पिता रमेश बर्मन आयु 25 वर्ष निवासी पलझा रामपाल सिंह पिता शोभा सिंह गोंड निवासी पलझा दोनों व्यक्ति मोटर साइकल में सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर मील के पत्थर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिससे दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद रघुवीर बर्मन को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल रामपाल सिंह की हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद बरही से कटनी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

नगदी सहित सोने चांदी के जेवरात हुए पार, मामला दर्ज

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कोतवाली थाना अंतर्गत फरियादी विजय कुमार खटीक पिता नंदन खटीक उम्र 40 साल निवासी दुबे कालोनी चंदवार रोड ने अपनी पत्नि राखी खटीक सोनकर के थाना उपस्थित होकर लिखित आवेदन पत्र दिया कि दिनांक 18 मई 2026 कि रात्रि 11 बजे के मध्य उसके घर मे कोई अज्ञात चोर द्वारा नगदी लगभग 2,00,000 रुपये एवं चांदी की पायल कीमती करीबन 10,000 रुपये कुल कीमती 2,10,000 रुपये चोरी करने के संबंध में प्रस्तुत किया आवेदक पत्र के आधार पर अज्ञात आरोपी द्वारा अपराध धारा 331 (4), 305 (ए) बीएनएस का घटित करना पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। प्रार्थी विजय कुमार खटीक पिता नंदन खटीक उम्र 40 साल ने बताया कि वह दिनांक 17 मई 2026 को सुबह 4 बजे परिवारिक कार्यक्रम मे ससुराल प्रयागराज गया हुआ था। परिवार के अन्य सभी लोग पहले से प्रयागराज चले गए थे घर पर कोई नहीं था। दिनांक 18 मई 2026 कि रात्रि करीब 11 बजे मै अपने घर वापस आया तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अन्दर जाकर देखा तो सभी सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। कमरे की अलमारी मे चेक किया तो लगभग 2,00,000 रुपये जो कि मैने तथा मेरी पत्नी ने मकान निर्माण के लिए रखे थे तथा 125 ग्राम की चांदी की

पायल कीमती करीबन 10,000 रुपये की अलमारी में नहीं थे। तब मैने घटना की बात अपनी पत्नि राखी सोनकर को फोन लगाकर बताया। मुझे शंका है कि कोई अज्ञात व्यक्ति मेरे घर का ताला तोडकर घर में घुसकर घर में रखे नगदी लगभग 2,00,000 रुपये एवं चांदी की पायल कीमती करीबन 10,000 रुपये कुल कीमती 2,10,000 रुपये की चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

सिंगल टोला रेलवे फाटक बंद मिलने से राहगीरों को भारी परेशानी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला मुख्यालय स्थित सिंगल टोला रेलवे फाटक बंद रहने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे आम नागरिकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि यदि इस दौरान कोई एम्बुलेंस जाम में फंस जाए तो मरीज की जान पर भी बन सकती है। गौरतलब है कि यह मार्ग जबलपुर, ग्राम चंदवार एवं पुरानी आरटीओ कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। फाटक बंद होने पर वाहन चालकों और राहगीरों को लगभग 20 से 25 मिनट तक इंतजार करना पड़ता है।

महिला सशक्तिकरण को लेकर कांग्रेस का जोर संगठनात्मक बैठक में भागीदारी बढ़ाने पर मंथन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव एवं उमरिया जिले की महिला कांग्रेस की संगठन प्रभारी श्रीमती आरती सिंह बघेल ने शुक्रवार 22 मई को उमरिया के कृष्णा गार्डन में महिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक ली। इस बैठक में जिलेभर से महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। इसके पश्चात पत्रकार वार्ता की गई जिसमें श्रीमती आरती सिंह बघेल ने प्रेस वार्ता में दौरान निम्न बिंदुओं पर जोर दिया गया जिनमे महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा में चर्चा, नीट पेपर लीक होने पर युवा बच्चों के भविष्य पर चर्चा, शिक्षित बेरोजगार के रोजगार पर चर्चा,किसानों के खाद बीज ना मिलने सही समय पर एवं किसानों को अनाज का सही मूल्य ना मिलने पर चर्चा , जंगल बड़े उद्योगपति के हाथों में देना रोजगार स्थापित करने के लिए छोटे लोगों को रोजगार विहीन करना, आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में जंगली जानवरो की सुरक्षा का ध्यान ना देना, सरकार द्वारा डीजल पेट्रोल एलपीजी एवं गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों से आम जनता का त्रस्त होना और बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन कष्ट कारी होना जैसे मुख्य मुद्दे रहे।इसके पश्चात संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल सदस्य बनाकर ही नहीं, बल्कि उन्हें संगठन में जिम्मेदार पदों पर भी अवसर दिया जाना चाहिए, ताकि वे समाज के हर वर्ग की आवाज को मजबूती से उठा सकें। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गांव-गांव और वार्ड स्तर तक जाकर अधिक से अधिक महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ें और उन्हें पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से अवगत कराएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि महिला कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए बूथ स्तर तक समितियों का गठन किया जाए। बैठक में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय, महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध मानपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

उमरिया (स्वतंत्रमत)

अवैध रेत से भरी 3 ट्रेक्टर-ट्राली जप्त

पुलिस अधीक्षक उमरिया एवं अति. पुलिस अधीक्षक उमरिया द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु लगातार कार्यवाही करने के लिये समस्त थाना..चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है साथ ही एसडीओपी उमरिया द्वारा भी अपने अनुभाग के थाना..चौकी प्रभारियों को सख्त कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में थाना मानपुर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत अवैध रूप से रेत के उत्खनन एवं परिवहन के संबंध में प्राप्त हो रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुये दिनांक 21-22.05.2026 की दरम्यानी रात बड़ी कार्यवाही की गई जिसमें रेत का अवैध रूप से उत्खनन एवं परिवहन कर रहे 03 ट्रेक्टर-ट्रालियों को जप्त कर मामले में विधिसंगत कार्यवाही की गई है। थाना मानपुर पुलिस टीम द्वारा एसडीओपी उमरिया के नेतृत्व में मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम परासी में सोन नदी घाट पर घेरीबंदी कर रेड कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान मौके पर से सोनालिका, पावरट्रेक एवं जोइंडियर कंपनी के रेत से भरे 03 ट्रेक्टर-ट्राली के साथ चालकों को पकड़ा गया। तीनो ट्रेक्टर के चालकों जिनके नाम 01. अरविंद उर्फ रामसिंह कोल उम्र 21 साल निवासी टिकुरी टोला मानपुर, 02. फूलचंद बैगा उम्र 27 साल निवासी ग्राम छपरौड़ मानपुर, 03. राजेन्द्र जायसवाल उम्र 35 साल निवासी ग्राम परासी मानपूर से रेत के परिवहन के संबंध में आवश्यक दस्तावेज पेश करने का कहा गया जिनके द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किये गये। जिस पर तीनो रेत से भरी ट्रेक्टर-ट्रालियों को जप्त कर थाना मानपुर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया जाकर तीनों के विरूद्ध पृथक-पृथक इस्तगाशा धारा 106 ठछै के तहत तैयार किया जाकर अग्रिम कार्यवाही हेतु कार्यालय खनिज विभाग उमरिया को भेजा जावेगा। उपरोक्त संपूर्ण कार्यवाही में एसडीओपी उमरिया श्री पी.एस.परस्ते के नेतृत्व में थाना प्रभारी मानपुर उनि मुकेश मर्सकोले, प्रआर विकास मिश्रा, प्रआर आकाश दास. आर. प्रदीप सिंह की भूमिका रही।

अटल पेंशन योजना में बालाघाट को राष्ट्रीय सम्मान

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट देश में तृतीय एवं प्रदेश में प्रथम स्थान पर

बालाघाट

पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित अटल पेंशन योजना वार्षिक अभिनंदन समारोह 2026 में मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर गौरव हासिल किया है। अटल पेंशन योजना के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं निर्धारित लक्ष्यों की सफल पूर्ति करने पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट को देश में तृतीय एवं मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।इस उपलब्धि के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल को नई दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सहकारिता क्षेत्र, अपेक्स बैंक भोपाल, नाबार्ड तथा जिले के बैंक एवं सहकारी समितियों के अधिकारियों-कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है। राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होने पर सीईओ बघेल ने कहा कि इस सफलता का श्रेय बालाघाट कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना को जाता है, जिनके सतत मार्गदर्शन, समय-समय पर दिए गए निदेर्शों एवं निरंतर मॉनिटरिंग से यह उपलब्धि संभव हो सकी। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्री मीना ने हमेशा लक्ष्य से अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्री बघेल ने बताया कि बैंक मुख्यालय के अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं जमीनी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण एवं समय पर कार्य पूर्ण करने की प्रतिबद्धता के कारण ही बैंक को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि देश के नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 9 मई 2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोलकाता में अटल पेंशन योजना की शुरूआत की गई थी। वर्ष 2025-26 में देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एपीवाई सेवा प्रदाताओं, बैंक शाखाओं एवं जिला प्रबंधकों को सम्मानित करने के लिए 20 मई 2026 को नई दिल्ली में वार्षिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें बालाघाट को यह गौरवपूर्ण सम्मान प्राप्त हुआ।

ट्रांसफार्मर आयल चोरी कांड 2 आरोपी गिरफ्तार

कटंगी

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बोपली में गत माह 24 अप्रैल की रात्रि घटी ट्रांसफार्मर आयल चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी अनुराग पिता ओमकार ब्रम्हे, उम्र 23 वर्ष, शशांक पिता राधेश्याम मेश्राम, उम्र 21 वर्ष दोनों निवासी बोरी मोहगांव थाना लालबर्रा को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2) और 62 के तहत कार्रवाई की। शुक्रवार 22 मई की आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। बता दें 24 अप्रैल की रात बोपली गांव में स्थित यादव ट्रांसफार्मर को चोरों ने अपना निशाना बनाया था। ग्रामीणों के द्वारा इन चोरों को ऐसा करते हुए देखा गया था। हालांकि चोर ग्रामीणों से बचकर भागने में सफल हो गए थे। अज्ञात चोर लग्ज़री कार में आए और योजनाबद्ध तरीके से ट्रांसफार्मर से आयल निकाल रहे थे। सहायक अभियंता ने 25 अप्रैल को कटंगी थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने विवेचना करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सुराग मिला कि चोरी में प्रयुक्त कार क्रमांक एमएच 01 बीटी 8648 का इस्तेमाल किया गया था। गहन जांच और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जनपद पंचायत खैरलांजी अध्यक्ष आशु बघेले का निर्वाचन निरस्त

बालाघाट। खैरलांजी में जनपद पंचायत अध्यक्ष पद को लेकर चल रहे बहुचर्चित निर्वाचन विवाद में कलेक्टर न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य आशु बघेले का निर्वाचन निरस्त कर दिया है। यह आदेश 14 मई 2026 को पारित किया गया। प्रकरण की शुरूआत जनपद सदस्य खुशबू बिसेन द्वारा दायर निर्वाचन याचिका से हुई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि आशु बघेले ने अन्य पिछड़ा वर्ग महिला हेतु आरक्षित सीट से चुनाव लड़ते समय मध्यप्रदेश शासन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया था। उनके पास केवल महाराष्ट्र शासन द्वारा जारी पिंजारा जाति प्रमाण-पत्र था, जबकि मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियमों के अनुसार आरक्षित सीट पर चुनाव लड़ने के लिए मध्यप्रदेश का जाति प्रमाण-पत्र आवश्यक है। मामला पहले कलेक्टर न्यायालय में पहुंचा था, जहां से पारित आदेश को चुनौती देते हुए प्रकरण मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय पहुंचा। हाईकोर्ट ने 19 फरवरी 2026 को पूर्व आदेश निरस्त करते हुए मामले को पुनर्विचार के लिए वापस भेजा था। न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि 1 फरवरी 2019 को संशोधित पंचायत निर्वाचन नियमों के अनुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र अनिवार्य है और केवल शपथ-पत्र इसके स्थान पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। पुनः सुनवाई के दौरान अनावेदक पक्ष ने राज्य निर्वाचन आयोग के परिपत्र एवं शपथ-पत्र के आधार पर नामांकन वैध बताए जाने की दलील दी, वहीं आवेदिका पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए निर्वाचन निरस्त करने की मांग की। कलेक्टर न्यायालय ने अपने विस्तृत आदेश में कहा कि श्रीमती आशु बघेले ने नामांकन पत्र के संबंधित कॉलम में स्वयं च्न्नहींज्ज अंकित कर यह स्वीकार किया था कि उनके पास मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं था। न्यायालय ने माना कि महाराष्ट्र का प्रमाण-पत्र मध्यप्रदेश में आरक्षण लाभ के लिए मान्य नहीं माना जा सकता तथा नामांकन स्वीकार किया जाना वैधानिक त्रुटि थी। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण याचिका दायर होने मात्र से मूल आदेश पर स्वतः रोक नहीं लगती। बाद में उच्च न्यायालय द्वारा पुनरीक्षण याचिका भी खारिज कर दी गई, जिसके बाद कलेक्टर न्यायालय ने अंतिम निर्णय पारित किया।

लोहमारा सरपंच ने जारी किया फर्जी प्रमाण पत्र

मूक मवेशियों की तस्करी का पर्दाफाश, 3 आरोपियों पर मामला दर्ज

कटंगी

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम सेलवा में गुरुवार की देर रात ग्रामीणों ने मूक मवेशियों की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना ने ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को भी उजागर किया गया है। गुरुवार रात लगभग साढ़े 11 बजे ग्राम सेलवा के ग्रामीणों ने कृष्ण मंदिर के पास तीन व्यक्तियों को मवेशियों को पैदल हांकते हुए देखा। ग्रामीणों को शक हुआ कि ये लोग मवेशियों की तस्करी कर रहे हैं। तुरंत ही ग्रामीणों ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग स्थानों से मवेशियों को खरीदकर ला रहे हैं। ग्रामीणों ने तत्काल डॉयल 112 को सूचना दी और आरोपियों को 03 नग मूक मवेशियों सहित पुलिस के हवाले कर दिया। शुक्रवार दोपहर 2 बजे पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी लकेश पिता अनिल खरोले (25 वर्ष), निवासी अर्जुननाला, योगराज पिता हंस लाल उइके (30 वर्ष), निवासी नांदी, हंसलाल पिता भोजू उइके (65 वर्ष), निवासी नांदी के खिलाफ मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 9 और पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब ग्रामीणों ने आरोपियों की तलाशी ली तो उनके पास से ग्राम पंचायत लोहमारा के सरपंच द्वारा जारी एक प्रमाण पत्र मिला। इस प्रमाण पत्र में लिखा था कि आरोपी अनिल खरोले ने गुलाब पिता रामू हरदे (निवासी लोहमारा) से तीन मवेशी खरीदे हैं, जिनमें एक गाय और दो गोरी शामिल हैं। लेकिन जब गुलाब से इस संबंध में चर्चा की तो उसने साफ कहा कि उसने किसी को भी मवेशी नहीं बेचे। इससे स्पष्ट होता है कि लोहमारा सरपंच द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र जारी किया गया था। आरोपियों के पास दो मोटरसाइकिल भी थी। इस पूरे घटनाक्रम में सेलवा के ग्रामीणों की सजगता और साहसिक कदम सबसे महत्वपूर्ण रहा। देर रात मवेशियों को हांकते हुए देखकर उन्होंने तुरंत कार्रवाई की और आरोपियों को पकड़ लिया। यदि ग्रामीण समय रहते सतर्क न होते तो संभव था कि मवेशियों की तस्करी सफल हो जाती। वहीं इस घटना ने ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को भी उजागर किया है। लोहमारा सरपंच द्वारा जारी किया गया फर्जी प्रमाण पत्र यह दर्शाता है कि पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत किस हद तक फैली हुई है। सवाल यह उठता है कि सरपंच ने बिना वास्तविक लेन-देन के प्रमाण पत्र क्यों जारी किया?

15 दिन से बिजली आने की राह तक रहे ग्रामीणों का फूटा गुस्सा
सिझौरा विद्युत कार्यालय का किया घेराव, जमकर की नारेबाजी

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)

मवई वनांचल क्षेत्र में बदहाल विद्युत व्यवस्था और लगातार जारी अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा देवगांव सहित आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं, विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों ने सिझोरा विद्युत कार्यालय का घेराव कर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया घंटों चले इस प्रदर्शन के दौरान विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई और अधिकारियों पर लापरवाही उदासीनता तथा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को नजरअंदाज करने के गंभीर आरोप लगाए गए प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देवगांव क्षेत्र में पिछले लगभग 15 दिनों से बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। भीषण गर्मी के इस दौर में लगातार अंधेरे में रहने को मजबूर ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत और सूचना देने के बावजूद विभागीय अधिकारियों ने समस्या के समाधान के लिए कोई गंभीर पहल नहीं की जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है सुबह से ही ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, दोपहिया वाहनों और पैदल सिझोरा विद्युत कार्यालय पहुंचने लगे थे देखते ही देखते कार्यालय परिसर के बाहर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई प्रदर्शनकारियों ने बिजली व्यवस्था दुरुस्त करो अघोषित कटौती बंद करो ग्रामीणों का शोषण बंद करो और बिजली विभाग होश में आओ जैसे गगनभेदी नारों के साथ विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बिजली बंद रहने से सबसे अधिक परेशानी पेयजल व्यवस्था को लेकर हो रही है गांवों में मोटर पंप बंद पड़े हैं जिससे लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। महिलाओं को दूरदराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। कई घरों में पीने के पानी तक का संकट गहरा गया है भीषण गर्मी में बिजली और पानी दोनों की समस्या ने लोगों का जीवन दूभर कर दिया है विद्यार्थियों ने भी प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया छात्रों का कहना था कि परीक्षाओं और पढ़ाई का समय होने के बावजूद बिजली नहीं मिलने से वे रात में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं मोबाइल चार्ज नहीं होने से ऑनलाइन अध्ययन और जरूरी संपर्क भी प्रभावित हो रहे हैं विद्यार्थियों ने कहा कि सरकार शिक्षा और डिजिटल व्यवस्था की बात करती है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं किसानों ने विद्युत विभाग के खिलाफ सबसे ज्यादा नाराजगी जाहिर की उनका कहना था कि बिजली नहीं मिलने से खेतों में सिंचाई कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। कई किसानों की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। धान और अन्य फसलों की तैयारी कर रहे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो इसका सीधा असर खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा धरना-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारी फोन तक रिसीव नहीं करते और शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते कई बार लाइन खराब होने ट्रांसफार्मर में खराबी और सप्लाई बाधित होने की जानकारी दी गई लेकिन हर बार केवल आश्वासन दिया गया ग्रामीणों का कहना था कि अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी के कारण ही समस्या लगातार बनी हुई है प्रदर्शन स्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण नेताओं ने भी विभाग पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को हमेशा उपेक्षित किया जाता है। शहरों में थोड़ी देर बिजली बंद होने पर तत्काल सुधार कार्य शुरू हो जाते हैं लेकिन गांवों में कई-कई दिनों तक सप्लाई बंद रहने के बावजूद विभाग को कोई चिंता नहीं होती। नेताओं ने कहा कि बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं हर नागरिक का अधिकार हैं लेकिन ग्रामीणों को इसके लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है यदि देवगांव और आसपास के क्षेत्रों में तत्काल विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की गई तथा अघोषित कटौती पर रोक नहीं लगी तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई के अध्यक्ष रानू हरदहा सहित अनेक कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे।

चालक की मौत 9 श्रमिक घायल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया नेशनल हाईवे 30 पर हिरदेनगर चौकी क्षेत्र अंतर्गत पदमी चौराहा के पास करीब रात 2 बजे एक तूफान वाहन और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तूफान वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि वाहन में सवार 9 श्रमिक घायल हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मधुपुरी से करीब 10 श्रमिक तूफान वाहन में सवार होकर काम के सिलसिले में केरल जा रहे थे। इसी दौरान पदमी चौराहा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से वाहन की सीधी टक्कर हो गई।

नाव पंजीयन अनिवार्य

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आगामी वर्षाकाल के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों राहत एवं बचाव कार्यों तथा संसाधनों की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

जल गंगा अभियान अंतर्गत बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन जबलपुर संभाग के संभाग समन्वयक रवि प्रसाद बर्मन के मार्गदर्शन में ग्राम सलैया वनग्राम में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विकासखंड समन्वयक श्रीमती मंजुलता पांडेय, नवांकुर संस्था आदिवासी लोक नृत्य दल धनवाही के संस्था प्रमुख जगत सिंह परते, परामर्शदाता बद्री प्रसाद मरकाम, जनपद उपाध्यक्ष बिजेंद्र यादव तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित रहे बैठक का आयोजन इंटर्नशिप कार्य कर रही सुश्री शिवकुमारी उइके के निवास पर किया गया।

आंगनबाड़ी में बदहाल व्यवस्थाएं

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। विकासखंड मुख्यालय के बस स्टैंड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-3 की व्यवस्थाएं इन दिनों पूरी तरह बदहाल नजर आ रही हैं। भीषण गर्मी के बीच केंद्र में लगा बिजली मीटर और पंखा केवल शो-पीस बनकर रह गए हैं। हालत यह है कि टीकाकरण के लिए आने वाले मासूम बच्चों को उनके परिजन कपड़े और हाथ के पंखों से हवा करने को मजबूर हैं ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि केंद्र में लंबे समय से बिजली व्यवस्था बंद पड़ी है लेकिन जिम्मेदारों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। बिजली और पंखे की व्यवस्था नहीं होने से टीकाकरण के दौरान छोटे बच्चों की हालत खराब हो रही है।

ब्लॉक कांग्रेस ने मनाई पुण्यतिथि

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोहगांव ने कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित की है। साथ ही उनके जीवनी इतिहास को याद किया गया। इस दौरान निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इकबाल खान, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष शिव कुमार मिश्रा, हसीब खान, राजेंद्र झारिया, किशोर अग्रवाल, निक्कू मलिक, इमरान खान, गुडडी भारतीया, बसमतिया मरावी, फैमिदा खान, पीतम झारिया, अमरीष मिश्रा, धनेश झारिया, प्रेम धुर्वे, सेवकराम उइके, चंद्र सिंह मरकाम, पवन यादव, सुरेंद्र बसल, मान सिंह धुर्वे, राम लाल कोर्चे, प्रदीप बैरागी, हीरा सिंह उइके सहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

धड़ल्ले से बिक रही एक्सपायरी खाद्य सामग्री

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र नारायणगंज में इन दिनों एक्सपायरी डेट निकल चुकी खाद्य सामग्री की बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर मुख्यालय होने के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे दुकानदार और ग्रामीण रोजमर्रा की खाद्य सामग्री की खरीदी के लिए नारायणगंज बाजार आते हैं लेकिन बाजार में खुलेआम एक्सपायरी सामान बिकने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं स्थानीय सूत्रों के अनुसार नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की कई किराना दुकानों में समय-सीमा समाप्त हो चुके खाद्य पदार्थ पैकेज्ड आइटम और अन्य उपभोक्ता सामग्री रखी जाती है आरोप है कि जांच के दौरान जिम्मेदार विभाग द्वारा केवल औपचारिकता निभाई जाती है जिससे दुकानदार कार्यवाही से बच निकलते हैं और यह अवैध कारोबार लगातार जारी रहता है ग्रामीणों का कहना है कि जागरूकता की कमी के कारण आदिवासी एवं भोले-भाले उपभोक्ता पैकेट पर लिखी एक्सपायरी डेट को समझ नहीं पाते और अनजाने में खराब सामग्री खरीद लेते हैं कई बार ऐसी सामग्री के सेवन से लोगों की तबीयत बिगड़ने और अस्पताल तक पहुंचने की स्थिति भी बन जाती है क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने आरोप लगाया कि यदि खाद्य सुरक्षा विभाग नियमित और निष्पक्ष कार्यवाही करे तो ऐसी स्थिति पर रोक लग सकती है लेकिन विभागीय उदासीनता और कथित मिलीभगत के कारण उपभोक्ताओं की सेहत खतरे में पड़ रही है लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की दुकानों में विशेष अभियान चलाकर एक्स पायरी सामग्री जब्त की जाए दोषी व्यापारियों पर सख्त कार्यवाही हो।

जैव विविधता दिवस पर प्रतियोगिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)

वन परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम सामान्य वन विभाग जिला जैव विविधता बोर्ड एवं ऐपको के सहयोग से शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय में प्राथमिक स्तर से महाविद्यालय स्तर तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कला एवं रचनात्मक विचारों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, नर्मदा संरक्षण, बाघ बचाओ अभियान, वन्यजीव संरक्षण, पॉलिथीन मुक्त शहर, गिद्ध संरक्षण तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर प्रभावशाली चित्र प्रस्तुत किए। नन्हे छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सबसे कम उम्र के प्रतिभागी 2 वर्षीय मनीष जैन ने पृथ्वी के संतुलन पर आधारित विशेष स्केचिंग प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया इस अवसर पर वन मंडल अधिकारी पश्चिम सामान्य प्रमुख माधव सिंह मौर्य ने विद्यार्थियों की चित्रकला की सराहना करते हुए कहा कि शहर वनों से आच्छादित होने के बावजूद बढ़ता तापमान चिंता का विषय है उन्होंने विद्यार्थियों से आने वाले वर्षों में वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय योगदान देने की अपील की वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती सोनम जैन ने विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण एवं प्रकृति संतुलन के महत्व पर जानकारी दी कार्यक्रम का आयोजन श्रीराम सूत्र उपवन मंडल अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ कार्यक्रम में पर्यावरण विशेषज्ञ श्रीमती कल्पना नागेश्वर ने विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया वहीं समाजसेवी श्रीमती सरिता अग्निहोत्री शहर को पॉलिथीन मुक्त एवं स्वच्छ बनाने हेतु जनसहयोग की आवश्यकता पर बल दिया इस दौरान गजेंद्र सोनी एवं संजय सिंगौर सहित अन्य अतिथियों ने भी बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने का संदेश दिया कार्यक्रम का संयोजन पर्यावरणविद् राजेश क्षत्री द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती कल्पना नामदेव प्राचार्य, अखिलेश उपाध्याय इको क्लब प्रभारी, मुकेश चौरसिया, बी.के. चौरसिया, अरुण दुबे, नीरज झारिया, वनरक्षक शीतल चौबे एवं शैलेंद्र नामदेव का सहयोग रहा।

कृषि विभाग के खिलाफ विरोध कर सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले में किसानों को गेहूं खरीदी स्लॉट बुकिंग खाद-बीज उपलब्धता एवं नकली कृषि सामग्री की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इन गंभीर समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कृषि विभाग एवं प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया किसान कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश ठाकुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पहुंचे जहां किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया ज्ञापन में कहा गया कि जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है और किसान लगातार परेशान हो रहे हैं किसान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले 20 से 25 दिनों से गेहूं विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग बंद पड़ी हुई है जिससे किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पा रहे हैं। प्रशासन द्वारा खरीदी की अंतिम तिथि तो लगातार बढ़ाई जा रही है लेकिन वास्तविक रूप से किसानों को स्लॉट उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। इसके कारण किसानों को मजबूरी में खुले बाजार में कम कीमत पर गेहूं बेचना पड़ रहा है जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कई किसानों ने फसल उत्पादन के लिए बैंक एवं सहकारी समितियों से ऋण लिया है लेकिन गेहूं की बिक्री नहीं होने से वे ऋण जमा नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में किसानों को डिफाल्टर घोषित किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसान कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की कि किसानों को डिफाल्टर घोषित करने की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए तथा ऋण भुगतान के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए कृषि सामग्री की कमी को लेकर भी किसान कांग्रेस ने नाराजगी जताई नेताओं ने कहा कि जिले में किसानों को समय पर यूरिया उपलब्ध नहीं हो रहा है जिससे खेती का कार्य प्रभावित हो रहा है वहीं डीएपी खाद की भी भारी कमी बनी हुई है किसानों ने आरोप लगाया कि बाजार में नकली बीज एवं नकली खाद खुलेआम बेचे जा रहे हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है कुछ व्यापारी महंगे दामों पर घटिया एवं नकली सामग्री बेचकर किसानों के साथ ठगी कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा पर्याप्त जांच एवं कार्यवाही नहीं की जा रही है इस दौरान संतोष भल्लावी, इंद्रजीत भंडारी, रजनीश रंजन उसराठे, अभिनव चौरसिया, रेशमा अल्वी, सौरभ जंघेला, जावेद कुरैशी, पूजा शिवंशी, अमन लाहौरी, शुभम बरमैया एवं शाहरुख खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठकमें निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में कृषि के क्षेत्र में नवाचार उन्नत तकनीकों के विस्तार तथा स्थानीय कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई कलेक्टर ने कहा कि जिले में आत्मनिर्भर गांव की अवधारणा को मजबूत करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों के अनुभवों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाए ताकि अन्य किसान भी आधुनिक एवं लाभकारी खेती की तकनीकों से प्रेरित होकर उनका लाभ उठा सकें उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने उपसंचालक कृषि को निर्देश दिए कि जिले के सभी निजी खाद विक्रेताओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को शासन द्वारा निर्धारित दरों पर ही खाद उपलब्ध कराया जाए। निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली अथवा कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नि:शुल्क एंडोस्कोपी जांच आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिडास हॉस्पीटल द्वारा शनिवार 23 को नि:शुल्क एंडोस्कोपी जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है यह शिविर डीके हेल्थ केयर में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा शिविर में प्रसिद्ध गैस्ट्रो एंटरोलॉजिस्ट एवं इंटरवेंशनल एंडोस्कोपिस्ट डॉ. सौरभ मुकेवार द्वारा मरीजों की जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया जाएगा। शिविर में पेट एवं पाचन तंत्र से संबंधित समस्याओं जैसे लगातार पेट दर्द या जलन, निगलने में कठिनाई, खाना खाने के बाद भारीपन या पेट फूलना, उल्टी, मितली, खट्टी डकारें, खून की उल्टी, काला मल आना तथा बिना कारण वजन कम होने जैसी समस्याओं की जांच की जाएगी

हैंडपंप खराब होने से पेयजल संकट

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। नारायणगंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पिपरिया खमरिया में इन दिनों भीषण पेयजल संकट बना हुआ है। गांव में लगे हैंडपंप की खराबी के कारण ग्रामीणों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है गर्मी के इस मौसम में स्थिति और गंभीर होती जा रही है लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है ग्रामीणों का आरोप है कि नल-जल योजना विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के चलते हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है। गांव के अधिकांश लोग इसी हैंडपंप और नल-जल योजना पर निर्भर हैं लेकिन समय पर मरम्मत नहीं होने से पूरे गांव में पानी की कमी हो गई है ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक हैंडपंप रिपेयरिंग का कार्य शुरू नहीं किया गया है। इससे महिलाओं और बच्चों को दूर-दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

सामान्य श्रेणी के यात्रियों को अब नैनपुर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। रेल यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर खानपान व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जनता खाना योजना का संचालन शुरू किया गया है। इस योजना के माध्यम से विशेष रूप से सामान्य कोच के यात्रियों को किफायती दर पर स्वच्छ, ताजा एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन स्टेशन परिसर पर ही उपलब्ध कराया जा रहा है। नैनपुर रेलवे स्टेशन में भी इसकी शुरुआत कर दी गई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह के मार्गदर्शन में नागपुर मंडल के अंतर्गत प्रमुख रेलवे स्टेशनों जैसे गोंदिया, नैनपुर, छिंदवाड़ा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी, राजनांदगांव तथा डोंगरगढ़ स्टेशन पर जनता खाना सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा का उद्देश्य सामान्य श्रेणी के यात्रियों को यात्रा के दौरान कम कीमत पर पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान बेहतर खानपान सुविधा प्राप्त हो सके। रेल प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि उपलब्ध कराया जाने वाला भोजन स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो तथा यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान की जा सके। यात्रियों द्वारा इस पहल को सकारात्मक प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल रेल यात्रियों की सुविधाओं में निरंतर वृद्धि कर संकल्प कर साथ भविष्य में भी इस प्रकार की जनहितकारी योजनाओं का विस्तार करने की बात कह रहा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गिठार मलपहरी
जनपद पंचायत मोहगांव जिला मण्डला

क्रमांक/ग्रा.पंचा./निविदा/2026 दिनांक 22/05/2026

निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में सामान्य सभा की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार ग्राम पंचायत अन्तर्गत वर्ष 2026-27 में विभिन्न मदो से कराये जाने हेतु निर्माण कार्य जैसे सार्वजनिक कूप निर्माण, कुप मरम्मत कार्य पुलिया निर्माण, पाईप लाईन विस्तारीकरण हेतु पाईप मोटर भवन निर्माण सामग्री, सीसी रोड निर्माण एवं अन्य सभी स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु लगने वाली सामग्री रेत ईट गिटटी लोहा सरिया सीमेंट पाईप मुरर्म मिक्सर मशीन सेंटिंग वायवेटर खिड़की दरवाजा वेंटीलेशन 20 एम एम गिटटी 40 एम एम गिटटी एवं अन्य सामग्री आदि का जीएसटी बिल वाले सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निर्धारित सामग्री दर के अनुसार निविदा आमंत्रण दिनांक 23/05/2026 से 30/05/2026 तक कार्यालयीन समय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत गिठार मलपहरी
जनपद पंचायत मोहगांव

सचिव
ग्राम पंचायत गिठार मलपहरी
जनपद पंचायत मोहगांव

न्यायालय
तहसीलदार नैनपुर
जिला मण्डला

क्रमांक/तह./प्रवा./2026/87
नैनपुर दिनांक-19/05/2026
प्र.क्र ....(अ-20(3)

इश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम झूलपुर तहसील नैनपुर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है कि ग्राम झूलपुर प.ह.नं.... रा.नि.मं. डिठौरी में स्थित भूमि ख.नं. 464 रकबा क्रमशः 011 हेक्टेयर में से रकवा 0.04 हे.में से 433 वर्ग मीटर हेतु भूमि आवंटन के लिये आवेदक/विभाग संस्था महिला बाल विकास के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 02/06/2026 को दिन के 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार नैनपुर
जिला मण्डला

संपादकीय

संकट से सामना

महाराष्ट्र के बुलढाणा में किसान धरने पर बैठ गए हैं। उन्हें पर्याप्त डीजल नहीं मिल पा रहा है। बिन डीजल के खेती करना नामुमकिन है। किसान पेट्रोल पंप के पास ही रात गुजारने, सोने को विवश हैं, लिहाजा मच्छरदानी तान कर बंदोबस्त कर रहे हैं। कोई पेट्रोल पंप ही बंद कर दिया गया है। तख्ती टांग दी गई है-पेट्रोल खत्म है और डीजल यहां नहीं बिकता। यह भारत देश की औसत तस्वीर है, हकीकत है, लेकिन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी दावा कर रहे हैं कि देश में कच्चे तेल, नेचुरल गैस, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। ऐसे विरोधाभास में कब तक जिएगा आम भारतीय? कुछ आंकड़े गौरतलब हैं। इंडियन ऑयल कंपनी ने 95,000 करोड़ रुपए से अधिक, भारतीय पेट्रोलियम ने 65,000 करोड़ रुपए से अधिक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने 48,000 करोड़ से अधिक और ओएनजीसी ने 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के मुनाफे कमाए हैं। आम उपभोक्ता को कितने सस्ते पेट्रोल-डीजल और एलपीजी मुहैया कराए गए? सरकार इस संदर्भ में बिल्कुल खामोश है। अलबत्ता पेट्रोलियम मंत्री जरूर रुदनावस्था में कहते रहे हैं कि अब भी तेल कंपनियों को रोजाना 750 करोड़ रुपए का घाटा है। पेट्रोल-डीजल के दाम जितने बढ़ाए गए हैं, उससे तो कंपनियों के नुकसान की 15 फीसदी ही भरपाई होगी। यदि पेट्रोल-डीजल 10 रुपए प्रति लीटर महंगे किए जाएंगे, तो घाटे की 50 फीसदी भरपाई हो सकती है। जब पेट्रो पदार्थ 17-18 रुपए महंगे होंगे, तो तेल कंपनियों का मुनाफा शुरू हो सकता है। आखिर ये मुनाफे किसके लिए हैं? क्या इनका एक हिस्सा आम उपभोक्ता से साझा नहीं करना चाहिए। जब देश में 70-72 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल आ रहा था, तब भी कंपनियों ने पेट्रो पदार्थों के खुदरा दाम क्यों नहीं घटाए थे? ये भारत की सार्वजनिक उपक्रम वाली कंपनियां हैं, जो करदाता और शेयरधारक के पैसे से चलती हैं। बहरहाल भारत में तेल-संकट का दौर है और एक बड़ी तेल कंपनी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में निवेश करेगी! आपदा में भारतीय कंपनी अपने देश में नहीं, विदेश में निवेश करेगी, इससे कुरूप और भद्दा विरोधाभास क्या हो सकता है? इसी तरह दवाएं बनाने वाली एक बड़ी कंपनी भी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में ही निवेश करेगी। यह कैसा राष्ट्रवाद है? एक और विरोधाभास उल्लेखनीय है। मार्च-अप्रैल में भारत में 1.32 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल आयात किया गया। फिर उसे रिफाइन करके 150 गरीब देशों को 52,826 करोड़ रुपए के पेट्रो पदार्थ निर्यात कर दिए गए। शेष किसी अन्य देश में बेच दिया होगा! सवाल है कि जब देश संकट में है, पेट्रोल-डीजल-गैस के लिए मारामारी है, ऐसी स्थिति में तेल देश के काम आना चाहिए था, लेकिन एक जमात को अपने धंधे और मुनाफे की ही चिंता है। पहले 100 में कोई भी भारतीय कंपनी नहीं है। बहरहाल चार दिन में पेट्रोल-डीजल के दाम दूसरी बार बढ़ाए गए हैं। सतही तौर पर 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान लगते हैं, लेकिन उनके द्वारा वसूली व्यापक है। हालांकि कुल 4 फीसदी के करीब बढ़ोतरी की गई है। दुनिया में सबसे कम दाम भारत में ही बढ़ाए गए हैं। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का आकलन सामने आया है कि ईरान युद्ध और उससे उपजे संकट, किल्लत के कारण वैश्विक जीडीपी में 500-800 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। यदि युद्ध के समापन की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप आज ही कर दें और ईरान भी उसे कबूल कर ले, तो भी सामान्य हालात होने में 6 माह से एक साल तक का वक्त लग सकता है। तेल कुओं, रिफाइनरियों आदि के पुनर्निर्माण में तो 3-5 साल लग सकते हैं। तब तक संकट बरकरार रहेगा।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। सत्यं वद, धर्मं चर, वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल हिंदू विरोध बनाम राजनीतिक विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को धर्म बनाम धर्म की लड़ाई से ऊपर उठकर जन बनाम जनसमस्या के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

मितव्ययिता हमेशा के लिए क्यों नहीं अपनाई जाये ...

चैतन्य भट्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मई 2026 को हैदराबाद में पश्चिम एशिया में चल रहे खाड़ी युद्ध संकट के मद्देनजर ईंधन बचाने, विदेशी मुद्रा बचाने और आर्थिक सुरक्षा के लिए की गई अपीलों का असर दिखने लगा है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी काफिले में गाड़ियों की संख्या घटा दी है। अनुसरण में प्रदेश भी पीछे नहीं हैं। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी काफिलों में गाड़ियों की संख्या आधी की है। मंत्रियों और विधायकों को सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने या कारपूलिंग करने के लिए कहा है। सरकारी बैठकों को आनलाइन करने पर जोर दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश सीएम मोहन यादव ने अपने काफिले की गाड़ियों को कम कर दिया है और राजनीतिक वाहन रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। त्रिपुरा में सरकारी खर्च घटाने के लिए ग्रुप सी और डी के 50त्न कर्मचारियों को ही दफ्तर बुलाने का नियम लागू किया गया है। महाराष्ट्र ने कांस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए प्रस्तावित विदेश यात्रा टाल दी है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस खुद मोटरसाइकिल पर कार्यालय जाते नजर आए। दिल्ली- में सरकारी विभागों में वाहनों के इस्तेमाल को सीमित करने के साथ-साथ मेट्रो और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मगर यह भी तथ्य है कि हैदराबाद में प्रधानमंत्री की अपील के दो दिन बाद असम में मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कमर्शियल फ्लाइट से पहुंच कर मिसाल कायम की जबकि प्रदेश सरकारों समेत बीस से अधिक नेता चार्टर्ड फ्लाइट से पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी अपील गुजरात में दिए गए भाषण में न सिर्फ पुनः दोहराई बल्कि खुद अपने काफिले में वाहनों की संख्या नगण्य कर दी। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षामंत्री ऐसे महत्वपूर्ण पद हैं जिनकी सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की कमी की जाने की बात भी बेमानी है और किसी भी तरह की आर्थिक मितव्ययिता के तर्क से परे है। तो क्या प्रधानमंत्री की अपील को लेकर शुरुआती दौर में स्वयं नेतागण भी गंभीर नहीं थे ? आंखें तब खुलीं जब स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा उदाहरण स्थापित किए जाने की खबरें चलीं ?

खाड़ी युद्ध से उत्पन्न परिस्थितियों में प्रारंभ से ही यह तय था कि देश को इन भीषण आर्थिक विषमताओं का सामना करना पड़ेगा। फिर ऐसे जरूरी कदम उठाने में हुआ विलंब सवाल उठाता है। विलंब के लिए प्रमुख रूप से चार महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। इस बात में कोई शक नहीं कि युद्ध के दौरान सरकार ने अपनी दीर्घकालिक तैयारियों के चलते पेट्रोल,डीजल और रसोई गैस जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई में कीमतों में बिना किसी वृद्धि के निरंतरता बनाए रखी । मगर सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने का सरकारी फैसला इस बात का प्रतीक है कि देर सबेर पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी भी तय है जो धीरे धीरे सामने आ रही है। क्या ये जरूरी कदम समय रहते उठाने में सचमुच चुनावी मजबूरी आड़े आई ? ईंधन के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर भारत के पड़ौसियों समेत दुनिया के बहुतेरे देशों ने कीमतों में वृद्धि संबंधी कदम समय रहते ही उठा लिए थे।

बहरहाल देर आए दुरुस्त आए। खर्च में कटौती के संदर्भ में उठाए जा रहे यह सारे कदम सराहनीय हैं। प्रश्न स्वाभाविक है - अगर यह सारे कदम सांकेतिक नहीं हैं और सचमुच इतनी मितव्ययिता से काम चल सकता है तो फिर इसके लिए आर्थिक विषमताओं का इंतजार करने की जरूरत क्या है? क्यों नहीं इस चर्या को हमेशा के लिए अपनाया जाता? सुनने में शायद बुरा लगे मगर भारतीय राजनीति भभके और दिखावे में विश्वास करने वाले नेताओं से भरी पड़ी है। गाड़ियों की भीड़ और सरकारी गनमैन प्रतिष्ठा का पर्याय हैं। नेता की हैसियत इस बात से तय होती है कि उसके काफिले में कितनी गाड़ियां हैं और सुरक्षा में कितने बंदूकधारी तैनात हैं। कितनी ही बार सुरक्षा में लगाए जाने वाले जवानों की तैनाती को लेकर राजनीतिक तनातनी के अवसर आए हैं। ऐसे भी दृष्टांत हैं कि नेताजी पीछे की सीट पर गनर बिठाए दुपहिए पर चले जा रहे हैं। जिनकी सार्वजनिक धन तक सीधी पहुंच नहीं है वे अपने खर्चे पर बाउंसर लेकर घूमते हैं। मूर्धन्य व्यंग्यकार स्व. हरिशंकर परसाई ने भारत को सप्ताह, दिवस प्रेमी देश कहा था। भृष्टाचार विरोधी सप्ताह, यातायात सप्ताह, स्वच्छता सप्ताह, हिंदी दिवस समेत कितने ही उदाहरण मौजूद हैं।दिलचस्प होगा कि सरकारों द्वारा मितव्ययिता को लेकर उठाए जा रहे यह कदम स्थाई होंगे या फिर अंततः सप्ताह संस्कृति का हिस्सा बन कर रह जाएंगे।

हर ज्ञान पुस्तकालय में नहीं मिलता, बढ़ती उम्र केवल क्षय का नाम नहीं

बुजुर्ग होना धीरे-धीरे यह सिखाता है कि जीवन केवल जोड़ने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि टूटने और बिखरने की भी एक लंबी यात्रा है। बचपन में दुनिया एक संपूर्ण चित्र जैसी लगती है, रिश्ते सरल होते हैं, सपने साफ होते हैं, और समय इतना बड़ा लगता है, मानो कभी खत्म ही नहीं होगा। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, मनुष्य समझने लगता है कि हर बीतता हुआ वर्ष अपने साथ कुछ न कुछ छीनकर ले जाता है। चेहरे की चमक धीमी पड़ने लगती है, शरीर की शक्ति कम होने लगती है, पुराने लोग एक-एक करके स्मृतियों में बदलने लगते हैं, और जीवन में लोगों की भीड़ के बीच भी एक अकेलापन जन्म लेने लगता है। फिर भी बढ़ती उम्र केवल क्षय का नाम नहीं है।

मनुष्य के संस्कार, उसका समाज और उसका अनुभव यदि सही दिशा में काम करे, तो वृद्धावस्था सुंदर बन जाती है, क्योंकि उम्र हमें वह दिखाती है, जो युवावस्था के शोर में दिखाई नहीं देता। जवान मन हमेशा दुनिया को जीतना चाहता है, लेकिन वृद्ध मन समझता है कि दुनिया को जीतने से अधिक कठिन काम स्वयं को समझना है। एक बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में वर्षों की यात्राएं होती हैं, उसके मौन में अनेक हानियां, क्षमाएं और स्वीकार छिपे होते हैं। वृद्धावस्था मनुष्य को धीमा अवश्य कर देता है, पर उसी धीमेपन में जीवन की सबसे गहरी समझ जन्म लेती है। तभी तो वृद्ध लोग छोटी-छोटी चीजों में भी अर्थ खोज लेते हैं।

अक्सर दुनिया यह भूल जाती है कि हर युवा चेहरा एक दिन वृद्ध जरूर होगा। जिस समाज में बुजुर्ग लोगों को बोझ समझा जाने लगे, वहां संवेदना धीरे-धीरे मरने लगती है, क्योंकि बुजुर्ग केवल उम्रदराज व्यक्ति नहीं होते, बल्कि वे समय के साक्षी होते हैं। बुजुर्गों ने जीवन को उसके सबसे कठिन रूपों में देखा होता है, इसलिए उनके पास ऐसे अनुभव और ज्ञान का भंडार होता है, जिन्हें किसी पुस्तकालय में जाकर हासिल नहीं किया जा सकता है। उम्र बढ़ने का सबसे सुंदर अर्थ यही है कि मनुष्य धीरे-धीरे समझ जाता है कि जीवन का सार प्रतियोगिता में नहीं, बल्कि संबंधों, स्मृतियों और प्रेम में छिपा है।

मानसिक रुग्णता के प्रति बहुकोणीय कर्तव्यविमुखता

पं.ल रमेश शर्मा
राज्य पुलिस सेवा
नगर पुलिस
अधीक्षक (से.नि.)

भरी दोपहर चिलचिलाती धूप में शहर के एक प्रसिद्ध चौक पर मैने एक मानसिक रोगी को फटेहाल,आग सी तपती सीमेंटेड रोड पर,नंगे पाँव,बेतहाशा चिल्लाते व इधर से उधर अकारण दौड़ते-भागते देखा, हृदय मानसिक संताप व पीड़ा से व्यथित हो उठा।

प्रायः शहरों, कस्बों,ग्रामों की सड़कों पर, गलियों में, चौराहों पर, चौपालों पर,मोहल्लों में,बाजारों में,बस अड्डों पर,रेल्वे स्टेशनों पर,रेल गाड़ियों में कई मानसिक रोगियों (स्त्री एवं पुरुष दोनों) को भटकते हुए देखा जाता है । इनमें से अधिकांश परित्यक्त, बेघर,बेसहारा, अज्ञात ही होते हैं। इनका कोई पता ठिकाना तो होता नहीं है। अत्यंत दुर्दशा में ये बदहाल,फटेहाल,मैले कुचैले,फटे चीथड़े गिचपचे कपड़ों में,महीनों गिनती से बगैर नहाये धोए,सिरों में बालों की लटे लिये,कचरो के ढेर से बिना किसी मकसद के कंधे पर रखे थैले में कुछ तो भी भरते हुए पाये जाते हैं । ये असहाय,बेबस -

गुरबत में रोते रहते है,कुछ कचरे में सोते मिलते हैं। बदहोशी के मंजर में अकारण चिल्लाते चीखते,गाली गलौज करते या अनाप शनाप कहते रहते हैं। 45 डिग्री तापमान की भीषण गर्मी में इन्हें भूख प्यास भी नहीं लगती! इनकी दुर्दशा देख अनायास ही नेत्र अश्रुपूरित हो जाते हैं। कमोबेश इनकी यही स्थिती जाड़ों एवं बर्षा ऋतु में भी होती हैं किन्तु स्थानीय प्रशासन, पुलिस,समाज कल्याण विभाग व शासन के प्रतिनिधि गण इनके प्रति संवेदन शून्य हो गए है। उन्हें इनके पुनर्वास के दायित्व का अहसास ही नहीं है। इस बहुकोणीय उपेक्षा के कारण इन निरीह बेसहारा लोगों के हालात बद से बद्तर होते जा रहे हैं। प्रशासनिक एवम् वैधानिक दृष्टिकोण से इनके उपचार व पुनर्वास का आधिकारिक कर्तव्य स्थानीय प्रशासन,पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग का है।

शासन द्वारा मानसिक रोगियों के संरक्षण,उपचार एवं पुनर्वास हेतु समय समय पर अनेकों योजनायें व कानून बनाये गये हैं किंतु उत्तरदायी घोर निद्रा में मग्न है । वे इन लाचारों व इनकी सुरक्षा या उपचार के प्रति दायित्व विहीन हो गए हैं। बौद्धिक दिव्यांगता निवारण हेतु वर्तमान में केन्द्र व म.प्र. शासन द्वारा मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के अधिकारों, सुरक्षा एवं पुनर्वास हेतु दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 प्रभाव में लाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा प्रचलित मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम 2017 नवीनतम अधिनियम है । इसमें अपराधिक,अनअपराधिक सभी मानसिक रोगियों के लिए उचित पुनर्वास एवं उपचार के प्रावधान है। अपराधिक विकृत व्यक्तियों के उपचार नियम 2000,लागू होने के विगत 26 वर्षों से इन नियमों का पालन हो रहा है,ऐसा प्रतीत नहीं होता। मध्य प्रदेश शासन द्वारा मानसिक दिव्यांग जनों के पुनर्वास एवं सशक्तिकरण हेतु सीहोर में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना की गई है । इसके अतिरिक्त वर्षों से ग्वालियर में तथा बाणगंगा,इंदौर में शासकीय उपचारगृहों में समुचित व्यवस्था है । भोपाल और इंदौर में भी प्राइवेट न्यूरो साइकाइट्रिक हॉस्पिटल एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर है किंतु बहुत महंगे है ।

ग्वालियर,इंदौर एवं सीहोर के संस्थानों में ऐसे रुग्ण लोगों को भर्ती करने की प्रक्रिया अत्यंत जटिल है । सर्वप्रथम मेडिकल परीक्षण करवाने हेतु कुछ आवश्यक प्रपत्र प्रस्तुत करना,पुलिस के माध्यम से अथवा सीधे कार्यपालिक दंडाधिकारी के समक्ष रोगी को प्रस्तुत कर उनसे स्थानीय चिकित्सालय हेतु उचित निर्देश प्राप्त करना होता है। स्थानीय चिकित्सालय द्वारा रोगी के परीक्षण उपरान्त रेफर करने पर ही ग्वालियर अथवा इंदौर बाणगंगा के उपचार केंद्रों में रोगियों को भर्ती कराये जाने का प्रावधान है। यह प्रक्रिया पुलिस की प्राथमिकता,कार्यपालिक दंडाधिकारी की समय पर अनुपलब्धता,डॉक्टर्स की मंशा के चलते एवम् अन्य कतिपय कारणों सेअत्यंत कठिन है । समाज कल्याण विभाग तो अत्यंत दायित्वहीन है,मुझे तो अपने 38 वर्ष के मैदानी कार्यकाल में इस विभाग की इस दिशा में किसी गतिविधि को देखने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ।

मैंने थाना प्रभारी बेलबाग, जबलपुर की पदस्थापना अवधि में श्री मकरंद देउस्कर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक की सहृदयता, संवेदनशीलता व उदारता के चलते लगभग 105 मानसिक विकृत व्यक्तियों (स्त्री,पुरुष) को सामूहिक रूप से अपने सहयोगी पुलिसकर्मियों की सहायता से एकत्रित कर उन्हें यथोचित सम्मानपूर्वक, उनकी प्रतिष्ठा व निजता को दृष्टिगत रखते हुए सावधानीपूर्वक उचित सहयोग से साफ सुथरा करवाकर उपयुक्त वस्त्र धारण कराने उपरांत उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए पुलिस बस से ग्वालियर तथा इंदौर के उपचार केंद्रों में भर्ती करवाया था।

मेरा व्यक्तिगत सुखद अनुभव है कि ऐसी कार्यवाही करने से समाज से प्रशंसा तो प्राप्त होती ही है साथ ही स्वयं को अतुलनीय आत्मसंतोष प्राप्त होता है। इतने वर्षों के अंतराल उपरांत आज भी यदा कदा उन 105 व्यक्तियों के कोई रिश्तेदार जिन्हें मैं जानता पहचानता नहीं अनायास मिलकर उस कार्य की प्रशंसा करते हैं तो मन प्रफ्फुलित हो जाता है और संपादित कर्तव्य पर गर्व होता है ।

तत्समय भारतीय पागलपन अधिनियम 1851 प्रभावशील औपनिवेशिक काल से आधुनिक समय तक इस कानून में कई परिवर्तन हुये । पागलपन निवारण अधिनियम 1851,पागलपन एवं भारतीय पागलपन प्रबंधन एवं शरणालय अधिनियम 1858 एवं भारतीय पागलपन अधिनियम 1912 लागू हुये । इन कानूनों में उपचार तथा पुनर्वास की समुचित व्यवस्था तो थी किंतु इसमें मरीजों को समाज से अलग थलग रखा जाता था तथा अपराधिक तथा अनापराधिक रोगियों के साथ एक सा व्यवहार किया जाता था ।

सन 1987 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम प्रभाव में आया और पागल जैसे अपमानजनक शब्द को हटाकर मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति शब्द का प्रयोग किया गया । इस अधिनियम में मरीजों के मानवाधिकार एवं उनकी गरिमा पर बल दिया गया । मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2012 वस्तुतः 1987 के उक्त अधिनियम का ही सबसे आधुनिक स्वरूप है। जिसमें बीमारी की स्थिति में आत्महत्या का प्रयास,अपराध की श्रेणी से बाहर रखा गया है एवम् मानसिक रोगी व्यक्तियों को उपचाररत अवस्था में समूह से पृथक रखने का प्रतिबंध निरस्त किया गया है।

आलोचना,निंदा,प्रतिनिन्दा एवम् कर्तव्य की विभिन्न चुनौतियों के परे,तमाम व्यस्थताआँ के चलते भी पुलिस का एक ध्येय इन रोगियों के पुनर्वास का पुनीत कार्य करना भी होना चाहिये।

सुलभ प्रावधान है कि कोई भी सामान्य व्यक्ति इस संदर्भ में 112 नंबर पर पुलिस को सूचित करें अथवा पुलिस स्वतः संज्ञान ले और इन रोगियों को प्रक्रिया पूर्ण कर उचित चिकित्सालय में भर्ती करवायें।

मानसिक रोगी व्यक्ति के भी आम नागरिकों की भांति सभी संवैधानिक अधिकार सुरक्षित हैं। उन्हें भी सम्मान एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार कराने, अपनी गोपनीयता बनाए रखने, समुदाय में रहने,निर्णय लेने, निशुल्क कानूनी सहायता एवं शोषण से सुरक्षा प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार हैं। मानसिक रोगियों को प्राप्त अन्य महत्वपूर्ण अधिकारों मे बिना उनकी अनुमति अथवा सहमति के उन पर कोई भी इलेक्ट्रॉनिक थेरेपी या नसबंदी जैसा उपचार नहीं किया जा सकता,उल्लेखनीय है। उन्हें अपने व्यक्तिगत सामान, धन के प्रबंधन,बाहरी लोगों, परिवार जनों,मित्रों,वकीलों से मिलने या फोन पर बात करने का पूरा अधिकार प्राप्त है।

उपसंहार है कि इनकी सुरक्षा,उपचार तथा पुनर्वास हम सभी का दायित्व है। दावा यह नहीं है कि ऐसे रोगी आक्रामक या हिंसक नहीं होते। अतः इनकी सहायता करते समय पर्याप्त सुरक्षात्मक सावधानी भी वांछित है। अपील है कि इनके प्रति सहानुभूति एवम् संवेदना रखें, तथा इन्हें पागल अथवा विक्षिप्त या विकृतचित्त जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित न करें । क्योंकि ये भी....

उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। समाज पर मानसिक स्वास्थ्य रोगियों को लेकर लगे उपेक्षा एवम् अकर्मण्यता के कलंक को मिटाने हेतु इनके उपचार हेतु प्रयास करके उनके बेहतर भविष्य और पुनर्वास में अपना सहयोग देना होगा । यह भी देशभक्ति का ही एक स्वरूप है एवम् एक पुनीत व पवित्र कार्य भी है।

मिटे जो प्यार के लिये वो ज़िन्दगी,
जले बहार के लिये वो ज़िन्दगी
किसी को हो न हो हमें तो ऐतबार...
जीना इसी का नाम है ।

हर बार लंबा सोच-विचार नहीं होता सही, तेज फैसले ज्यादा असरदार, नई रिसर्च ने चौंकाया

नई दिल्ली

आमतौर पर यह धारणा रही है कि जो लोग किसी फैसले पर लंबे समय तक सोचते हैं, उनसे गलतियां होने की संभावना कम रहती है। माना जाता है कि ज्यादा सोच-विचार इंसान को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है।

लेकिन अब एक नई रिसर्च ने इस सोच को ही पलट दिया है। अध्ययन में सामने आया है कि कई मुश्किल परिस्थितियों में जल्दी लिया गया फैसला ज्यादा सटीक और असरदार साबित हो सकता है, जबकि जरूरत से ज्यादा सोचने वाला व्यक्ति कई बार उलझकर गलत निर्णय ले बैठता है।

जर्मनी की लुडविग मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी आफ म्यूनिख और नीदरलैंड की इरास्मस यूनिवर्सिटी राटरडैम के शोधकर्ताओं ने यह दिलचस्प रिसर्च पेशेवर शतरंज खिलाड़ियों पर की। उन्होंने खिलाड़ियों की हर चाल को बारीकी से देखा और यह समझने की कोशिश की कि कौन सा खिलाड़ी कितनी देर में फैसला लेता है और उसका फैसला कितना सही साबित होता है।

इसके लिए खिलाड़ियों की चालों की तुलना आधुनिक शतरंज इंजनों से की गई, ताकि फैसलों की गुणवत्ता

का सही अंदाजा लगाया जा सके।तेज व्यक्ति स्थिति को जल्दी पकड़ लेता

हैरिसर्च में जो नतीजा सामने आया, उसने वैज्ञानिकों को भी चौंका दिया। जिन खिलाड़ियों ने कम समय में फैसले लिए, उनकी चालें ज्यादा मजबूत और प्रभावी निकलीं।

वहीं जो खिलाड़ी लंबे समय तक सोचते रहे, उनके फैसले कई बार कमजोर साबित हुए। शोधकर्ताओं का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं कि सोचने से नुकसान होता है, बल्कि असली बात यह है कि तेज समझ रखने वाला व्यक्ति स्थिति को जल्दी पकड़ लेता है।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि जब कोई इंसान किसी समस्या को जरूरत से ज्यादा कठिन मानने लगता है, तो उसका दिमाग उलझ जाता है। वह बार-बार गणना करता है, हर संभावना पर सोचता है, लेकिन सही दिशा पकड़ने में पीछे रह जाता है। इसके उलट जिन लोगों की समझ और पकड़ मजबूत होती है, वे कम समय में ही सही रास्ता पहचान लेते हैं।

शोधकर्ता उवे जुंडे के मुताबिक इंसान और मशीन में यही सबसे बड़ा फर्क है। मशीन हर चीज को गणना से समझती है, लेकिन इंसान कई बार केवल स्थिति देखकर ही समझ जाता है कि कौन-सा फैसला सही होगा। अगर कोई व्यक्ति शुरुआत में ही स्थिति को समझ नहीं पाता, तो बाद में उसके लिए सही निर्णय तक पहुंचना और मुश्किल हो जाता है। यह रिसर्च केवल शतरंज की दुनिया तक सीमित नहीं मानी जा रही। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका असर रोजमर्रा की ज़्िंदगी, व्यापार, नौकरी और बड़े रणनीतिक फैसलों में भी देखा जा सकता है। यानी हर बार देर तक सोचने वाला ही सबसे समझदार हो, यह जरूरी नहीं। कई बार असली समझ उसी में होती है, जो सही समय पर बिना उलझे सही फैसला लेना जानता हो।

यूएस विदेश मंत्री मार्को रूबियो का बड़ा बयान

भारत हमारा बेहतरीन दोस्त, जितना तेल चाहिए हम देने को है तैयार

नई दिल्ली

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को भारत को बेहतरीन साझीदार बताया और कहा कि भारत जितना ईंधन खरीदना चाहता है, अमेरिका बेचने को तैयार है। अपनी पहली भारत यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें क्वाड देशों के मंत्रियों से मिलने का मौका मिलेगा। रूबियो 23-26 मई तक भारत में रहेंगे और कोलकाता, आगरा, जयपुर व नई दिल्ली का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, वे (भारत) हमारे बेहतरीन सहयोगी और साझीदार हैं। हम उनके साथ मिलकर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण यात्रा है। मुझे लगता है कि हमारे पास बातचीत करने के लिए बहुत सारे मुद्दे होंगे। हम वहां क्वाड देशों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे, जो बहुत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष के आखिर में भी हम एक और क्वाड बैठक करेंगे।

रूबियो ने बताया कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज भी अगले हफ्ते भारत आने वाली हैं और इस दौरान नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने के कई अवसर उपलब्ध होंगे। रुबियो की यह टिप्पणी

ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी रिफाइनरियों में वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल (हेवी क्रूड ऑयल) की आवक में भारी वृद्धि देखी गई है। फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका को वेनेजुएला से 80 मिलियन बैरल से ज्यादा तेल मिला है।

रुबियो ने यह भी घोषणा की कि वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज तेल बेचने पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगी। उन्होंने कहा, हमें यह भी लगता है कि वेनेजुएला के तेल को लेकर भी कई अवसर हैं। मेरी जानकारी के मुताबिक, वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति भी अगले हफ्ते भारत की यात्रा पर होंगी। ईरान के मुद्दे पर रुबियो ने स्पष्ट किया कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण करने या उसकी पहुंच के जरिए पैसे कमाने की तेहरान की किसी भी कोशिश को वाशिंगटन बर्दाश्त नहीं करेगा।

यह चेतावनी उन रिपोर्ट्स के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए ओमान के साथ एक स्थायी टोल व्यवस्था पर चर्चा कर रहा है। रुबियो ने इस कदम को वैश्विक व्यापार और नौपरिवहन की स्वतंत्रता के लिए सीधा खतरा करार दिया। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा और अपना अधिकांश तेल आयात करता है। ईरान में चल रहे मौजूदा संघर्ष ने एक बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है, जिसका असर अब दुनिया भर में महसूस किया जा रहा है। इसके कारण डीजल, पेट्रोल और एलएनजी की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके जवाब में, भारत ने अपनी तेल विपणन कंपनियों पर वित्तीय दबाव को कम करने के उद्देश्य से चार दिनों के भीतर दो बार ईंधन की कीमतों में वृद्धि की, पहले 3 रुपये और फिर 90 पैसे की बढ़ोतरी की गई।

नया बिजलीघर बनाना सरकार के वश में नहीं: अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भीषण गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में व्याप्त बिजली संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तंज कसते हुये कहा कि बिजली के नये संयंत्र लगाना सरकार के वश की बात नहीं है।

श्री यादव ने एक्स पर लिखा, बिजली के नये प्लांट लगाना तो आपके बस में था नहीं, न ही आपकी तंग सोच में। मुँह से ये कह ही देते '3×660 सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट' तो गर्मी में झुलसते प्रदेशवासियों को सुनकर ही थोड़ी राहत मिल जाती। उन्होने कहा , भाजपा के कुराज में उप्र में बिजली की सिर्फ़ 'माँग' बढ़ रही है या 'दाम' बढ़ रहे हैं, सप्लाई-आपूर्ति नहीं।

भाजपा राज, यूपी ख़स्ताहाल। उन्होंने अपने संदेश के साथ स्मार्ट नगर, लखनऊ, राजधानी, उत्तर प्रदेश शब्द भी जोड़े। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है और कई जिलों से बिजली कटौती की शिकायतें मिल रही हैं। विपक्ष लगातार बिजली संकट को लेकर सरकार को घेर रहा है।

एवरेस्ट फतह कर लौटते समय दो भारतीय पर्वतारोहियों की मौत, थकान बनी वजह

नई दिल्ली

नेपाल के काठमांडु से दुखद खबर सामने आ रही है, जहां दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने के बाद नीचे उतरते समय दो भारतीय पर्वतारोहियों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। तक भारतीय पर्वतारोहियों की पहचान अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे के रूप में हुई है। मौत की वजह थकान बताई जा रही है।

नेपाल के एक्सपीडिशन ऑपरेटर्स एसोसिएशन के महासचिव ऋषि भंडारी ने बताया कि भारतीय पर्वतारोही अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे चोटी से नीचे उतरते समय बहुत थक गए थे और उनके गाइडों की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

भंडारी ने बताया कि ऐसा लगता है कि अरे ने बुधवार को और तिवारी ने गुरुवार को शाम करीब 5.30 बजे चोटी फतह की थी। उन्होंने कहा कि गाइडों ने बहुत कड़ी मेहनत की लेकिन वे उन्हें बचा नहीं पाए। संदीप अरे की मौत गुरुवार को हुई, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अरुण कुमार तिवारी की मौत कब हुई।

बता दें कि बुधवार को संदीप और अरुण सहित तीन भारतीय उन 274 पर्वतारोहियों के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने 8,848.86 मीटर ऊंची चोटी फतह की। यह एक ही दिन में सबसे ज्यादा बार चोटी पर चढ़ने का एक नया रिकॉर्ड था। अन्य दो पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी और अजय पाल सिंह धालीवाल थे। अगले दिन, गुरुवार को, भारत की लक्ष्मीकांता मंडल भी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचीं।

तेजी से विकसित राज्य के रुप में पहचान बना रहा है उत्तर प्रदेश: योगी

देवरिया, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान एक जिला एक उत्पाद, सुशासन, कानून के राज और तेजी से विकसित हो रहे राज्य के रूप में बन रही है, जबकि पहले प्रदेश की पहचान गुंडाराज और माफियाराज से होती थी। श्री योगी शुक्रवार को देवरिया शहर से सटे पोखरभिंडा गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 655 करोड़ 45 लाख रुपये लागत की 19 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि देवरिया की जनता ने भाजपा को जिले की सातों विधानसभा सीटों पर विजय दिलाई थी और सरकार ने भी जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित विकास योजनाओं को स्वीकृति देकर विकास कार्यों को गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले समाजवादी पार्टी शासनकाल में प्रदेश की पहचान एक जिला, एक गुंडा और माफिया के रूप में होती थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश एक जिला, एक प्रोडक्ट, सुशासन और कानून व्यवस्था के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के एक वोट की ताकत से अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बना, जबकि मथुरा, काशी, विंध्यवासिनी धाम और वृंदावन जैसे धार्मिक स्थल अपनी सांस्कृतिक विरासत और पहचान के साथ विकसित हो रहे हैं।

श्री योगी ने कहा कि आज प्रदेश में महिलाएं, बेटियां और व्यापारी सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों के लिए अगले चौराहे पर यमराज इंतजार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद उत्तर प्रदेश की छवि में व्यापक बदलाव आया है। अपराध, भ्रष्टाचार और अराजकता से बाहर निकलकर प्रदेश ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे बेहतर एक्सप्रेस-वे नेटवर्क वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसी परियोजनाओं ने प्रदेश में कनेक्टिविटी को नई गति दी है। साथ ही कई नए हवाई अड्डों के संचालन से हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच में आई है।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर सीएम शुभेन्दु अधिकारी और बीएसएफ ने लिया बड़ा एक्शन, घुसपैठियों में मचा हड़कंप

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सिलीगुडी के फांसीदेवा इलाके में भारत बांग्लादेश सीमा पर आखिरकार वह काम शुरू हो गया है, जिसका इंतजार सीमा से सटे गांवों के लोग बरसों से कर रहे थे। सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने की प्रक्रिया अब आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है और इसके साथ ही उन लोगों के चेहरे पर राहत लौट आई है, जो वर्षों से घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराधों की दहशत में जीने को मजबूर थे। पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा सुरक्षा बल को सत्ताईस किलोमीटर जमीन सौंप दी है। इसमें 18 किलोमीटर हिस्सा सीधे सीमा पर बाड़ लगाने के लिए दिया गया है, जबकि नौ किलोमीटर जमीन सीमा चौकियां स्थापित करने के लिए तय की गई है। यह फैसला सीमा पर लंबे समय से पसरे भय और

अव्यवस्था पर करारा प्रहार माना जा रहा है।

फांसीदेवा से लेकर बसिरहाट तक सीमा से सटे गांवों में लोगों ने इस फैसले का खुलकर स्वागत किया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें पहली बार लग रहा है कि सरकार उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर हुई है। वर्षों तक इन इलाकों में रात होते ही डर का माहौल छा जाता था। सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियां, मवेशी चोरी, अवैध घुसपैठ और तस्करी ने लोगों का जीवन तबाह कर रखा था। किसान खेतों तक जाने में डरते थे, परिवार रात भर जागकर घरों की रखवाली करते थे और महिलाएं व बुजुर्ग हमेशा असुरक्षा के साये में जीते थे।

अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाड़ बनने के बाद वे निश्चिंत होकर खेती कर पा रहे हैं, पशुपालन कर रहे हैं और रात में चैन की नींद सो पा रहे हैं। सीमा के पास रहने वाले लोगों के लिए यह केवल तारबंदी नहीं, बल्कि सुरक्षा और सम्मान की नई दीवार बनकर उभर रही है। लोगों का साफ कहना है कि अगर यह कदम पहले उठा लिया गया होता, तो वर्षों तक उन्हें भय और नुकसान नहीं झेलना पड़ता। हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की भारत बांग्लादेश सीमा करीब दो हजार दो सौ सत्रह किलोमीटर लंबी है। चौंकाने वाली बात यह है कि अब भी लगभग पांच सौ उनहत्तर किलोमीटर सीमा बिना बाड़ के पड़ी हुई है। यही खुला हिस्सा लंबे समय से घुसपैठियों, तस्करों और अपराधी गिरोहों के लिए आसान रास्ता बना हुआ था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'पेड्डी' बन सकती है राम चरण के करियर की अब तक की सबसे शानदार नई पहचान

अपने करियर के ज़्यादातर हिस्से में राम चरण की स्टारडम उनकी भव्य और बड़े पैमाने की फिल्मों पर टिकी रही है। चिरूथा से लेकर मगधीरा की ऐतिहासिक सफलता तक, उन्हें हमेशा ऐसे स्टार के रूप में पेश किया गया जो बड़े कैनवास और ग्रैंड सिनेमा के लिए बने हैं। दमदार स्क्रीन प्रेजेंस, शानदार फिजिकलिटी और जबरदस्त मास अपील उनकी पहचान बन गई। राचा , नायक और एवडू जैसी फिल्मों ने उनकी इसी बड़े-हीरो वाली छवि को और मजबूत किया, जहां स्टाइल, स्वैग और बड़े-से-बड़ा हीरोइज़्म केंद्र में था।यहां तक कि जब राम चरण एक अभिनेता के तौर पर विकसित हुए, तब भी उनकी स्टार इमेज वैसी ही बनी रही। ध्रुवा में उन्होंने शहरी दर्शकों को आकर्षित किया। बू्रसली ~ द फाइटर में भी फोकस पूरी तरह स्टाइलिश हीरोइज़्म पर ही रहा। और फिर आरआरआर आरआरआर के जरिए उन्होंने अल्लूरी सीताराम राजू के किरदार में वैश्विक पहचान हासिल की। इस फिल्म ने उन्हें भारतीय सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय चेहरा बना दिया और उनकी लोकप्रियता स्थानीय सीमाओं से बहुत आगे निकल गई। शायद यही वजह है कि पेड्डी इतना दिलचस्प बदलाव महसूस होती है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही यह फिल्म, आरआरआर के बाद किसी और चमकदार पैन-इंडिया स्पेक्टेकल का रास्ता नहीं चुनती। इसके बजाय राम चरण एक बिल्कुल अलग दिशा में जाते दिख रहे हैं – ऐसी दुनिया की ओर जो मिट्टी, पसीने, मेहनत और ग्रामीण पहचान से बनी है। फिल्म के प्रमोशनल मटेरियल में यह बदलाव साफ दिखाई देता है।राम चरण की पिछली फिल्मों वाली संतुलित और सलीकेदार बॉडी लैंग्वेज यहां गायब है। उसकी जगह एक ऐसा आदमी नजर आता है जिसके लंबे बाल हैं, आंखों में थकान है, चेहरे और शरीर पर संघर्ष के निशान हैं, और जिसकी चाल-ढाल में बरसों की मेहनत और दर्द महसूस होता है। यह किरदार किसी मजदूर, पहलवान या गांव के खिलाड़ी जैसा लगता है। सुकुमार की 2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म राम चरण के करियर में बड़ा मोड़ साबित हुई थी, क्योंकि उसने स्टार और दर्शकों के बीच की दूरी को तोड़ दिया था। वहां वह परफेक्ट नहीं थे, बल्कि भावुक, आवेगी और बेहद मानवीय थे।

सैराब में लीड रोल में दिखेंगे मदिराक्षी मुंडले -रोहित चंदेल

स्टार प्लस के नए शो सैराब में लीड रोल में मदिराक्षी मुंडले और रोहित चंदेल की जोड़ी नजर आयेगी। पिछले एक हफ्ते से स्टार प्लस के बहुचर्चित आगामी शो सैराब के चेहरों को लेकर चल रही उत्सुकता, चर्चाओं और अनगिनत अटकलों के बाद अब आखिरकार इंतज़ार खत्म हो गया है। चैनल ने आधिकारिक तौर पर मदिराक्षी मुंडले और रोहित चंदेल को अपने नए रोमांटिक ड्रामा के लीड पेयर के रूप में अनाउंस कर दिया है, और फैंस उनकी ताज़ा ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए पहले से ही उत्साहित हैं। जब से पिछले हफ्ते सैराब का पहला टीज़र रिलीज़ हुआ है, तब से यह शो टेलीविज़न के सबसे चर्चित आगामी लॉन्च में से एक बन गया है। अपनी ग्रेसफुल स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली मदिराक्षी मुंडले शो में एक अहम भूमिका निभाती नज़र आएंगी, वहीं रोहित चंदेल एक करिश्माई सिंगिंग सेंसेशन और पॉप स्टार के किरदार में दिखाई देंगे, जिसकी ज़िंदगी शोहरत, जुनून और भावनात्मक उतार-चढ़ाव से भरी हुई है। हालांकि मेकर्स अभी भी कहानी से जुड़ी कई जानकारियों को राज़ बनाए हुए हैं, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि सैराब रोमांस, दिल टूटने और किस्मत की कहानी को दो अलग-अलग दुनियाओं से आए लोगों के सफर के ज़रिए पेश करेगा, जो खुद को एक गहरे रिश्ते में जुड़ा हुआ पाते हैं।यशो सैराब दो जून से हर शाम 7~30 बजे सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा। यह शो जियोहॉटस्टार पर देखा जा सकता है।

ऋचा और अली फज़ल दो जून को न्यूज़ीलैंड के पहले इंडियन फिल्म फेस्टिवल की करेंगे शुरुआत

बॉलीवुड स्टार ऋचा चड्ढा और अली फज़ल जल्द ही न्यूज़ीलैंड में बॉलीवुड का रंग बिखेरते नज़र आएंगे। दोनों दो जून 2026 को देश के पहले इंडियन फिल्म फेस्टिवल द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ न्यूज़ीलैंड के आधिकारिक लॉन्च में शामिल होंगे। यह अभिनेता-निर्माता जोड़ी इस लॉन्च इवेंट की मुख्य आकर्षण होगी। इस मौके पर उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स की खास स्क्रीनिंग भी रखी जाएगी। इस फिल्म को दुनियाभर के बड़े फिल्म फेस्टिवल्स जैसे सनडांस और इंडिपेंडेंट स्पिरिट अवॉर्ड्स में काफी सराहना मिल चुकी है। अक्टूबर 2026 में शुरू होने जा रहा द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ न्यूज़ीलैंड, न्यूज़ीलैंड का पहला समर्पित इंडियन फिल्म फेस्टिवल होगा। इसकी स्थापना पेट्रीना डी'रोजारियो ने की है। इस फेस्टिवल का उद्देश्य भारतीय सिनेमा का जश्न मनाने के साथ-साथ भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच रचनात्मक संबंधों को और मज़बूत बनाना है। इस लॉन्च इवेंट में सबसे ज़्यादा चर्चा ऋचा और अली की मौजूदगी को लेकर है, क्योंकि दोनों अपनी दमदार पहचान और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं। मेनस्ट्रीम फिल्मों के साथ-साथ अर्थपूर्ण और स्वतंत्र सिनेमा को समर्थन देने के लिए मशहूर यह जोड़ी, अभिनेता और निर्माता दोनों रूपों में हमेशा नए और वैश्विक कहानियों को आगे बढ़ाती रही है। इस लॉन्च का हिस्सा बनने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए ऋचा चड्ढा और अली फज़ल ने संयुक्त बयान में कहा, हम द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ न्यूज़ीलैंड के लॉन्च का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं। फिल्म फेस्टिवल्स अलग-अलग कहानियों और विचारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच तैयार करते हैं। भारतीय सिनेमा को न्यूज़ीलैंड में इतने व्यवस्थित और उत्सवपूर्ण तरीके से लाने का विचार बेहद खास और सही समय पर लिया गया कदम है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का प्रदर्शन, बाइक रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के आवाहन पर जिला नरसिंहपुर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रांतव्यापी आंदोलन किया गया। इस दौरान किसानों ने बाइक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ द्वारा सिंहपुर बाईपास चौराहे से विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए मुस्कान पार्क पहुंची और कलेक्ट्रेट में समाप्त हुई। रैली में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए और किसानों की समस्याओं को लेकर जमकर नारेबाजी की।ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने भले ही किसान वर्ष घोषित किया हो, लेकिन धरातल पर किसान परेशानियों से जूझ रहा है। नरसिंहपुर जिले में 8 से 10 हजार किसानों के गेहूं उपार्जन स्लॉट अब तक बुक नहीं हो पाए हैं। किसानों का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा खरीदी की तारीख बढ़ाने के बावजूद 12 मई से स्लॉट बुक नहीं हो रहे हैं। किसान रातभर जागकर स्लॉट बुकिंग का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही। किसान संघ ने आरोप लगाया कि उपार्जन से जुड़े अधिकारी स्वयं की आईडी से बड़े किसानों के स्लॉट बुक कर रहे हैं, जबकि छोटे किसानों को वेयरहाउस भरे होने का हवाला देकर परेशान किया जा रहा है। किसानों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में मूंग-उड़द की गिरदावरी कराने, किसानों की उपज की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित करने, गेहूं खरीदी केंद्रों का उच्च अधिकारियों से निरीक्षण कराने तथा तौल कांटों पर अतिरिक्त गेहूं तुलाई बंद कराने की मांग की गई। साथ ही अघोषित बिजली कटौती और लोड सेटिंग के नाम पर हो रही कटौती बंद करने की भी मांग उठाई गई।प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी ने कहा कि किसानों की आईडी में पूर्ण रकबा दर्ज नहीं होने के कारण खाद एवं उर्वरक मिलने में भारी परेशानी हो रही है। वहीं जिला अध्यक्ष संतोष राय ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष अब किसान परेशान वर्ष साबित हो रहा है। उन्होंने गन्ना मिलों द्वारा किसानों का लंबित भुगतान तत्काल कराने की मांग की।जिला मंत्री अभिषेक पटेल ने गेहूं खरीदी केंद्रों पर भारी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि सोसायटी का बारदाना व्यापारियों के यहां पहुंच रहा है और वहां से गेहूं पैक होकर सीधे वेयरहाउस में लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर नंबर बताने के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, राजेंद्र पटेल, दिनेश पटेल, संजय पाठक, चंद्रभान सिंह पटेल, जिला सदस्य विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह, तहसील अध्यक्ष नरसिंहपुर, तहसील मंत्री ओम चौकसे, ऐश्वर्य पटेल, गोटेगांव अध्यक्ष भावसिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष दिनेश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पंच कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण के आयोजन से माहौल हुआ धर्ममय

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

समीपी ग्राम कामती के यज्ञ शाला प्रांगण में 5 कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण का आयोजन कार्यक्रम के ?प्रेरणास्रोत अवधूत महायोगी श्री दादा गुरु भगवान की प्रेरणा से सफलतापूर्वक जारी है। पुरुषोतम माह के पावन अवसर पर 25 मई तक हो रहे इस आयोजन से समूचा माहौल धर्ममय हो गया है। यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे एवं रात 8 से 11 बजे तक संतो के प्रवचन को सुनने क्षेत्रवासी ग्राम कामती पहूँच रहे है। विदित हो कि अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान के प्रवचन 23 मई से 24 मई तक कथास्थल पर होंगे। यहाँ उल्लेखनीय है कि कथास्थल पर कथावाचक साध्वी सत्यप्रिया गिरी जी (श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर काशी पीठ) ने प्रवचन में कहा कि हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त थे। लंका युद्ध के समय हनुमान जी लक्ष्मण के प्राण बचाने संजीवनी बूटी के साथ पूरा पहाड़ उठाकर ले आये थे। वृंदावन धाम से आई ?साध्वी सुश्री प्रभा भारती ने माँ नर्मदा जी की महिमा बताते हुए कहा कि नर्मदा जी के दर्शन मात्र से ही सभी संकट दूर होते है। नर्मदा घाटों पर हमें दान पुण्य अवश्य करना चाहिये। प्रवचन कार्यक्रम में रविकांत शास्त्री ने कहा कि हमें अच्छी संगत वाले लोगों के साथ रहना चाहिए क्योंकि कुसंगति बर्बादी की ओर ले जाती है। उल्लेखनीय है कि आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर पुलिस विभाग के कर्मचारी ड्यूटी कर रहे है। आयोजन समिति के सदस्य पूर्ण मनोयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए है

एनटीपीसी विंध्याचल को लगातार चौथे वर्ष मिला अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार 2026

सिंगरौली

एनटीपीसी विंध्याचल को लगातार चौथे वर्ष प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार 2026 के मेरिट कैटेगरी सम्मान से नवाज़ा गया है। यह उपलब्धि परिचालन उत्कृष्टता तथा विश्वस्तरीय सुरक्षा मानकों की दिशा में स्टेशन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मान कार्यस्थल सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय स्थिरता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने हेतु एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना करता है। यह पुरस्कार कर्मचारियों, विक्रेताओं, ठेकेदारों एवं सहयोगियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिन्होंने सक्रिय पहलों, सुरक्षा नियमों के कड़ाई से पालन तथा निरंतर सुधार की कार्यसंस्कृति के माध्यम से मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा दिया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ एनटीपीसी विंध्याचल ने विद्युत क्षेत्र में एक आदर्श मानक के रूप में अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ की है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब स्टेशन को यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार सयुंक्त रूप से श्री आशीष अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक(सुरक्षा) एवं श्री अशोक कुमार यादव, उप महाप्रबंधक(टीएमडी) ने एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से प्राप्त किया। यह सम्मान न केवल स्टेशन के लिए वैश्विक गौरव लेकर आया है, बल्कि सुरक्षित, स्वस्थ एवं सतत भविष्य के निर्माण के प्रति एनटीपीसी विंध्याचल की प्रतिबद्धता को भी पुनः स्थापित करता है।

राष्ट्रीय महिला जागृति मंच ने स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

होटल अमर पैलेस में राष्ट्रीय महिला जागृति मंच की नरसिंहपुर इकाई ने संगठन का स्थापना दिवस मनाया। सन् 2018 में फरिदाबाद की अंबिका वशिष्ठ ने मानवता के हितार्थ एव महिला सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय महिला जागृति मंच की नींव रखी। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों जागृति मंच की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक पांडे ,जिला अध्यक्ष श ज्योति तिवारी , संरक्षक सरला पांडे , उर्मिला भाटली एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष पूर्णिमा शुक्ला के द्वारा मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिला सचिव नंदिता चौबे द्वारा राष्ट्रीय जागृति मंच के उद्देश्यों एवं वार्षिक कार्यों का उल्लेख किया गया। सह सचिव मंजू दुबे द्वारा मंच संचालन सहयोग किया गया। कार्यक्रम में मनोरंजक गेम एवं प्रश्न उत्तर राउंड, सांस्कृतिक गतिविधियों में सभी ने भरपूर आनन्द लिया। साथ ही खुला मंच रखा गया जिसके माध्यम से उपस्थित बहनों ने सलाह, सुझाव दिए।गेमस् के प्राइस प्रदेश अध्यक्ष अरुणा दुबे जी एवं जिलाध्यक्ष ज्योति तिवारी जी की ओर से रखे गए। गेम में प्रथम आशा भाटली एवं स्मिता श्रीवास,द्वितीय श्रेया पांडे एवं नीरा बुधौलिया एवं तृतीय पुरस्कार विजेता प्रियंका गोस्वामी एवं श्रीमती सपना शर्मा रहीं । उपस्थिति सभी बहनों को सरप्राइज गिफ्ट बांटे गए। कार्यक्रम में उपस्थिति देने वाली बहनों में उपाध्यक्ष मंजू लता पांडे, नीरा बुधौलिया, सपना शर्मा, कोषाध्यक्ष शालू शर्मा, सह सचिव श्रीमती संचित दुबे ,कविता दुबे ,भारती रघुवंशी श्रेया पांडे ,रेनू नोरिया ,प्रियंका पाठक ,प्रियंका गोस्वामी ,सविता महोबिया, प्रीति गोस्वामी, श्रुति भाटली ,आशा भाटली एवं स्मिता श्रीवास बहनों की उपस्थिति रही।

एनसीएल ने खदानों में विद्युत सुरक्षा विषय पर छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

सिंगरौली

स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने ई एंड एम संवर्ग के अधिकारियों, विद्युत पर्यवेक्षकों एवं इलेक्ट्रिशियनों के लिए च्खदानों में विद्युत सुरक्षाज्ज विषय पर छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण के केंद्रीय उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (सीईटीआई), सिंगरौली में 11 मई 2026 से 16 मई 2026 तक आयोजित किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट फॉर माइनर्स एंड मेटलवर्कर्स एजुकेशन (आईएमएमई), कोलकाता के बिभास कुमार मुखर्जी एवं एन. अंसारी ने उपस्थित प्रतिभागियों को विद्युत मशीनरियों के संचालन, अनुरक्षण एवं प्री-कमीशनिंग परीक्षण, इलेक्ट्रिकल ड्राइव एवं कंट्रोल, स्विचगियर एवं प्रोटेक्टिव डिवाइसेज, अर्थिंग सिस्टम, न्यूट्रल सिस्टम ऑफ पावर सप्लाई, सब-स्टेशन की डिजाइन एवं लेआउट, सब-स्टेशन, स्विचयार्ड एवं स्विचबोर्ड में सुरक्षा, ओवरहेड लाइनों का संचालन एवं अनुरक्षण, खदान में प्रयुक्त विद्युत उपकरण एवं मशीनरियों की सुरक्षा, सामान्य सुरक्षा उपाय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण विनियम-2023, समय-समय पर संशोधित अधिनियम/नियम तथा ऑन-साइट इमरजेंसी मैनेजमेंट प्लान सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों से 38 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा समय-समय पर कर्मियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने एवं कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने हेतु ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है।

जनसुनवाई में आम जनों की समस्याओं से रूबरू होकर करते हैं स्थायी समाधान

जनसुनवाई में आम जनों की समस्याओं से रूबरू होकर करते हैं स्थायी समाधान

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 312 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं। जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 312 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा को लेकर दिगंबर जैन महासभा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश में पद विहार कर रहे जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा को लेकर दिगंबर जैन महासभा जिला नरसिंहपुर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को भी प्रेषित की गई है।महासभा द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि 20 मई 2026 को रीवा में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से संबंधित शिष्याएं आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी एवं 105 आदर्शश्री माताजी पद विहार के दौरान सड़क हादसे का शिकार हो गईं, जिसमें दोनों आर्यिकाओं का असामयिक निधन हो गया। इस दुखद घटना से जैन समाज में गहरा आक्रोश एवं शोक व्याप्त है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई। दिगंबर जैन महासभा ने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने तथा कठोर सजा दिलाने की मांग की है। महासभा ने कहा कि जैन साधु-साध्वियां पूर्णतः अहिंसक जीवन जीते हैं और पद विहार के माध्यम से समाज को संयम एवं सदाचार का संदेश देते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि प्रदेश में पद विहार कर रहे संतों की सुरक्षा हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। इस दौरान दिगंबर जैन महासभा जिला नरसिंहपुर के पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

भारतनेट के माध्यम से ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति ला रहा है बीएसएनएल

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। बीएसएनएल भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों में से एक है, जो मोबाइल, ब्रॉडबैंड, एफटीटीएच , एंटरप्राइज एवं डिजिटल कनेक्टिविटी सेवाएँ प्रदान करती है। इस सम्बन्ध में मिथिलेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, मध्यप्रदेश परिमंडल ने बताया कि भारतनेट उद्यमी ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी की रीढ़ साबित होंगे। इस पहल के माध्यम से बीएसएनएल न केवल इंटरनेट सेवाओं का विस्तार कर रहा है, बल्कि स्थानीय उद्यमिता एवं रोजगार को भी बढ़ावा दे रहा है। आगे उन्होंने बताया कि बीएसएनएल वर्तमान में 16 राज्यों में भारतनेट परियोजना का संचालन एवं रखरखाव कर रहा है। अब तक लगभग 6.94 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई जा चुकी है तथा 2.18 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जा चुका है। ग्रामीण भारत में 13 लाख से अधिक एफटीटीएच कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। बीएसएनएल द्वारा भारतनेट उद्यमी मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में 7,700 से अधिक भारतनेट उद्यमी बीएसएनएल के साथ कार्य कर रहे हैं, जो ग्रामीण युवाओं एवं उद्यमियों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। सहायक महाप्रबंधक बीएसएनएल नरसिंहपुर विश्वजीत बसक के अनुसार बीएसएनएल लगातार ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने के लिए कार्यरत है। इस सिलसिले में बीएसएनएल ने भारतनेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी को सुलभ बनाने के लिए स्थानीय उद्यमियों, केबल ऑपरेटरों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूह, तकनीकी रूप से सक्षम युवा, ग्राम पंचायत अथवा फर्म बहुत कम निवेश पर ऑनलाइन माध्यम से भारतनेट उद्यमी बना रहा है ।बीएसएनएल द्वारा भारतनेट उद्यमियों को तकनीकी प्रशिक्षण, राजस्व साझेदारी मॉडल एवं विभिन्न प्रोत्साहन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सहायक महाप्रबंधक बीएसएनएल नरसिंहपुर के द्वारा यह भी बताया गया कि उद्यमी योजना का उद्देश्य देश के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक उच्च गति ब्रॉडबैंड सेवाएं पहुँचाकर डिजिटल इंडिया मिशन को मजबूत करना है। इस पहल के माध्यम से बीएसएनएल स्थानीय साझेदारों के सहयोग से स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत कार्यालयों, कृषि संस्थानों तथा अन्य सरकारी संस्थाओं को भी हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ा जा रहा है।

गाडरवारा में सटोरियों के विरुद्ध पुलिस की कार्यवाही

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक महोदय नरसिंहपुर द्वारा अवैध व्यवसायों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत दिनांक 20.05.2026 को गाडरवारा पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र में सट्टा खिलाने संबंधी सूचना होने पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गाडरवारा के निर्देशन में थाना गाडरवारा के उनि गजराज सिंह कार्यालयीन स्टाफ प्र. आर. 475 ठाकुरेन्द्र पवार, आर. 669 अभिषेक पटेल, आर. 527 हेमंत मेहरा, प्र. आर. चालक 233 विक्रम, सैनिक 200 मेहरवान की टीम को रवाना किया गया जो टीम व्दारा पटना स्थल पर पहुंच कर अवैध सट्टा पट्टी लिखने पाये जाने पर आरोपीगणों को पकड़ा गया आरोपीगण –

1. चंटू छीपा पिता स्व. फूल सिंह छीपा उम्र 53 वर्ष रियासी नरसिंह वार्ड गाडरवारा
2. फूलचंद श्रीवास पिता ओकार श्रीवास उम्र 46 वर्ष नि. राजेन्द्र बाबू बाई गाडरवारा
3. नदीम खान पिता नसीर खान उम्र 40 वर्ष नि. जवाहर वार्ड गाडरवारा
4. अशोक कुमार पिता फूलचंद कोरी उम्र 60 वर्ष नि. बीजासेन वार्ड गाडरवारा
5. रवि शर्मा पिता रामलाल शर्मा उम्र 32 वर्ष नि. जगदीश वार्ड गाडरवारा
6. विक्की गुप्ता पिता श्यामलाल गुम्रा उम्र 42 वर्ष नि. हनुमान वार्ड गाडरवारा

जप्ति – आरोपीगणों के कुल 20940 रुपये जप्हुत ये।

वैधानिक कार्यवाही – सभी छह आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किये गये।

एसपी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जनरल परेड में पुलिस अनुशासन

फिटनेस एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस बल की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, अनुशासित एवं प्रभावशाली बनाने, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की फिटनेस तथा मनोबल को बढ़ाने एवं आगामी कानून व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 22 मई को रक्षित केन्द्र कटनी में जनरल परेड एवं शस्त्र संचालन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में किया गया।

जनरल परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया की उपस्थिति में जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारी, शहरी थाना प्रभारी, सूबेदार सहित विभिन्न थानों, यातायात शाखा एवं रक्षित केन्द्र के लगभग 105 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेशभूषा, अनुशासन, कदमताल एवं स्कॉट ड्रिल का अवलोकन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित थाना प्रभारियों द्वारा स्कॉट ड्रिल एवं कदमताल का अभ्यास किया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया, वहीं कमियों वाले कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया। परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 30 सेकंड के भीतर शस्त्र खोलने एवं पुनः असेंबल करने का टॉस्क दिया गया तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने वाले कर्मचारियों हेतु 5000 नगद पुरस्कार की घोषणा की गई। टॉस्क के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने स्वयं 9 एमएम पिस्टल को मात्र 23 सेकंड में खोलकर विधिवत असेंबल कर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित किया, जिससे सभी में उत्साह एवं उत्सुकता का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान जिले में उपलब्ध समस्त पुलिस वाहनों के रख-रखाव, उपयोगिता एवं वर्तमान स्थिति का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों से वाहनों की कार्यक्षमता एवं उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्राप्त कर उनके नियमित रखरखाव एवं बेहतर उपयोग हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मार्च पास्ट उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस दरबार का आयोजन भी किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आर्थिक, पारिवारिक, स्वास्थ्य, वेतन, अवकाश, मेडिकल बिल एवं विभागीय कार्यों से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

फोटो : विकास गुप्ता

विधायक संजय पाठक ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से की भेंट

विजयराघवगढ़ विधानसभा की विकास योजनाओं के सम्बन्ध में की चर्चा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने कल देर शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट कर विजयराघवगढ़ विधानसभा के किसानों 50 हजार एकड़ भूमि सिंचित करने वाली 566 करोड़ की लागत से प्रारंभ होने वाली बरही सूक्ष्म उद्यम सिंचाई योजना को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान होने पर आभार धन्यवाद ज्ञापित किया, इसके साथ ही उन्होंने बरही मैहर मार्ग पर 93 करोड़ की लागत से पुनः निर्मित होने वाले कुटेश्वर पुल के कार्य को विभागीय स्तर पर तेजी लाने, बरही नगर के बायपास निर्माण के लिए भू-अर्जन कार्य में तेजी लाने के लिए निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

इस दौरान उन्होंने विधानसभा के खितौली, जगुआ, पत्थरहटा, सिजहनी, देवसरी इंदौर, घुनसुर, जलाशयों का जीर्णोद्धार एवं नहरों की लाइनिंग की स्वीकृति के काम को जल्द से जल्द कराने के निर्देश देने का भी आग्रह किया। बडवारा जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत परसवारा के समीप महानदी और उमराड नदी के संगम से लिफ्ट सिंचाई परियोजना बना कर विधानसभा के बाकि बचे हिस्से के गांवों खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर जल्द से जल्द बनाकर भेजने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश देने का भी आग्रह किया।

फोटो : विकास गुप्ता

जैन समाज ने निकाला मौन जुलूस

कटनी (स्वतंत्रमत)।

गत दिवस रीवा में परम पूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज एवं नवाचार्य समय सागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या वंदनीय, आर्यिका श्रुतमति माता एवं वंदनीय अर्यिका उपशमति का सड़क हादसे के कारण असमय समाधिमरण हो गया उपरोक्त घटना से सम्पूर्ण जैन जगत में शोक की लहर छा गई इस आकस्मिक घटना पर श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़े मंदिर जी में परम पूज्य 105 गुरूमति माता जी एवं प.पू. १05 दृढ़मति माता एवं आर्यिका संघ के सानिध्य में विनयांजली सभा हुई जिसमें समाजसेवी पंचायत अध्यक्ष संजय जैन, तीर्थक्षेत्र कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स.सि. सुधीर कुमार जैन, पूर्व निर्वितमान एस.डी.एम. विनय जैन, कैलाशचंद सोगानी ने अपने-अपने विचार व्यक्त करने के पश्चात् आर्यिका संघ एवं उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं द्वारा समाधिस्थ आर्यिका द्वय विनयाजंली अर्पित करने के पश्चात् जैन समाज का मौन जुलूस महावीर चौक से प्रारंभ होकर रूई मण्डी, कपड़ा बाजार, सुभाष चौक साधूराम स्कूल के सामने से होते हुये कोतवाली पहुंचा जहां एडिशनल एस.पी. संतोष डेहरिया, तहसीलदार साक्षी मैडम को साधु-साध्वियों की सुरक्षा हेतु ज्ञापन सौपा गया।

मौन जूलूस में पंचायत अध्यक्ष संजय जैन, मंत्री विन्नी जैन, सेवानिवृत्त विनय जैन, स.सि. सुधीर कुमार जैन, अरविन्द्र जैन, प्रकाश जैन-आप, संदीप पटोरिया, स.सि. अनिल जैन, डॉ. अखिलेश जैन, चक्रेश जैन, जितेन्द्र जैन, पं. विकास शास्त्री, रमेशचंद, मोने जैन बर्तन, अंशु जैन, मोनू जैन, विनोद जैन, संजय जैन दवाई, राजेन्द्र जैन, वीरेन्द्र जैन, सुनील जैन, पताली जैन, राजू जैन-हल्दी, अनिल जैन अरिहंत के साथ बड़ी संख्या मे धर्मानुरागी बन्धु एवं माताऐं बहने शामिल रही।

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस एवं मिशन लाइफ का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन 22 मई को प्राणीशास्त्र विभाग, मिशन लाइफ एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना रहा, जो कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क के 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्थानीय प्रयासों के महत्व पर जोर देता है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। प्रभारी प्राचार्य डॉ. विमला मिंज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैव विविधता संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज परिसर में पौधरोपण, जल संरक्षण, वेस्ट मैनेजमेंट और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि छोटे-छोटे बदलाव भी बड़े वैश्विक परिणाम ला सकते हैं।

डॉ. रोशनी पाण्डेय ने जैव विविधता के अंतर्गत आने वाली संकटापन्न जंतु प्रजातियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वन्यजीवों के विलुप्त होने के कारणों, जैसे आवास ह्रास, अवैध शिकार और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि हर जीव पर्यावरण की संतुलित व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि एक प्रजाति भी विलुप्त होती है तो समूचे पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। डॉ. रीना मिश्रा ने वनस्पतियों एवं पेड़-पौधों के महत्व पर छात्राओं के साथ सार्थक चर्चा की।

उन्होंने बताया कि पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जलवायु नियंत्रण और जीव-जंतुओं के आवास के रूप में भी कार्य करते हैं। उन्होंने स्थानीय स्तर पर पौधों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए। डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने लाइफ मिशन के अंतर्गत इको क्लब की जानकारी प्रदान की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता और छात्रों की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम की सबसे आकर्षक कड़ी छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर प्रदर्शनी और स्लोगन प्रतियोगिता रही। छात्राओं ने रंग-बिरंगे पोस्टर्स के माध्यम से जैव विविधता के महत्व, वन्यजीव संरक्षण, वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। स्लोगन जैसे स्थानीय सोच, वैश्विक पहुंच, जैव विविधता बचाओ, जीवन बचाओ और एक पेड़ लगाओ, भविष्य बचाओ ने पूरे सभागार में सकारात्मक ऊर्जा भर दी। मंच संचालन डॉ. संजयकांत भारद्वाज ने कुशलतापूर्वक किया जबकि आभार डॉ. रीना मिश्रा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. शिल्पी कुमारी सिंह, पंकज सेन, डॉ. अशुतोष द्विवेदी, डॉ. अशोक शर्मा, भीम बर्मन, प्रेलाल कॉवरे, स्मृति दहायत, आरती वर्मा, मीनाक्षी वर्मा, डॉ. सोनिया कश्यप, सुषमा वर्मा, श्वेता कोरी, डॉ. अपर्णा मिश्रा, प्रियंका सोनी, पूनम गर्ग, डॉ. रंजना वर्मा सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

फोटो : विकास गुप्ता

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर वार्ड कांग्रेस कमेटियों का हुआ गठन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर डॉ. राम मनोहर लोहिया वार्ड में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों एवं वार्डवासियों ने स्व. राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव को मजबूत करने, सूचना प्रौद्योगिकी और पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई तथा देश को नई दिशा प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. राम मनोहर लोहिया वार्ड में वार्ड कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से शुभम सोनखरे को वार्ड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उपस्थित जनों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। इसके पश्चात मसूरहा वार्ड में आयोजित बैठक में वार्ड कांग्रेस कमेटी का गठन कर विनोद सोनी को सर्वसम्मति से वार्ड अध्यक्ष बनाया गया। वहीं ईश्वरीपुरा वार्ड में भी वार्ड कांग्रेस कमेटी का गठन कर संगठन विस्तार एवं जनसंपर्क को और मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। वार्ड स्तर पर संगठन को सशक्त बनाकर जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्व. राजीव गांधी के विचार, दूरदृष्टि और विकास की सोच आज भी देश के युवाओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। संगठन के विस्तार के माध्यम से पार्टी की जनहितैषी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। जिला प्रभारी मनु मिश्रा ने कहा कि मजबूत संगठन ही कांग्रेस की पहचान और ताकत है। वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, जिला प्रभारी मनु मिश्रा, विधानसभा प्रभारी राजेश चौबे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, संगठन महासचिव प्रेम बत्रा, प्रियदर्शन गौर, राकेश जैन कक्का, करण सिंह चौहान, जालिम यादव, अंशु मिश्रा, मंगल सिंह, मुकेश परोहा, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, कमल पांडे, आनंद पटेल, आफताब अहमद, चोखे भाईजान, रंजीत सिंह, मोसुफ अहमद बिट्टू, सौम्या राधेलिया, मीनाक्षी वाल्वी, रश्मि अग्रवाल, माया चौधरी, विनीत जायसवाल, राहुल होतवानी, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, अहमद कुरैशी, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, अभय खरे, अजय खटीक, शशांक गुप्ता, नरेंद्र राय, हाजी अब्दुल कादिर मुन्ना भाईजान, जार्ज डेविड, रॉबिन पीटर, वार्ड अध्यक्ष शुभम सोनखरे, विनोद सोनी, राजकुमार विश्वकर्मा हर्षित मिश्रा, इकलाख अहमद, दिलदार खान, इमरान खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

उर्स मेले की तैयारियों में जुटा नगर, श्याह पोस बाबा की चौखट पर पहुंचीं राजेश्वरी हरीश दुबे

बंजारी उर्स मेला बना कौमी एकता, श्रद्धा और भाईचारे की मिसाल

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ बंजारी की पावन धरती एक बार फिर आस्था, मोहब्बत और भाईचारे के रंग में रंगने जा रही है। 23 एवं 24 मई को ख्वाजा श्याह पोस बाबा की दरगाह पर लगने वाला ऐतिहासिक उर्स मेला इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा भाव और उल्लास के साथ आयोजित होगा। दूर-दूर से आने वाले जायरीन बाबा की चौखट पर हाजिरी लगाकर अमन सुख और बरकत की दुआ मांगेंगे। उर्स मेले की तैयारियों का जायजा लेने नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे स्वयं दरगाह पहुंचीं जहां उन्होंने मेला कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई पेयजल प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

राजेश्वरी हरीश दुबे ने कहा कि बंजारी का उर्स मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि कौमी एकता और सामाजिक सद्भाव की जीवंत पहचान है। यहां हर धर्म और समाज के लोग एक साथ पहुंचकर बाबा की दरगाह पर माथा टेकते हैं। यही भाईचारा इस क्षेत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस गरिमामय आयोजन में क्षेत्रीय विधायक संजय सत्येंद्र पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे इसलिए नगर परिषद का दायित्व और भी बढ़ जाता है कि आयोजन की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। नगर परिषद पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कार्य कर रही है। उर्स मेले को लेकर क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है। दरगाह परिसर में तैयारियां तेज हो चुकी हैं और श्रद्धालुओं के चेहरों पर बाबा की जियारत की खुशी साफ दिखाई दे रही है। बंजारी की फिज़ाओं में एक बार फिर सूफियाना रंग इंसानियत का संदेश और आपसी प्रेम की खुशबू घुलने लगी है।

फोटो : विकास गुप्ता

भाजपा राजनीतिक संगठन नहीं, राष्ट्रसेवा का माध्यम

कटनी (स्वतंत्रमत)। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीराम पटेल के कटनी आगमन पर भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक का आयोजन पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीराम पटेल का स्वागत किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता, पिछड़ा वर्ग समाज के बीच जनसंपर्क अभियान, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को गांव-गांव एवं घर-घर तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करे। विश्वकर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर जनसंपर्क को संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उनके संबोधन के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने संगठन हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीराम पटेल ने जिला अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के नेतृत्व की सराहना की। इस अवसर पर राकेश यादव, उपाध्यक्ष देवेंद्र सोनी, उपाध्यक्ष प्रदीप साहू, उपाध्यक्ष प्रशांत मालवी, जिला मंत्री सुनील विश्वकर्मा, कार्यालय मंत्री अमित साहू, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल सराफ, मीडिया प्रभारी मुन्नालाल यादव, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष देवराज विश्वकर्मा, अभय विश्वकर्मा, रामचंद चौधरी, गोरखनाथ पटेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्रमांक / 14 / वाहन विभाग / 2026-27 कटनी, दिनांक 11-5-26

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ट्रेव्हल्स ऐंजेंट / गाड़ी मालिकों से ऑन-लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत, शर्ते आदि वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम अंतिम तिथि
1	2026_ UAD_508324_1	2 नग इनोवा क्रिस्टा या समकक्ष वाहन	1. 1 वर्ष के लिये	1. रु. 2000 2. रु. 10,080	17/6/2026
2	2026_ UAD_508324_2	8 नग महिन्द्रा बोलेरो वाहन	1. 1 वर्ष के लिये	1. रु. 5000 2. रु. 20,000	17/6/2026
3	2026_ UAD_508324_3	1 नग आर्टिका या समकक्ष वाहन	1. 1 वर्ष के लिये	1. रु. 2000 2. रु. 4000	17/6/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑन-लाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेंगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
वास्ते-आयुक्त
नगर पालिक निगम कटनी

एशिया के मैदान पर चमकेगी मध्यप्रदेश की बेटियों की प्रतिभा

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की 4 खिलाड़ी भारतीय महिला अंडर-18 टीम में हुई शामिल

भोपाल

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल की प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों ने एक बार फिर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। जापान में आयोजित होने वाले महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम में अकादमी की 4 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए देश एवं मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी। प्रतियोगिता का आयोजन जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से 06 जून 2026 तक किया जाएगा।

भारतीय महिला अंडर-18 हॉकी टीम में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल की गोलकीपर महक परिहार, मिडफील्डर स्नेहा दावड़े एवं नम्मी गीताश्री, तथा फॉरवर्ड खिलाड़ी नौशीन नाज़ को शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत का परिणाम है। चार खिलाड़ियों का एक साथ भारतीय टीम में चयन मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था एवं महिला हॉकी विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

पूल-ए में भारत की मजबूत चुनौती- प्रतियोगिता में भारतीय टीम पूल-ए में शामिल है, जहां उसका मुकाबला कोरिया, मलेशिया एवं सिंगापुर जैसी मजबूत टीमों से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के विरुद्ध करेगी। इसके बाद 31 मई को कोरिया तथा 2 जून को सिंगापुर के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। भारतीय महिला अंडर-18 टीम ने प्रतियोगिता पूर्व अपना प्रशिक्षण शिविर भोपाल के राष्ट्रीय कैंप में पूर्ण किया, जहां खिलाड़ियों ने तकनीकी कौशल, सामरिक रणनीति, मैच फिटनेस एवं टीम समन्वय पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी तैयारी क्रम में भारतीय टीम ने भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध चार मैचों की श्रृंखला भी खेली, जिसमें टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आत्मविश्वासपूर्ण जीत दर्ज की। यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण साबित हुई।

जापान में होगा एशिया का बड़ा मुकाबला- महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 का आयोजन 29 मई से 6 जून 2026 तक काकामिगाहारा, जापान में किया जाएगा। भारतीय टीम को पूल-ए में कोरिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के विरुद्ध करेगी। इसके बाद 31 मई को कोरिया तथा 2 जून को सिंगापुर के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल 5 जून एवं फाइनल मुकाबला 6 जून को होगा।

बेटियों का भारतीय टीम में चयन प्रदेश के लिए गौरव- खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारतीय महिला अंडर-18 टीम एवं चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, मध्यप्रदेश की बेटियों का भारतीय टीम में चयन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। खिलाड़ियों ने अपने समर्पण, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर यह उपलब्धि अर्जित की है। हमें विश्वास है कि भारतीय टीम एशिया कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित करेगी। मध्यप्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर अवसर एवं विश्वस्तरीय खेल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर लगाया गंभीर आरोप

मुम्बई। पूर्व स्पिनर एल. शिवरामकृष्णन ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। शिवरामकृष्णन ने कहा है कि कुछ साल पहले अपने बड़े भाई के अंतिम संस्कार लिए वह घर लौटे थे पर कुछ ही समय के बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि तब उनके पास बीसीसीआई के एक अधिकारी का फोन आया। अधिकारी ने उनसे पूछा, अब जब अंतिम संस्कार हो गया है तो क्या आप अगली उड़ान से मोहाली में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच की कमेंट्री करने आ सकते हैं? शिवरामकृष्णन ने कहा कि इस कठिन समय में भी उन्होंने अपनरे काम को महत्व दिया और वह मैच के लिए वापस लौटे।

इस खिलाड़ी ने कहा कि इसके बाद भी उनको पर्याप्त सम्मान नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने एक और दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि पुणे में जब वह कमेंट्री कर रहे थे तो उनकी माँ का निधन हो गया था। इसके बाद भी वह काम पूरा होने पर ही घर गये थे। शिवरामकृष्णन का कहना है कि इन बलिदानों और समर्पण भाव के बाद भी उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और कभी भी पर्याप्त अवसर नहीं दिए गए।

इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप के लिए टीम की घोषित

लंदन

इंग्लैंड ने हैरी केन की अगुवाई में फुटबॉल महाकुंभ फीफा विश्वकप 2026 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है।इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी केन ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर हैं।बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर इस सीज़न में क्लब और देश के लिए शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने 53 मैचों में 60 गोल किए हैं।वहीं रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम केन के पीछे लाइन अप करेंगे।22 साल के सुपरस्टार ने यूरो 2024 के फाइनल में इंग्लैंड के पहुंचने में बड़ा असर डाला था, जिसमें वे स्पेन से हार गए थे।डेक्लान राइस थ्री लायंस के एक और अहम मिडफील्डर हैं। अनुभवी जॉर्डन पिकफोर्ड नॉर्थ अमेरिका में लाइन अप करने पर इंग्लैंड के किसी गोलकीपर द्वारा सबसे ज़्यादा टूर्नामेंट में खेलने का अपना रिकॉर्ड और बढ़ाएंगे। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए इंग्लैंड की पूरी टीम इस प्रकार गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड (एवर्टन), डीन हेंडरसन (क्रिस्टल पैलेस), जेम्स ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर सिटी)डिफेंडर- रीस जेम्स (चेल्सी), टीनो लिवरामेंटो (न्यूकैसल), मार्क गुएही (मैनचेस्टर सिटी), एज़्री कोंसा (एस्टन विला), जॉन स्टोन्स (मैनचेस्टर सिटी), जेरेल क्वांसाह (बायर लेवरकुसेन), निको ओ रेली (मैनचेस्टर सिटी), डैन बर्न (न्यूकैसल), जेड स्पेंस (टोटेनहम हॉटस्पर)मिडफील्डर डेक्लान राइस (आर्सेनल), इलियट एंडरसन (नॉटिंघम फॉरेस्ट), जूड बेलिंगहम (रियल मैड्रिड), जॉर्डन हेंडरसन (ब्रेंटफोर्ड), मॉर्गन रोजर्स (एस्टन विला), कोबी मैनू (मैनचेस्टर यूनाइटेड), एबेरेची एज़े (आर्सेनल)फॉरवर्ड हैरी केन (बायर्न म्यूनिख), इवान टोनी (अल-अहली) रहे।

विंबलडन में नजर नहीं आयेंगे अल्काराज़, प्रशंसक निराश हुए

पेरिस

यहां अगले माह 29 जून से शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज़ खेलते हुए नहीं दिखेंगे। अल्काराज़ ने कलाई की गंभीर चोट के कारण इस वर्ष के विंबलडन और क्वींस क्लब टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा का माहौल है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल्काराज़ जैसे स्टार खिलाड़ी के नहीं होने से टूर्नामेंट का आकर्षण घटेगा। कार्लोस अल्काराज़ को इस समय टेनिस के सबसे आक्रामक और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है पर उनकी यह चोट इस पूरे सीजन की तस्वीर को बदलने

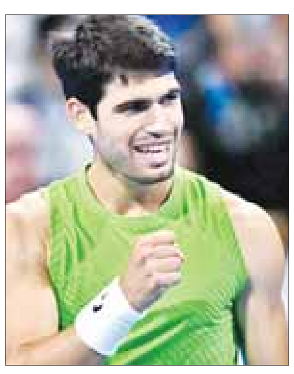

वाली साबित हुई है। इसी कारण उन्हें आधिकारिक तौर पर घोषणा करना पड़ी है कि वह आगामी विंबलडन में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ज्ञात हो कि उन्हें पिछले महीने बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में चोट लगी थी, जिसके बाद से वे कोर्ट से बाहर हैं। यह चोट अल्काराज़ को बार्सिलोना ओपन के शुरुआती मुकाबले में महसूस हुई थी। दर्द बढ़ने के कारण उन्हें दूसरे दौर का मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। इस घटना के बाद, उन्होंने पूरे क्ले कोर्ट सत्र से भी दूरी बना ली थी, जिसमें ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन भी शामिल था। उनकी अनुपस्थिति ने कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं को प्रभावित किया है।इस खिलाड़ी ने एक बयान में कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी चल रही है और वे अब पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं, लेकिन अभी तक प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। इसी वजह से उन्होंने क्वींस क्लब और विंबलडन से हटने का यह मुश्किल फैसला लिया है।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटरनिटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए आयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का

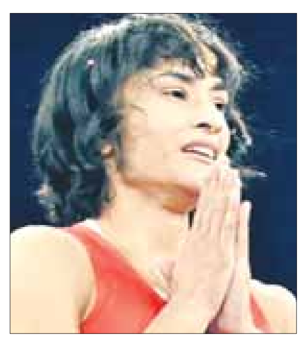

आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाडा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, इस नियम के मुताबिक संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को किसी भी टूर्नामेंट में खेलने से पहले कम से कम छह महीने तक का नोटिस पूरा करना जरूरी होता है।इसके बाद विनेश ने कोर्ट में अपील की जिसमें कहा गया था कि एशियन गेम्स के लिए 30 और 31 मई को होने वाले ट्रायल में शामिल होने की उन्हें अनुमति दी जाये।

शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

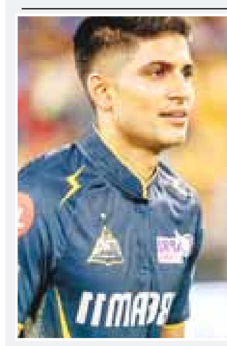

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन है।इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीसबी) के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्गज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे।

वाणिज्य मंत्री गोयल की कनाडा यात्रा से व्यापार समझौता वार्ता में सकारात्मक प्रगति की संभावना : फियो

नयी दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की आगामी कनाडा-यात्रा को उत्साहजनक बताते हुए कहा है कि यह यात्रा ऐसे समय में विशेष महत्व रखती है जब भारत और कनाडा प्रस्तावित व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सेपा) पर बातचीत को फिर से शुरू करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।श्री गोयल 25-27 मई तक कनाडा की यात्रा पर होंगे जहां वह सेपा की बातचीत को गति देंगे।इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, फियो के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने कहा कि फियो वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की कनाडा यात्रा का पुरजोर स्वागत करता है। यह यात्रा आर्थिक जुड़ाव को फिर से बनाने और प्रस्तावित सीईपीए पर चर्चा को तेज करने के लिए दोनों राष्ट्रों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 231, निफ्टी 64 अंक उछला

मुम्बई

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.99 अंक बढ़कर 75,415.35 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64.60 अंक उछलकर 23,719.30 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

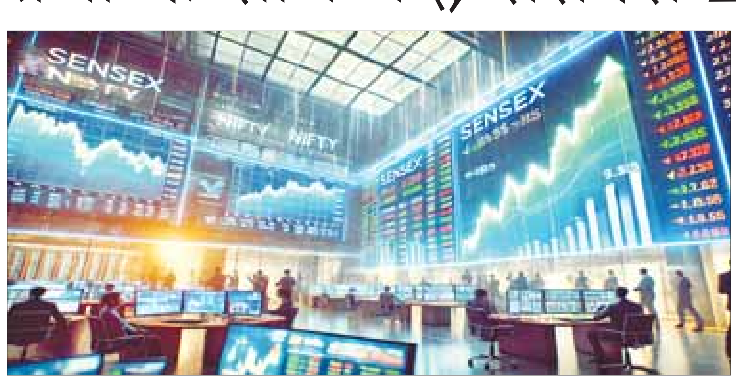

सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व में एक फीसदी से अधिक तेजी आई। दूसरी ओर आईटीसी, पावरग्रिड, बीईएल, भारती एयरटेल, इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं।

निफ्टी के शेयरों में श्रीराम फाइनेंस और एक्सिस बैंक में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 0.14 फीसदी उछला जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.15 फीसदी गिरा। निजी निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी बैंक में तेजी रही जबकि निफ्टी फार्मा,निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मीडिया के शेयर टूटे। इससे पहले आज सुबह निफ्टी 127.40 अंक चढ़कर 23,786.65 पर पहुंच गया। वहीं, बीएसई सेंसेक्स 488.97 अंक उछलकर 75,681.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, मुख्य सूचकांकों में बढ़त के बावजूद, बाजार के व्यापक हिस्से में कमजोरी का माहौल देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.13 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.08 फीसदी की गिरावट रही। अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक वार्ताओं पर निवेशकों की करीबी नजर है, खासकर ऐसी रिपोर्ट्स के बाद कि ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम के भंडार को देश के भीतर ही रखने की योजना बना रहा है। यह स्थिति परमाणु समझौते को लेकर चल रही बातचीत को जटिल बना सकती है और वैश्विक तेल कीमतों तथा बाजार की धारणा पर असर डाल सकती है।

कमजोर वैश्विक संकेतों से सोना-चांदी के भाव में नरमी

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों और मुनाफावसूली के चलते शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक इनमें लगातार गिरावट जारी रही। घरेलू बाजार में सोना 1,59,200 रुपए के करीब, जबकि चांदी 2,74,150 रुपए के आसपास कारोबार कर रही थी। अंतराष्ट्रीय बाजार में भी बहुमूल्य धातुओं में दबाव देखा गया। एमसीएक्स पर सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 108 रुपए की गिरावट के साथ 1,59,498 रुपए पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,59,606 रुपए था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 404 रुपए की गिरावट के साथ 1,59,202 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसने 1,59,498 रुपए का उच्च और 1,58,816 रुपए का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के

सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। चांदी के जुलाई कॉन्ट्रैक्ट में भी सुस्ती देखी गई। यह शुक्रवार को 1,083 रुपए की बड़ी गिरावट के साथ 2,73,800 रुपए पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,74,883 रुपए था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 738 रुपए की गिरावट के साथ 2,74,145 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में चांदी ने 2,74,350 रुपए का उच्च और 2,73,266 रुपए का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी बनी हुई है। कॉमेक्स पर सोना 4,544.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 19.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,523.40 पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 5,586.20 रुपए का उच्चतम स्तर देखा था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 77.01 रुपए प्रति औंस पर खुलने के बाद 0.39 डॉलर की गिरावट के साथ 76.34 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। चांदी ने इस साल 121.79 रुपए का सर्वोच्च स्तर छुआ था।

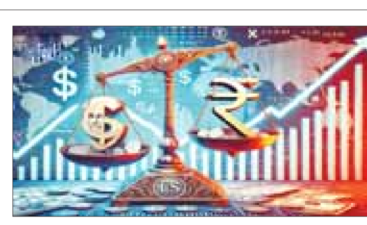

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की तेजी के साथ ही 95.96 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपयास 18 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.18 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में मामूली नरमी, भू-राजनीतिक तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों और रिजर्व बैंक के सक्रिय हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.30 पर खुला और शुरुआती कारोबार में 96.18 तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे अधिक था। रुपया गुरुवार को 50 पैसे की बढ़त के साथ 96.36 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 99.24 पर रहा।

मर्सिडिज-बेंज ने जीएलई और जीएलएस के नाइट एडिशन पेश किये

पुणे

लग्जरी कार निर्माता मर्सिडिज-बेंज ने गुरुवार को जीएलई और जीएलएस के नाइट एडिशन बाजार में उतारने की घोषणा की।ये दोनों विशेष और लिमिटेड-सीरीज मॉडल हैं, जिनमें कंपनी की सबसे अधिक बिकने वाली लग्ज़री एसयूवी रेंज जीएलई और जीएलएस को एक अलग लुक और विशेष इंटीरियर के साथ पेश किया गया है।नाइट एडिशन जीएलएस 450 की एक्स-शोरूम कीमत 1.41 करोड़ रुपये और नाइट एडिशन जीएलएस 450डी की कीमत 1.43 करोड़ रुपये रखी गयी है।नाइट एडिशन जीएलई 300डी की एक्स-शोरूम कीमत 1.05 करोड़ रुपये और जीएलई 450 की कीमत 1.14 करोड़ रुपये

है।कंपनी ने बताया कि ये नाइट एडिशन ऐसे विशेष कॉन्फ़िगिरेशन में उपलब्ध होंगे, जो किसी भी मानक संस्करण से अलग हैं।यह एक वैश्विक लिमिटेड सीरीज़ का हिस्सा है और विभिन्न बाजारों में सीमित संख्या में पेश किया जायेगा, जिससे इसकी विशिष्टता और कलेक्टर अपील और बढ़ जाती है।दोनों मॉडल में डार्क एक्सटीरियर डिजाइन दिया गया है, जो दो रंग विकल्पों - ऑब्सिडियन ब्लैक और अल्पाइन ग्रे - में उपलब्ध है।अल्पाइन ग्रे केवल नाइट एडिशन सीरीज़ के लिए है, जिससे ग्राहकों को अधिक खास और अलग विकल्प मिलता है।दोनों मॉडलों में हेड-अप डिस्प्ले मानक फीचर के रूप में दिया गया है।

मध्यप्रदेश वैश्विक वन्य जीव संरक्षण का बना रोल मॉडल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय वन मंत्री ने एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल का किया शुभारंभ

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जैव-विविधता में हमारा प्रदेश, देश में एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में विकसित किया जा रहा है। हमारे पास टाइगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट, चीता स्टेट, वल्चर स्टेट, घड़ियाल स्टेट, वुल्फ स्टेट का टाइटल है। सालों पहले देश की धरती से चीते लुप्त हो चुके थे। हम देश की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के रूप में पहचाने जाने वाले चीतों को प्रदेश की धरती में वापस ले आये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को चीता स्टेट बनने का गौरव देने के लिए केन्द्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि चीतों ने पालपुर कूनो और गांधी सागर अभयारण्य को अपना घर मान लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अब कुल 53 चीते हैं। मध्यप्रदेश वैश्विक वन्यजीव संरक्षण का सबसे बड़ा और वैज्ञानिक रोल मॉडल बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के अवसर पर भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम एवं चीता संरक्षण पर मीडिया वर्कशाप को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश मोगली लैंड और सफेद शेरों की धरती के नाम से भी जाना जाता है। लगभग 100 साल के बाद मध्यप्रदेश की धरती पर जंगली भैंसे का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना की गई है। दुर्लभ प्रजाति के 33 कछुए और 53 घड़ियाल कूनो नदी में छोड़े गए हैं। हलाली डेम क्षेत्र में 5 लुप्तप्राय गिद्धों को उनके नैसर्गिक वातावरण में मुक्त किया गया है।

महत्पूर्ण भूमिका निभाएगा पोर्टल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय वन मंत्री श्री यादव ने एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल जैव-विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता एवं जन-जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर चीता संरक्षण पर केंद्रित ब्रोशर, भारत की बायोडायवर्सिटी रिपोर्ट-2026 एवं अन्य प्रचार साहित्य का विमोचन कर अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस की स्मृति में डाक विभाग का च्माय स्टैम्पज् (5 रुपए का डाक टिकट) भी लाँच किया गया। अतिथियों द्वारा आईआईएफएम में नवस्थापित डेटा संचालित प्रयोगशाला (डेटा ड्रिवन लैब) का लोकार्पण भी किया गया। साथ ही इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस (आईबीसीए) की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म, प्रदेश की जैव-विविधता विरासत स्थलों पर केंद्रित लघु फिल्म, मप्र राज्य जैव-विविधता बोर्ड द्वारा संरक्षित तपोवन भूमि स्थलों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव ने प्रदेश के वन विभाग के मैदानी अमले के लिए न्यू बाइक्स एवं रेस्क्यू व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईआईएफएम परिसर में विभिन्न राज्यों के जैव-विविधता बोर्ड द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आकर्षक स्वागत नृत्य करने वाले जनजातीय कलाकारों में प्रत्येक को इनाम स्वरूप 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों का नया घर किया तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस 2026 मध्यप्रदेश में मनाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन हमें जैव-विविधता के क्षेत्र में काम करने के लिए चिंतन और कार्य करने की प्रेरणा देता है। प्रोजेक्ट चीता विश्व में वन्यजीवों के पुनर्स्थापन का एक चमत्कारिक उदाहरण है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों का पुनर्स्थापन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करना एक चुनौती पूर्ण कार्य था। प्रदेश के वन विभाग ने एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों का नया घर तैयार किया है। हमारा वन अमला हाथियों के प्रबंधन के लिए बुलेटिन निकालने जैसे नवाचार भी कर रहा है। चंबल और कूनो नेशनल पार्क में घड़ियालों के संरक्षण का कार्य भी तेजी से हो रहा है। मां नर्मदा का वाहन मगर है, इनके संरक्षण और पुनर्वास की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश की धरती पर 100 साल बाद 8 जंगली भैंसों की वापसी कराई है। इससे हमारे कान्हा नेशनल पार्क की जैव-विविधता समृद्ध हुई है। असम सरकार के सहयोग से हमें जंगली भैंसे मिले हैं। दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों का भी संरक्षण किया गया है। भोपाल से छोड़े गए गिद्ध ने उज्बेकिस्तान तक का सफर तय कर लिया है।

जल संरक्षण के लिये चलाया जा रहा महाअभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण की दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश में गुड़ी पड़वा से लेकर गंगा दशहरा तक 3 महीने का जल संरक्षण महाभियान चल रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में बड़े पैमाने पर कार्य हो रहा है। राज्य में अब तक 3000 करोड़ रुपये की लागत से 56 हजार जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार और निर्माण, 827 बावड़ी, 1200 से अधिक तालाब, 212 नदियों में साफ-सफाई के कार्य किए गए हैं। इस महाभियान में प्रदेश के 18 लाख लोगों ने अपनी भागीदारी की है। जल और जंगल के संरक्षण तथा जमीन उर्वरता बचाए रखने में मध्यप्रदेश देश में नंबर वन है। प्रदेश में 2 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए और एक हजार अमृत सरोवर का निर्माण भी तेजी से हो रहा है। प्रदेश के पाँच हजार जलस्त्रोतों का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में सरीसृपों की बसाहट का कार्य भी हो रहा है। प्रदेश में अब किंग कोबरा के साथ गैंडा लाने की भी तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जंगलों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास भी वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर स्थापित किए जा रहे है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पंजीकृत श्रमिकों को मिलेगा कैशलेस आयुष चिकित्सा का लाभ

श्रम और आयुष विभाग के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

भोपाल। मध्यप्रदेश में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों और उनके आश्रितों को कैशलेस आयुष चिकित्सा का लाभ दिया जायेगा। यह श्रमिकों के स्वास्थ्य कल्याण के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय है। मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार की गरिमामयी उपस्थिति में श्रम विभाग और आयुष विभाग के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। इस एमओयू पर आयुष विभाग की ओर से आयुक्त डॉ. संजय मिश्र और श्रम विभाग (ईएसआईसी) की ओर से संचालक डॉ. सी. एस. जायसवाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयुष विभाग के प्रमुख सचिव शोभित जैन एवं श्रम विभाग के सचिव श्री रघुराज एम आर सहित दोनों ही विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है और यह पहल भारतीय चिकित्सा पद्धति को आमजन में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के श्रमिक सामूहिक रूप से योग कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश देंगे।

आवश्यकता अनुसार होगा सुविधाओं का विस्तार

मंत्री श्री परमार ने भारतीय चिकित्सा पद्धति को विश्वसनीयता के साथ आमजन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस एमओयू के तहत की जा रही गतिविधियों की हर वर्ष समीक्षा की जाएगी और आवश्यकतानुसार सुविधाओं का विस्तार भी किया जायेगा। इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों, विशेषकर श्रमिक वर्ग में योग और सूर्य नमस्कार से स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए श्रम विभाग द्वारा आयुष विभाग के सहयोग से तैयार किए गए एक विशेष लोगो का भी विमोचन किया गया। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य कर्मचारी राज्य बीमा योजना के लाभार्थियों को राज्य के शासकीय आयुष संस्थानों, जैसे चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला चिकित्सालयों, एलोपैथिक अस्पतालों में संचालित आयुष विंग्स और औषधालयों के माध्यम से समग्र, सुलभ और पूरी तरह से कैशलेस चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

प्रथम चरण में शुरु होंगे 9 शासकीय आयुष चिकित्सा महाविद्यालय

इसके तहत पंजीकृत कर्मचारियों और उनके आश्रितों को आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी पद्धतियों पर आधारित वैकल्पिक उपचार के बहुआयामी विकल्प प्राप्त हो सकेंगे। इस योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध रूप से किया जाएगा, जिसके प्रथम चरण में इसे प्रदेश के 9 शासकीय आयुष चिकित्सा महाविद्यालयों में शुरू किया जाएगा और इसके बाद दोनों विभागों की आपसी सहमति से इसका विस्तार जिला स्तरीय आयुष चिकित्सालयों, आयुष विंग और डिस्पेंसरीज़ में किया जाएगा। इस पहल से जहाँ एक ओर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर एलोपैथिक स्वास्थ्य संस्थानों पर मरीजों का बढ़ता दबाव भी कम होगा।

दमोह की पहचान है शांति और सौहार्द : विधायक मलैया

ईदुज्जुहा पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

दमोह

गंगा जमुना तहजीब से जिले में त्यौहारो को भाईजारे से मनाते आ रहे है, इस बार भी सभी मिलकर त्यौहार मनायेंगे। यह बात जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में सम्मानीय सदस्यों ने एक स्वर में कहा। यह बैठक आगामी ईदुज्जुहा पर्व के मद्देनजर अयोजित की गई थी। बैठक में विधायक जयंत कुमार मलैया, भाव सिंह लोधी, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी सहित शांति समिति के सदस्यगण पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। जिले में हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन सहित सभी समाजों के पर्व हमेशा शांतिपूर्ण और निर्विघ्न रूप से संपन्न होते रहे हैं जिले में सामाजिक समरसता की मजबूत परंपरा रही है और यहां सभी समुदायों के बीच बेहतर तालमेल बना हुआ है। यह बात विधायक जयंत मलैया ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित शांति समिति की बैठक में कही।

विधायक मलैया ने कहा यही पहचान है कि यहां भाईचारा बहुत है और कहीं कोई दिक्कत नहीं है, इस बार भी ईद और अन्य सभी त्योहार उसी सौहार्दपूर्ण और प्रेमपूर्ण वातावरण में मनाए जाएंगे, जैसे पहले मनाए जाते रहे हैं। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि हमारा समाज भाईचारा, प्रेम, सद्भाव और विश्वास की नींव पर टिका हुआ है तथा इन मूल्यों को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि शांति समिति की बैठक का उद्देश्य आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना तथा संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते सुनिश्चित करना है। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने दायित्वों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं समय पूर्व पूर्ण करें। उन्होंने कहा जहां संवाद होता है वहां विवाद स्वत: समाप्त हो जाते हैं, जैसे प्रकाश होने पर अंधकार समाप्त हो जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि न तो किसी गलतफहमी में आएं और न ही किसी प्रकार की भ्रामक जानकारी फैलाएं। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया तथा जिले की सौहार्दपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाते हुए त्योहारों को मिलजुलकर मनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नगर के प्रमुख चौराहों पर ठंडे पानी का संकट

हटा। भीषण गर्मी के दौर में नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ठंडे पेयजल की व्यवस्था चरमराती नजर आ रही है। कभी नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थायी पानी की टंकियां बनाकर वाटर कूलर लगाए गए थे लेकिन समय के साथ अधिकांश व्यवस्थाएं बदहाल हो गईं। हालत यह है कि एक-दो स्थानों को छोड़ दिया जाए तो नगर पालिका के अधिकतर नल अब ठंडे पानी की जगह गर्म पानी उगल रहे हैं और आमजन राहत के लिए तरस रहे हैं। नगर के सबसे व्यस्त और सबसे अधिक आवश्यकता वाले एकमात्र बस स्टैंड की स्थिति सबसे चिंताजनक बताई जा रही है। नगर पालिका कार्यालय के गेट के पास को छोड़ दें तो पूरे बस स्टैंड परिसर में कहीं भी ठंडे पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। यात्री प्रतीक्षालय के पास पहले बनी हुई पानी की टंकी और वाटर कूलर को कतिपय कारणों से हटा दिया गया। इस वाटर कूलर से न केवल बस स्टैंड के दुकानदार और राहगीर बल्कि प्रतिदिन आने-जाने वाले सैकड़ों यात्री राहत पाते थे और नगर पालिका की सराहना करते थे। अब वही यात्री गर्म पानी पीने को मजबूर होकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कोसते नजर आते हैं। बस स्टैंड के बाद नगर के सबसे व्यस्त चण्डी जी चौराहा पर भी ठंडे पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। यहां केवल मंदिर परिसर में उपलब्ध सीमित व्यवस्था ही लोगों का सहारा है। चण्डी जी मंदिर के वाटर कूलर और शक्तिपीठ में रखे मटकों के पानी के अलावा पूरे चौराहे पर कहीं भी सार्वजनिक ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी ताकत : राज्यमंत्री पटेल

कुर्मी एम्प्लाइज जन कल्याण मंच द्वारा मेधावी, विद्यार्थी सम्मान समारोह संपन्न

दमोह। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल के मुख्य आतिथ्य में कुर्मी एम्प्लाइज जन कल्याण मंचए दमोह द्वारा मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्य पिछड़ा कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले कुर्मी समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री पटेल ने कहा कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है और मेधावी विद्यार्थी समाज एवं देश का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने कहा समाज के सभी वर्गों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ.साथ अच्छे संस्कार अपनाना भी आवश्यक है। माता-पिता की सेवा एवं बड़ों का सम्मान जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में ऐसी बेटियां भी उपस्थित हैं जिन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की मेहनत और लगन ही उन्हें सफलता के इस मुकाम तक पहुंचाती है।

अग्रकुल जनकल्याण मण्डल ने नगर की समस्याओं को लेकर सौंपा 13 सूत्रीय मांगपत्र

हटा। सेवा, सहयोग और समाजकल्याण के उद्देश्य से गठित अग्रकुल जनकल्याण मण्डल के सदस्यों ने सीएमओ राजेन्द्र खरे से भेंट कर सुनार नदी के घाटों की स्वच्छता, संरक्षण, सुंदरीकरण एवं व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। सीएमओ को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि सुनार नदी के घाटों की नियमित साफ सफाई के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही नदी किनारे खुले में शौच पर सख्ती से रोक लगाने, पूजन सामग्री के विसर्जन को नियंत्रित करने तथा नदी में मिल रहे गंदे नालों के पानी को रोकने के लिए सोकपिट निर्माण कराने की मांग भी की गई। ज्ञापन में नदी के कटाव को रोकने के लिए किनारों पर व्यापक वृक्षारोपण करानेए घाटों पर शाम के समय होने वाली शराबखोरी पर अंकुश लगाने तथा नदी किनारे जमा कचरे के ढेर हटाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके अलावा नदी में कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करनेए घाटों की मरम्मत कराने तथा निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की आवश्यकता बताई गई। मण्डल के सदस्यों ने घाटों की नियमित साफ सफाई की निगरानी सुनिश्चित करनेए नदी में मछली पकड़ने पर रोक लगाने तथा घाटों के सुंदरीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने की मांग रखी।

तपती धूप में मानवता की छांव, लीनेश क्लब ने मजदूरों को बांटी कूलिंग किट

दमोह। भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत दिलाने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था लीनेश क्लब द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत दिहाड़ी मजदूरों को कूलिंग किट वितरित की गई। संस्था के इस सेवा अभियान के तहत मज़दूरों को पानी की बोतल, तौलिया, ग्लूकोज़, छाता, टोपी, पाउडर, मठा एवं सत्तू जैसी आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, ताकि वे गर्मी के प्रभाव से सुरक्षित रह सकें। इस दौरान क्लब की अध्यक्ष रजनी खरे ने कहा कि भीषण गर्मी में सबसे अधिक परेशानी उन दिहाड़ी मजदूरों को होती है, जो पूरे दिन कड़ी धूप में मेहनत करते हैं। ऐसे में उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर जरूरतमंद लोगों की सहायता हेतु इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सारिका टंडन ने कहा, भीषण गर्मी में मज़दूरों को राहत देना केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता का सच्चा धर्म है। लीनेश सचिव ज्योति चिले ने कहा, जो लोग तपती धूप में मेहनत करते हैं, उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना समाज का कर्तव्य है कोषाध्यक्ष माया यादव ने कहा सेवा का सबसे सुंदर रूप वही है, जो ज़रूरत के समय किसी के चेहरे पर मुस्कान ले आए।

न्यायालय नायब तहसीलदार
रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र. 0/40/अ-6/2026-27

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष सिंह ठाकुर पिता स्व. राजेन्द्र सिंह ठाकुर निवासी महगवां डुमना रोड जबलपुर द्वारा पंजीकृत विक्रयपत्र क्रमांक... दिनांक..../वसीयतनामा/बंटवारा नामा/हस्तांतरण पत्र/ हकत्याग पत्र/ दानपत्र/ दस्तवरदारी/ तबादलानाम/ के माध्यम से मौजा महगवां नं.बं.... प.ह.नं..... खसरा नं. 42/1/3, 76/4, 78, 79 प्लाट नं.... रकवा 0.304, 0.7350, 0.065, 0.073 हेक्टे./ वर्गफुट पर विक्रेता/वसीयतकर्ता.. से क्रय की गई भूमि पर अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रयपत्र/ फ्री होल्ड विलेख/ वसीयतनामा/ बंटवारा नामा/ हस्तांतरण पत्र/ हकत्याग पत्र/ दान पत्र/ दस्तवरदारी/तबादला नामा/मुख्त्यार आम एवं खसरा की छायाप्रति/सत्यापित प्रति संलग्न कर नामांतरण/फौती नामांतरण/बंटवारा/नक्शा बटांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति न्यायालय में पेशी दिनांक 29.05.2026 तक उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 14.05.2026 को इश्तहार जारी किया गया।

जारी दिनांक 14/05/2026
पेशी दिनांक 29/05/2026

सील

नायब तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र जबलपुर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के पास धनवंतरी नगर, जबलपुर -482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हाथीताल कॉलोनी जबलपुर में फ्लैट क्रमांक HIG- 13 श्रीमती गीता निगम पति स्व. श्री प्रकाश कुमार निगम के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27.02.2016 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त फ्लैट श्रीमती गीता निगम पति स्व. श्री प्रकाश कुमार निगम ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 12.05.2026 के माध्यम से श्री पवन कुमार मानधना पिता श्री राधा मोहन मानधना एवं श्रीमती रमा मानधना पति श्री पवन कुमार मानधना को विक्रय किया है। अतः श्री पवन कुमार मानधना पिता श्री राधा मोहन मानधना एवं श्रीमती रमा मानधना पति श्री पवन कुमार मानधना द्वारा उक्त फ्लैट उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11
नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 20/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार मिश्रा पिता श्री गनेश प्रसाद मिश्रा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. ए 99 चैतन्य सिटी फेस-2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003940306 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1500 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज (1) नरेश गुलाटी (2) दीप गुलाटी पिता सुदर्शन गुलाटी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11
नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 21/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजेश कुमार धूपर पिता स्व. सेवक राम धूपर ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक 143 कस्तूरबा नगर पोस्ट ऑफिस सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000429200 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 300 व.फु./300 व.फु. पर निम्न दस्तावेज वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्रीमती कमल कुमारी पति श्री सेवक राम धूपर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11
नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 22/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सौरभ साहू पिता स्व. भारत भूषण साहू ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 990/2 टंकी के पास सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000386654 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1250 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1000 व.फु. प्रथम तल 1000 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री नवनीत पिता श्री देवमणी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका, जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 229 श्री दिनेश कुमार जैन पिता श्री सुभाषचंद जैन के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 09.09.2005 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। श्री दिनेश कुमार जैन पिता श्री सुभाषचंद जैन द्वारा पंजीकृत विक्रय - विलेख दिनांक 05.10. 2005 के माध्यम से श्री धन्य कुमार जैन पिता श्री कोमल चंद जैन को विक्रय किया था। अत: श्री धन्य कुमार जैन कि मृत्यु दिनांक 20.07.2017 को होने के उपरांत उनकी पत्नी एवं पुत्रों श्रीमती श्वेता जैन पति स्व. श्री धन्य कुमार जैन, श्री शशांक सिंघई, श्री सूर्याश सिंघई एवं श्री शिवांश सिंघई पिता स्व. श्री धन्य कुमार जैन के द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं । यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

नागरिकों के बीच पहुंच रहे नगर निगम के अधिकारी

वार्डवार हो रहा जल चौपाल का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वार्डवार जल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को संभाग क्रमांक 16 के अंतर्गत आने वाले संजय गांधी वार्ड में जल चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव और नगर निगम के अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समय पर पूरा किया जाए उपार्जन का कार्य

संभागायुक्त ने किया गेहूं खरीदी व्यवस्थाओं का निरीक्षण

जबलपुर। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने शुक्रवार को बीजाडांडी विकासखण्ड में दीपिका वेयरहाउस स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति नारायण गंज गेहूं खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर उपार्जन से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने खरीदी केन्द्र पर भंडारण और खरीदी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं विभागीय अधिकारियों से गेहूं उपार्जन की दैनिक प्रगति, परिवहन, भंडारण, भुगतान आदि की जानकारी ली। संभागायुक्त ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी के लिए जितने भी स्लॉट शेष बचे है।

दोबारा होगा ट्विशा के शव का पीएम आरोपी पति ने जिला अदालत में किया सरेंडर

मप्र हाईकोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भोपाल के चर्चित ट्विशा सिंह मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी समर्थ सिंह (ट्विशा के पति) को मप्र हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत नहीं मिली। समर्थ सिंह की ओर से अर्जी वापस लिए जाने पर जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की वेकेशन बेंच ने उसे खारिज कर दिया। इधर कोर्ट के इस निर्णय के बाद आरोपी समर्थ सिंह ने जबलपुर जिला अदालत में सरेंडर कर दिया। वहीं हाईकोर्ट ने ट्विशा सिंह के शव का दोबारा पोस्ट मार्टम कराने की मांग मंजूर कर ली है। ट्विशा सिंह के पिता नवनिधि शर्मा की याचिका पर अदालत ने एम्स नई दिल्ली की टीम को भोपाल आकर दूसरा पोस्ट मॉर्टम करने के आदेश दिए हैं। वहीं मप्र शासन ने भी इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

दहेज प्रताड़ना से जुड़ा मामला

जानकारी के अुनसार आरोपी समर्थ सिंह, रिटायर्ड जज गिरीबाला सिंह का बेटा है। उसकी शादी अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा सिंह से 9 मई 2025 को नई दिल्ली में हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद ट्विशा सिंह को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया गया। इसी प्रताड़ना से परेशान होकर ट्विशा ने 12 मई 2026 की रात भोपाल स्थित ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में भोपाल के कटारा हिल्स थाने में समर्थ सिंह और उसकी मां गिरीबाला सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से समर्थ सिंह फरार चल रहा है और पुलिस ने उस पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

महिला जज को मिल चुकी अग्रिम जमानत

सूत्रों के अनुसार, समर्थ सिंह ने पहले निचली अदालत में अग्रिम जमानत की मांग की थी। मामले की सह-आरोपी गिरिबाला सिंह को भोपाल की अदालत से पहले ही अग्रिम जमानत मिल चुकी है। इधर सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर ट्विशा की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को दी गई जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस अवनींद्र सिंह की कोर्ट में होनी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मामले को डिवीजन बेंच को रेफर कर दिया। बता दें कि गिरीबाला सिंह पूर्व में मप्र हाईकोर्ट में रजिस्ट्रार रह चुकी हैं और वर्तमान में जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष हैं।

कोर्ट परिसर में बनी विवाद की स्थिति

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला अदालत में सरेंडर के दौरान पत्रकारों ने आरोपी समर्थ से सवाल पूछने की कोशिश की तो कुछ अधिवक्ता आक्रामक हो गए। मीडिया कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की हुई और उन्हें परिसर से बाहर निकालने का प्रयास किया गया। कई वरिष्ठ पत्रकारों के साथ बदसलूकी की भी बातें सामने आईं। कोर्ट परिसर में मौजूद लोगों ने कहा कि कुछ अधिवक्ता किसी भी कीमत पर आरोपी को मीडिया कैमरों से बचाना चाहते थे।

विश्व प्री-एक्लेम्पसिया दिवस पर जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जागरूकता अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व प्री-एक्लेम्पसिया दिवस के अवसर पर विक्टोरिया हॉस्पिटल में बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्री-एक्लेम्पसिया, उसके चेतावनी संकेतों, बचाव एवं मातृ स्वास्थ्य देखभाल के महत्व के प्रति जनजागरूकता फैलाना था। यह कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया तथा इसका सफल समन्वयन सुश्री अर्निका जोसेफ एवं सुश्री हेमलता ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने आमजन को प्री-एक्लेम्पसिया के कारणों, लक्षणों, जोखिम कारकों एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

प्रमुख लक्षणों से आमजन को कराया अवगत

उच्च रक्तचाप, शरीर में सूजन, तेज सिरदर्द, धुंधला दिखाई देना तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं जैसे प्रमुख लक्षणों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही नियमित प्रसवपूर्व जांच (एंटीनैटल चेक-अप) एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। छात्राओं ने चार्ट, पोस्टर एवं संवादात्मक माध्यमों के द्वारा लोगों को प्रभावी ढंग से जागरूक किया। इस जागरूकता कार्यक्रम से समुदाय में प्री-एक्लेम्पसिया की शीघ्र पहचान एवं रोकथाम के प्रति बेहतर समझ विकसित हुई, जिससे सुरक्षित मातृत्व एवं स्वस्थ गर्भावस्था को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक, शिक्षाप्रद एवं सफल रहा तथा समाज में महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य संदेश पहुंचाने में प्रभावी सिद्ध हुआ।

निगमायुक्त ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जल प्रदाय, सीवरेज, ई-केवाईसी, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सभी प्रमुख विभागों के प्रगतिरत कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को विभागीय कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने निर्देश मिले। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया की वर्षा ऋतु के आगमन से पहले शहर के सभी छोटे-बड़े नालों और नालियों की सघन सफाई सुनिश्चित की जाए। वर्षा काल के दौरान कहीं भी जल-भराव की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए व्यवस्थित वर्षा जल निकास की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने ने शासन की जनहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन की भी प्रगति देखी। उन्होंने हितग्राहियों के ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने और इसे शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

निगमायुक्त को मिला जेसीटीएसएल के प्रभारी कार्यकारी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के परिवहन विभाग द्वारा जारी नवीनतम आदेश के तहत नगर निगम के आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ जबलपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के प्रभारी कार्यकारी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। परिवहन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के अधीन संचालित क्षेत्रीय सहायक कंपनी जेसीटीएसएल के निदेशक मंडल का पुनर्गठन किया गया है। शासन द्वारा कार्य सुविधा की दृष्टि से और शहर के लोक परिवहन को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु यह जिम्मेदारी सीधे निगमायुक्त श्री अहिरवार को दी गई है।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन कल

तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संघ लोक सेवा आयोग की 24 मई को आयोजित होने वाली सिविल सर्विसेज (प्रारंभिक) परीक्षा 2026 के सफल संचालन के लिए परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में वेन्यू सुपरवाइजर्सए सहायक सुपरवाइजर्स एवं लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर्स (एलआईओ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यूपीएससी के ऑब्जर्वर ओपी हितैषी, जिला नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावीए परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विसेज प्रारंभिक परीक्षा के लिए शहर में 17 परीक्षा केंद्रों बनाये जा रहे हैं। परीक्षा में कुल 5 हजार 425 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 24 मई को दो सत्रों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र प्रात: 9.30 बजे से 11.30 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 2.30 बजे से 4.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परीक्षा के सफल संचालन हेतु प्राध्यापकों को वीक्षण कार्य एवं तहसीलदार तथा नायब तहसीलदारों को सहायक कोऑर्डिनेशन सुपरवाइजर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में सभी 17 परीक्षा केंद्रों से संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं के प्राचार्य भी मौजूद रहे।

संदिग्ध अवस्था में मिली युवक की लाश, हत्या का आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। धनवंतरी नगर क्षेत्र में एक युवक की लाश घर में संदिग्ध परीस्थितियों में मिली है। परिजनों का कहना है कि युवक की हत्या की गई है। सूचना पर मौके पर पहुंची धनवंतरी पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की विस्तृत जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक धनवंतरी नगर के श्यामनगर निवासी सुरेंद्र कुमार उम्र 28 साल की लाश घर में मिली है। जो एक पूर्व सरपंच के मकान में केयरटेकर का कार्य करता था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतक का शव कमरे के भीतर

बेड के नीचे खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। शव की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि युवक की बेहद बेरहमी से हत्या की गई है। मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों के अनुसार मृतक के गले में गमछा कसा हुआ था, जबकि हाथ की कलाई पर भी गहरे कट के निशान दिखाई दिए। कमरे के भीतर और आसपास खून फैला हुआ था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या से पहले संघर्ष भी हुआ होगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। परिवार के लोगों ने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। देर रात मकान और उसके आसपास आने-जाने वाले लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

बिना टिकिट यात्रा कर रहे 161 यात्रियों पर दर्ज हुआ मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्रीष्मकालीन अवधि में ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ एवं आरक्षित यात्रियों को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जबलपुर स्टेशन पर संघमित्रा एक्सप्रेस न. 12295, रांची मुंबई एक्सप्रेस 18609, महानगरी एक्सप्रेस 22178, हावड़ा मुंबई मेल 12321 एवं 12168 सहित आधा दर्जन यात्री गाड़ियों में टिकट जांच अभियान रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण कई बार बिना टिकट अथवा अनियमित यात्री आरक्षित कोचों में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे आरक्षित टिकट धारक यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

नारी शक्ति को मिला आत्मरक्षा का कवच

मुंबई पुलिस के पूर्व ट्रेनर ने सिखाए सेल्फ डिफेंस के गुर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बिजली विभाग में कार्यरत महिला अधिकारी और कर्मचारियों को सशक्त और निडर बनाने की दिशा में एक अनूठी और सराहनीय पहल की गई है। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के तत्वावधान में जबलपुर स्थित सभी विद्युत कंपनियों की महिला कार्मिकों के लिए 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम के तहत एक विशेष आत्मरक्षा, बचाव और सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कल्याण भवन में किया गया। इस शिविर में लगभग 100 महिला कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खुद को विपरीत परिस्थितियों से सुरक्षित रखने के गुर सीखे। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मुंबई पुलिस के पूर्व ट्रेनर और वर्तमान में पावर एक्सचेंज ऑफ इंडिया के सलाहकार राजेंद्रन नायर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर राजेंद्रन नायर ने महिलाओं को अपने आस-पास के माहौल और खतरे के संकेतों को पहचानने, सड़क पर होने वाले उत्पीड़न व हमलों से बचाव करने और किसी के द्वारा अचानक पकड़े जाने या गला दबाए जाने की स्थिति से खुद को छुड़ाने का व्यावहारिक व सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने महिलाओं को रोजमर्रा की साधारण चीजों जैसे चाबी, पेन या पर्स का इस्तेमाल आत्मरक्षा के हथियार के रूप में करना भी सिखाया। इसके साथ ही, महिला कर्मियों को प्राचीन चीनी मार्शल आर्ट 'ताई-ची' से रूबरू कराया गया।

केटरिंग एजेंसी पर कसा शिकंजा खाद्य विभाग ने एकत्रित किए सैम्पल

ट्रिपल आईटीडीएम का मामला, खाना खाने के बाद बिगड़ी थी एनसीसी कैडेट्स की तबियत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एयरपोर्ट रोड़, जबलपुर स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान (ट्रिपल आईटीडीम) में एनसीसी कैम्प के दौरान कैडेट्स को फूड प्वाइजनिंग होने की घटना प्रकाश में आने पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संस्थान का निरीक्षण कर कैडेट्स को परोसे जाने वाले भोजन के निर्माण में उपयोग हुए अवयवी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इस दौरान किचिन में संग्रहित पनीर, फ्रोजन मटर, दही, दाल, चावल, आटा, बैगन, पत्ता गोभी तथा पीने वाले पानी के नमूने एकत्र कर परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किए गए हैं। अवयवी खाद्य पदार्थों गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर अभिहित अधिकारी डॉ नवीन कोठारी के निर्देशानुसार केटरिंग एजेंसी एआरआर ट्रेडर्स, एसबीआई चौक विजयनगर, के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत न्यायालयीन कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

ये है पूरा घटनाक्रम- गुरूवार को डुमना रोड स्थित ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में चल रहे एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में 50 से अधिक बच्चे अचानक बीमार पड़ गए थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात करीब 8 बजे कैडेट्स ने भोजन किया, जिसके बाद कई बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। बच्चों को चक्कर, उल्टी-दस्त और कमजोरी की शिकायत होने पर आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ कैडेट्स ने खाने में पनीर की सब्जी दिए जाने के बाद तबीयत बिगड़ने की बात कही है, जिससे फूड पॉइजनिंग की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग शुरुआती तौर पर भीषण गर्मी और लू को बच्चों के बीमार होने की प्रमुख वजह माना।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीम अस्पताल पहुंची। कैंप में आए एक कैडेट ने बताया कि जबलपुर की तेज गर्मी कई बच्चे सहन नहीं कर पाए, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने बताया कि शिविर सात दिन पहले शुरू हुआ था और लगातार धूप में प्रशिक्षण चल रहा था। कुछ कैडेट्स ने खाने के बाद तबीयत खराब होने की भी बात कही है।

55 वाणिज्य कर्मचारियों का हुआ सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार रजक के निर्देशन में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा द्वारा वाणिज्य विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर टिकट चेकिंग, माल राजस्व, बुकिंग कार्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि अर्जित करने वाले कुल 55 वाणिज्य कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शशांक गुप्ता, नितेश कुमार सोने, गुन्नार सिंह एवं धर्मेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**